THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जम्मू में आतंकियों की फायरिंग से 1 जवान शहीद

श्रीनगर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर सोमवार सुबह आतंकियों ने सेना पर फायरिंग की है। इसमें एक जवान शहीद हो गया है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने मिलिट्री स्टेशन के बाहर से छिपकर स्नाइपर गन से गोलियां चलाई थीं। जवान के घायल होने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। ड्रोन से भी इलाके की निगरानी की जा रही है।

वर्ष-29 अंक : 163 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद अमावस्या 2081 मंगलवार, 3 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वैष्णो देवी के रास्ते में लैंडस्लाइड

2 महिलाओं की मौत, एक जखमी : आंध्र-तेलंगाना में बाढ़ से 30 की जान गई

वैष्णव देवी

महबूबाबाद के हालात

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में आसमान से बरसी आफत 30 से ज्यादा की मौत, 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। शनिवार और रविवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आसमान में आफत बरसी। इस बारिश के चलते दोनों राज्यों में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं और सड़कें जलमग्न हैं और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। जल भराव के चलते दोनों राज्यों में रेल, सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

बाढ़ में फंसे लोग :

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की नदियां पूरे उफान पर हैं। हालात को देखते हुए हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात की गई है।

बारिश के चलते दोनों राज्यों में कई ट्रेनें रद्द हुई हैं :

बारिश के चलते आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। वहीं कई ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा है। बारिश के चलते कई रेलवे ट्रैक पानी में डूबे हुए हैं।

आंध्र, तेलंगाना में बाढ़ जैसे हालात :

तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों में बारिश के चलते 15 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। हैदराबाद में बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया है। इसके चलते शहर में सोमवार को स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश में बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर सोमवार को लैंडस्लाइड होने से 3 तीर्थ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 2 महिलाओं की मौत हो गई।

एक लड़की का इलाज चल रहा है। अफसरों ने बताया कि दोपहर करीब 2.35 बजे पांची के पास भूस्खलन हुआ। मिट्टी गिरने से मार्ग के ऊपर बना टीन शेड गिर गया। इसकी चपेट में कई लोग आ गए।

उधर, **आंध्र प्रदेश और तेलंगाना** में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ और बारिश के चलते 2 दिनों में आंध्र और तेलंगाना में 30 लोगों की मौत हुई है। दोनों राज्यों में 140 ट्रेन कैंसिल हुई हैं। 54 से ज्यादा ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। एनडीआरएफ की 26 टीम तैनात की गई हैं। उफनती नदियों के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है।

आंध्र प्रदेश में 1998 के बाद ऐसी बाढ़ आई है। 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। विजयवाड़ा में 2.76 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कुछ इलाकों में 10 फीट तक पानी भरा है। तेलंगाना में सूर्यपेट, भद्राद्री, कोत्तागुडेम, महबूबाबाद जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। खम्मम के 110 गांव पूरी तरह से पानी में डूबे हैं। हैदराबाद में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

पीएम ने आंध्र और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात की

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात कर राज्य के हालात की जानकारी ली। पीएम ने दोनों को केंद्र की ओर से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

सीएम एन चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि भारी बारिश ने राज्य को हिलाकर रख दिया है। विजयवाड़ा और गुंटूर शहर पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। विजयवाड़ा-गुंटूर नेशनल हाईवे और विजयवाड़ा-हैदराबाद नेशनल हाईवे भी बाढ़ से प्रभावित हैं। 100 से ज्यादा राहत शिविरों में 17 हजार लोग रह रहे हैं। बुडामेरु नदी उफान पर है। 1.1 लाख हेक्टेयर जमीन पर फसलें पूरी तरह से तबाह हो गई हैं।

तेलंगाना में बारिश के बाद हरकत में सरकार

शीर्ष अधिकारियों के साथ करेंगे अहम बैठक

हैदराबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को बारिश के बाद राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए। पिछले कुछ दिनों से राज्य में भारी बारिश के कारण अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। क्षतिग्रस्त इलाकों से लोगों को निकालकर राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बारिश राहत उपायों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। राज्य में कई स्थानों पर लोग भारी बारिश से जूझ रहे हैं। हालांकि, सोमवार की सुबह बारिश में कमी आई। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम, महबूबाबाद और सूर्यापेट जिलों को पांच करोड़ रुपये की तत्काल सहायता की घोषणा की।

खम्मम में मुन्नेरु नदी उफान पर है। इस इलाके में बाढ़ पीड़ितों ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने बताया कि उनका सारा समान बह गया। उनके पास पीने तक का पानी नहीं है। रविवार को कुछ लोगों ने उन्हें भोजन उपलब्ध कराया।

पीड़ितों ने आरोप लगाया कि उन्हें अधिकारियों की तरफ से कोई राहत सामग्री नहीं मिली। सड़कों पर जलभराव होने के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को डायवर्ट किया गया।

पंचायत राज मंत्री ने किया क्षतिग्रस्त इलाके का दौरा :

राज्य के पंचायत राज मंत्री दानसारी अनसूया ने मुरादाबाद जिले में क्षतिग्रस्त इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राहत शिविरों का निरीक्षण भी किया। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार को आदिलाबाद जिले के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए साइबराबाद पुलिस ने सभी आईटी और आईटीईएस कंपनियों से दो सितंबर को घर से काम करने का आग्रह किया।

भाजपा सदस्यता अभियान शुरू पहली सदस्यता पीएम मोदी ने ली

कहा- पहले कार्यकर्ता जेल में रहते थे या बेल पर, सत्ताधारियों के जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार (2 सितंबर) को 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' लॉन्च किया। इस मौके पर सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की सदस्यता ली। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेताओं ने फिर से पार्टी की सदस्यता ली।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा के सदस्यता अभियान का एक और दौर शुरू हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने की कोशिश की है। हम वो लोग हैं जिन्होंने दीवारों पर कमल भी बड़ी श्रद्धा से पेंट किया। हमें विश्वास था दीवारों पर पेंट किया हुआ कमल कभी न कभी दिलों पर भी पेंट हो जाएगा।

पीएम ने आगे कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को लेकर कहा जाता था कि इनका एक पैर रेल में रहता है और दूसरा जेल में। रेल में क्योंकि कार्यकर्ता लगातार भ्रमण किया करते थे। और जेल में इसलिए क्योंकि तब सत्ताधारी एक जुलूस भी नहीं निकालने देते थे। वे हमें जेल में डाल देते थे। हम ऐसे सत्ताधारियों के जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे हैं।

शाह बोले- भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी :

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है। आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान नहीं चलाता है।

नड्डा बोले- पीएम मोदी ने हमेशा संगठन को सबसे आगे रखा

कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश का प्रधानसेवक होने के नाते, 140 करोड़ देशवासियों के नेतृत्व करने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। उसके बावजूद हम सबके लिए आदर्श हैं। उन्होंने हमेशा संगठन को सर्वोपरि रखा है और संगठन प्रथम है। संगठन को जब भी जरूरत पड़ी है, तो व्यस्तताओं के बीच भी वे पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- हमारी पार्टी कथनी-करनी में फर्क नहीं करती :

राजनाथ सिंह ने कहा कि नेताओं की कथनी और करनी में फर्क होने की वजह से देश की राजनीति और नेताओं के ऊपर जनता का भरोसा कम हुआ है।

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान, किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उठाए बड़े कदम

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज कैबिनेट बैठक में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए 7 बड़े फैसले लिए गए हैं। पहला फैसला डिजिटल कृषि मिशन है। उन्होंने बताया कि इसे कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा के स्ट्रक्चर की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और हमने सफलता हासिल की है। मंत्री ने बताया कि कुल 2,817 करोड़ रुपये के निवेश के साथ डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना की जाएगी।

खाद्य और पोषण सुरक्षा से संबंधित भी लिए गए फैसले :

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दूसरा निर्णय खाद्य और पोषण सुरक्षा से संबंधित है, जिसमें जलवायु फसल विज्ञान और खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 2047 तक हमारे किसानों को कैसे तैयार किया जाए, इस पर वैज्ञानिक इनपुट प्राप्त हुए। 3,979 करोड़ रुपये के इस कार्यक्रम में पिलर रखे गए हैं।

इसके अलावा मंत्रिमंडल ने कृषि शिक्षा और प्रबंधन को सशक्त करने के लिए 2,292 करोड़ रुपये के प्रावधान वाले कार्यक्रम को स्वीकृति दी है। इसके अलावा सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी।

वहीं केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बागवानी के विकास के लिए 860 करोड़ रुपये और कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1,202 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी। इसके अलावा मोदी सरकार ने गुजरात को भी एक बड़ा तोहफा दिया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने गुजरात में प्रतिदिन 63 मिलियन चिप्स बनाने का प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए कायन्स के 3307 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने 18,036 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली एक नई रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी है। सरकार ने एक बयान में कहा कि इंदौर और मनमाड के बीच प्रस्तावित नई लाइन सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और गतिशीलता में सुधार करेगी, जिससे भारतीय रेलवे को बेहतर एफीसियंसी और विश्वसनीयता मिलेगी।

सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ फर्जी खबर फैला रहा था बांग्लादेशी पत्रकार

बेंगलूरू पुलिस ने दर्ज किया केस

बेंगलूरू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी खबर फैलाने के आरोप में एक बांग्लादेशी पत्रकार और एक इंडियन समाचार पोर्टल जयपुर डायलॉग्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हाई ग्राउंड्स पुलिस ने बांग्लादेशी अखबार के संपादक और जर्नलिस्ट सलाह उद्दीन शोएब चौधरी और जयपुर डायलॉग्स की अदिति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कांग्रेस के सदस्य श्रीनिवास ने शनिवार को पुलिस में शिकायत दी थी और इसके बाद ही बेंगलुरू पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

श्रीनिवास ने अपनी शिकायत में कहा कि सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट पर आरोप लगाया कि सोनिया गांधी पाकिस्तान की आईएसआई एजेंट हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि यह दो धर्मों के बीच में दुश्मनी पैदा करने के इरादे से की गई थी। इतना ही नहीं उसमें यह भी दावा किया कि इंटर रिलीजन मैरिज और भारत की नागरिकता हासिल करने के बाद भी वह ईसाई धर्म को ही फॉलो करती हैं। श्रीनिवास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चौधरी ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने विदेशी दोस्त के साथ मिलकर एक महिला का यौन उत्पीड़न किया था।

श्रीनिवास ने कहा कि अदिति ने सलाह उद्दीन शोएब की पोस्ट को अपने एक्स अकाउंट द जयपुर डायलॉग्स पर शेयर किया। इसकी वजह से वह ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास में पहुंच गया।

हाई ग्राउंड्स पुलिस ने बीएनएस की धारा 196 और 353 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

अगर जरूरत है तो होनी चाहिए जाति जनगणना

केरल की बैठक के बाद संघ ने दिए समर्थन के संकेत

तिरुवनंतपुरम/पलक्कड़, 2 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने जातीय जनगणना को राजनीति से दूर रखने को कहा है। केरल के पलक्कड़ में आयोजित तीन दिवसीय बैठक के आखिरी दिन संघ ने जातीय जनगणना की गेंद सरकार के पाले में डाल दी। संघ ने अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि अगर पिछड़े समाज के कल्याण के लिए जातीय जनगणना करने की जरूरत है तो सरकार इसे करा सकती है। मगर इसका चुनावी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज में जाति एक संवेदनशील मुद्दा है और यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना सिर्फ उन समुदायों और

सुनील आंबेकर

जातियों के कल्याण के लिए ही होना चाहिए। चुनाव प्रचार में इसका राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। आंबेडकर ने कहा कि बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और देश में महिला के खिलाफ उत्पीड़न पर विस्तार से चर्चा हुई।

जाति की राजनीति की चुनौती

पलक्कड़ में आरएसएस की बैठक के तीसरे दिन जातीय राजनीति से मुकाबले के लिए फिर हिंदुत्व का खाका तैयार किया गया। इस बैठक में बीजेपी समेत 32 अनुषांगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद आरएसएस के सभी संगठनों की यह पहली कोर्डिनेशन बैठक है। बैठक में जातीय राजनीति और सामाजिक चुनौतियों से मुकाबले के लिए पंच परिवर्तन का आह्वान किया गया।

बैठक में यह तय किया गया कि देश के लोगों को अपने राष्ट्र के गौरव के साथ कर्तव्यों के लिए भी तैयार करना जरूरी है, इसके लिए पंच परिवर्तन का संकल्प लिया गया। बैठक में नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय स्वत्व देशव्यापी परिवर्तन अभियान चलाने पर सहमति बनी।

आप विधायक अमानतुल्लाह को ईडी ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को अरेस्ट कर लिया है। ईडी दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए सुबह अमानतुल्लाह के घर पहुंची थी। सुबह 8:15 बजे से उनसे घर में ही पूछताछ और जांच की जा रही थी। 4 घंटे पूछताछ के बाद दोपहर 12.15 बजे ईडी अफसर उन्हें अरेस्ट करके ऑफिस ले जा रहे हैं। ओखला सीट से विधायक अमानतुल्लाह पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए 32 लोगों की अवैध भर्ती कराई और फंड का गलत इस्तेमाल किया। वक्फ की संपत्तियों को किराए पर दिया। ईडी पहले भी 2 बार अमानतुल्लाह से पूछताछ कर चुकी है। ईडी के एक्शन के बाद अमानतुल्लाह ने कहा था, सर्च वारंट के नाम पर ईडी का मकसद सिर्फ मुझे गिरफ्तार करना है।

मैंने हर नोटिस का जवाब दिया है। मुझे 2 साल ये लोग मुझे परेशान कर रहे हैं।

अमानतुल्लाह और ईडी की टीम के बीच दरवाजे पर ही बहस हुई। ईडी की टीम ने कहा कि आप बाहर आकर बात करिए। अमानतुल्लाह ने कहा कि मैंने आपसे 4 हफ्ते का समय मांगा था। मेरी सास का तीन दिन पहले ऑपरेशन हुआ है। आप मुझे फिर से अरेस्ट करने आ गए। ईडी के अधिकारी ने जवाब में कहा, आपने कैसे मान लिया कि हम आपको अरेस्ट करने आए हैं। इस पर अमानतुल्लाह ने कहा कि आप अरेस्ट करने नहीं आए हैं तो क्यों आए हैं। आपको मेरे घर पर क्या सर्च करना है।

जल्द ही 'आयरनमैन सूट' पहने दिखाई देंगे भारतीय सैनिक

आसानी से उठा सकेंगे भारी वजन!

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के लिए यह साल बेहद अहम है, क्योंकि 2024 सेना की तकनीकी तरक्की का साल है, जिसे 'ईयर ऑफ द टेक्नोलॉजी अब्जॉर्प्शन' के तौर पर मनाया जा रहा है। भारतीय सेना के हर वर्टिकल में टेक्नोलॉजी को शामिल किया जा रहा है, लॉजिस्टिक्स से लेकर हथियार बनाने तक में टेक्नोलॉजी पर विशेष फोकस किया जा रहा है। वहीं, भारतीय सेना हाई एल्टीट्यूड इलाकों में तैनात जवानों तक रसद पहुंचाने के लिए एक्सोस्केलेटन सूट्स और रोबोटिक म्यूल्स यानी रोबोटिक खच्चरों की मदद लेने जा रही है। एक्सोस्केलेटन सूट पहन कर आसानी से पर्वतीय इलाकों में तैनात जवानों तक रसद और भारी सामान पहुंचाया जा सकेगा। सेना ने इन खास सूट्स का ट्रायल भी पूरा कर लिया है और जल्द ही इन्हें सेना में शामिल किया जाएगा।

भारतीय सैनिक जल्द ही 'आयरनमैन' जैसे सूट पहने दिखेंगे।

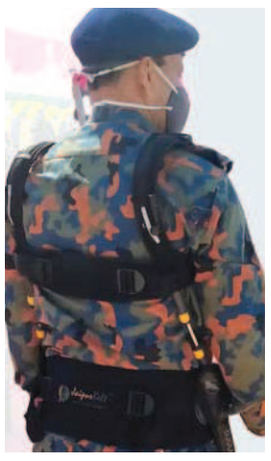

इन सूट्स की खासियत यह होगी कि इन्हें पहनने के बाद सैनिकों की उत्पादकता और सहनशक्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, साथ ही मस्कुलोस्केलेटल चोटों का जोखिम भी कम होगा। वहीं लॉजिस्टिक्स में ये सूट बेहद कारगर साबित होंगे। क्योंकि इन्हें पहनने के बाद आसानी से भारी सामान जैसे रसद, हथियार और गोलाबारूद भी आसानी से हाई एल्टीट्यूड इलाकों में सेना की फॉरवर्ड पोस्ट तक पहुंचाए जा सकेंगे, जहां अभी तक खच्चरों की मदद ली जाती है।

सूट से चोट का खतरा भी कम होगा :

सेना के वरिष्ठ सूत्रों ने बताया कि पहाड़ी इलाकों में अंतिम मील तक की कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए धीरे-धीरे एनिमल ट्रांसपोर्ट की जगह ट्रकों, ऑल टेरेन और रग्ड टेरेन व्हीकल्स ले रहे हैं। वहीं जहां तक इनकी पहुंच खत्म हो जाती है, वहां दिक्कत पैदा होती है। ऐसे में एक्सोस्केलेटन सूट पहन कर जवान ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में तेज रफ्तार के साथ अतिरिक्त भार भी उठा सकेंगे। इन सूटों को पहन कर चलने में न केवल आसानी होगी, बल्कि चोट का खतरा भी कम होगा। सूत्रों ने बताया कि इन विशेष प्रकार के सूट्स का ट्रायल पूरा हो चका है और सेना जल्द ही इनके ऑर्डर देने वाली है। वहीं इन्हें मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदा जाएगा।

बिभव कुमार को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के पूर्व सहयोगी और आरोपी बिभव कुमार को जमानत मिल गई है। इस मामले में बिभव कुमार पिछले 100 दिनों से जेल में बंद थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को तीन महीने के भीतर सबसे पहले महत्वपूर्ण और कमजोर गवाहों की जांच पूरी करने का प्रयास करना चाहिए।बिभव कुमार को शीर्ष अदालत से सशर्त जमानत मिली है।

शर्तों के अनुसार, बिभव कुमार सीएम आवास और कार्यालय नहीं जा सकेंगे। वहीं इस मामले में बिभव कुमार की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी। इस मामले में आम आदमी पार्टी की तरफ से बिभव कुमार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी सचिव या सीएम कार्यालय से जुड़ा राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और पार्टी की तरफ से इस केस की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी।

जाति जनगणना की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- शासन के दायरे में आता है यह मुद्दा

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें सामाजिक और जाति आधारित जनगणना कराने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है, जिसमें शीर्ष अदालत हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है।

अदालत ने पूछा- हम क्या कर सकते हैं

जब मामले पर सुनवाई हुई तो न्यायमूर्ति रॉय ने पूछा कि इस बारे में क्या किया जा सकता है? यह शासन के क्षेत्र में आता है। हम क्या कर सकते हैं? पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंदयाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार कर्णम से कहा, यह एक नीतिगत मामला है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने जवाब दिया, 94 देशों ने ऐसा किया है। भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। इंद्रा साहनी जजमेंट में कहा गया है कि ऐसा समय-समय पर किया जाना चाहिए।

अदालत इस मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर सकती

इस पर पीठ ने कहा कि याचिका को खारिज किया जा रहा है क्योंकि अदालत इस मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। न्यायालय के रुख को देखते हुए याचिकाकर्ता पी प्रसाद नायुडू ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया।

अब तक जनगणना-2021 के लिए गणना नहीं की

नायुडू ने अपनी याचिका में कहा कि केंद्र और उसकी एजेंसियों ने अब तक जनगणना-2021 के लिए गणना नहीं की है। शुरूआत में कोविड-19 महामारी के कारण ऐसा नहीं किया गया था और बाद में इसे बार-बार टाला गया। 2021 के लिए देश की जनगणना की गणना अप्रैल, 2019 में शुरू की गई थी। लेकिन यह आज तक पूरी नहीं हुई।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- आप किसी का घर कैसे गिरा सकते हैं?

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता।

'दोषी का घर भी नहीं गिराया जा सकता'

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा।'

याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि 'किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।'

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है।'

इसके जवाब में पीठ ने कहा, 'लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है।' न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, 'सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे'।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं।

मायावती और चंद्रशेखर ने यूं ही नहीं चुना हरियाणा

आरक्षित सीटें 17, लेकिन असर दोगुनी सीटों पर

नई दिल्ली , 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में होने वाले विधानसभा के चुनावों को लेकर दलितों की राजनीति के इर्द गिर्द सियासत समेटी जाने लगी है। कहने को तो आरक्षित कोटे में हरियाणा के हिस्से 17 सीटें दलितों के लिए हैं। लेकिन दलित राजनीति का असर हरियाणा की सियासत में तकरीबन चालीस फीसदी सीटों यानी कि तकरीबन 35 सीटों पर पड़ता है। यही वजह है कि कांग्रेस से लेकर भाजपा और बसपा से लेकर आजाद समाज पार्टी और जेजेपी समेत इनेलो जैसे दल दलितों को अपने पाले में करने के लिए सभी सियासी जोड़ तोड़ कर रहे हैं।

हरियाणा की सियासत में जाट के बाद सबसे बड़ा वोट बैंक दलितों का है। इस जातीयता के समीकरण को देखते हुए सभी जाट और दलितों को लेकर अपनी सियासी लकीरें आगे बढ़ाने में जुटे हैं। कांग्रेस तो दलित और जाट समुदाय को अपने साथ जोड़ने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उधयभान के सहारे सियासी नैया लगाने की तैयारी कर रही है। दरसल इसी साल हुए लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस ने अपने इसी सियासी कॉम्बिनेशन के चलते भाजपा से पांच सीटें झटक ली थीं। इसमें भी अंबाला और सिरसा जैसी आरक्षित सीटें भी कांग्रेस ने जीत ली थीं। इसी समीकरण को देखते हुए कांग्रेस ने इस बार विधानसभा चुनाव में वही फॉर्मुला अपनाया है।

दलितों, मुस्लिमों और जाट समुदाय के सियासी समीकरण को हरियाणा के चुनाव में खूब तवज्जो मिल रही है। दरअसल यह वही फैक्टर है, जिसके दम पर इस बार राजनीतिक दल यहां सरकार बनाने की जुगत लगा रहे हैं। इसी के मद्देनजर बसपा ने इस चुनाव में अपने मजबूत सिपाही आकाश आनंद को यहां की सियासत में एक फिर से बड़ी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतारा है। दरअसल पिछले विधानसभा के चुनाव में बसपा ने सीटें तो एक भी नहीं पाई थी, लेकिन दलितों के सहारे वोट प्रतिशत हरियाणा के स्थानीय दलों की तुलना में बेहतर हासिल किया था।

कांग्रेस का सेबी अध्यक्ष पर बड़ा हमला

कहा- एक साथ तीन जगहों से तनख्वाह ले रही थीं माधबी पुरी बुच

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाने वाली निवेश रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग के सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद सियासत तेज है। अब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सेबी की चेयर पर्सन माधबी पुरी बुच पर नए आरोप लगाए हैं। पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए आरोपों के साथ ही कई सवाल भी किए हैं। उन्होंने पूछा कि सेबी की चेयरमैन रहते हुए भी माधबी पुरी बुच आईसीआईसीआई बैंक से कैसे और क्यों तनख्वाह ले रही थीं? पवन खेड़ा ने दावा किया कि माधवी ने 2017 से 2024 तक 16.80 करोड़ रुपये लिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाए कि माधबी पुरी बुच एक साथ तीन जगहों से वेतन ले रही थीं। इसमें आईसीआईसीआई बैंक,आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल और सेबी शामिल है।

पवन खेड़ा ने किए बड़े-बड़े दावे

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार-प्रसार प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि देश में इस समय शतरंज का खेल जारी है। इस खेल का असली खिलाड़ी कौन है, इस पर अभी हम कोई अंतिम निर्णय नहीं ले पाए हैं, इसके मोहरे अलग-अलग हैं। ऐसे ही एक मोहरा माधबी पुरी बुच हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आगे कहा कि माधबी पुरी सेबी की सदस्य थी, बाद में वे सेबी की चेयरपर्सन बनी। वे 2017 से 2024 तक आईसीआईसीआई बैंक से नियमित आय ले रही थीं। खेड़ा ने यह भी कहा कि ईशॉप पर जो टीडीएस था वो भी यही बैंक दे रही थी। यह खुले तौर पर सेबी का के नियमों का उल्लंघन है। खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि अगर उनके भीतर थोड़ी भी शर्म है तो इस्तीफा दें। पवन खेड़ा ने कहा कि सेबी की भूमिका शेयर बाजार को विनियमित करना है जहां हम सभी अपना पैसा निवेश करते हैं। इसकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है? यह कैबिनेट की नियुक्ति समिति है। प्रधानमंत्री हैं और गृहमंत्री अमित शाह सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए इस समिति में दो सदस्य हैं।

हिंडनबर्ग ने भी लगाए थे आरोप

गौरतलब है कि इससे पहले, अदाणी समूह पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाने वाली निवेश रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग ने दावा किया था कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक ऑपर्चुनिटी फंड' में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि इसी कंपनी में गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। आरोप है कि इस पैसे का इस्तेमाल ही शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया। फिलहाल इन आरोपों पर सेबी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हिंडनबर्ग का आरोप है कि अदाणी मामले की जांच का जिम्मा सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर ही था, जबकि उन्हीं की कंपनी में विनोद अदाणी ने भारी-भरकम निवेश किया था।

शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांग पर शीर्ष कोर्ट ने गठित की समिति

नई दिल्ली , 2 सितंबर (एजेंसियां)। शंभू सीमा पर विरोध कर रहे किसानों की शिकायतों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने समिति का गठन किया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इस समिति की अध्यक्षता पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह करेंगे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस कमेटी को एक सप्ताह के भीतर बैठक बुलाने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह समिति गठित की है। इस मौके पर शीर्ष अदालत ने कहा कि किसानों के मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि समिति को चरणबद्ध तरीके से इस पर विचार करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि किसान अपने शांतिपूर्ण आंदोलन को वैकल्पिक स्थलों पर स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

बता दें कि शीर्ष अदालत ने यह समिति हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए गठित की है। इसमें हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें हरियाणा सरकार से अंबाला के पास शंभू सीमा पर लगाए गए बैरिकेट्स को एक सप्ताह के भीतर हटाने के लिए कहा गया था। बता दें कि इस सीमा पर प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

गौरतलब है कि तब हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैरिकेड्स लगा दिए थे। जब 'संयुक्त किसान मोर्चा' (गैर-राजनीतिक) और 'किसान मजदूर मोर्चा' ने घोषणा की थी कि किसान अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी कानून सहित अपनी मांगों के समर्थन में दिल्ली तक मार्च करेंगे।

नेकां-कांग्रेस के बीच मजबूती नहीं मजबूरी का गठबंधन

जम्मू , 2 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अभी पहले चरण के चुनाव को 16 दिन शेष हैं। इससे पहले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। ये सवाल किसी और ने नहीं खुद दोनों पार्टियों ने ही उठाए हैं। गठबंधन के दूसरे दिन 27 अगस्त को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन रियासत बचाने की मजबूरी में किया गया है।

फारूक के बयान के चार दिन बाद जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) मुख्यालय में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि नेकां के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन राष्ट्रीय मजबूरी में किया गया है। गठबंधन को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष भी ज्यादा खुश नजर नहीं आए।

उमर ने कहा कि गठबंधन में कई चीजें सहन करनी पड़ती हैं। गठबंधन के चलते हमारे कुछ कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिल पाया है। पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता 10 साल से विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे थे लेकिन सीट शेयरिंग के चलते कइयों को टिकट नहीं मिल पाए। गठबंधन की मजबूरी का एक बड़ा कारण पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की बिजबिहाड़ा सीट से प्रत्याशी और महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा के बयान से भी झलकता है।

इल्तिजा का कहना है कि जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में कोई भी पार्टी स्पष्ट रूप से बहुमत हासिल नहीं कर पाएगी। कांग्रेस और नेकां ने बहुमत और सत्ता प्राप्ति के लिए गठबंधन किया है जबकि दोनों की विचारधार मेल नहीं खाती। पीडीपी अंत में किंगमेकर की भूमिका निभाएगी।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस लोकसभा चुनाव के वक्त से नेशनल कॉन्फ्रेंस पर हमलावर रही है। पीडीपी इस बात को लेकर हवा बना रही थी कि नेकां और भाजपा अंदर खाते एक-दूसरे से मिले हुए हैं। प्रदेश में ये दोनों पार्टियां लोगों को दिखाने के लिए विरोध करती हैं और दिल्ली में एक हो जाती हैं। भाजपा के साथ नाम जुड़ता देख नेकां ने विधानसभा चुनाव से एन वक्त पहले गठबंधन का फैसला लिया। नेकां खुद खुले मंच से कह चुकी है कि भाजपा को रोकना उनका उद्देश्य है। इसके साथ ही वह किसी भी हाल में यह हवा नहीं बनने देना चाहती है कि हम दोनों में किसी तरह से संबंध हैं।

लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो नेकां ने इंजीनियर रशीद की हवा में बारामुला सीट गंवाने के बावजूद अन्य लोकसभा सीटों पर बेहतर प्रदर्शन किया। इसी तरह से कांग्रेस ने सुचेतगढ़ सहित कुछ सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया। जम्मू संभाग में नेकां का आधार कमजोर है और कश्मीर में कांग्रेस का। वोटों में जीत-हार की खाई को पाटने के लिए भी दो विपरीत विचारधाराओं में चुनाव पूर्व गठबंधन मजबूरी बन गया। नेकां और कांग्रेस के बीच 83 सीटों पर गठबंधन होने के बाद से ही भाजपा दोनों पार्टियों पर हमलावर है। भाजपा के केंद्र में मंत्री जितेंद्र सिंह से लेकर प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, प्रदेश प्रभारी तरुण चुग और अन्य लगातार कांग्रेस से सवाल पूछ रहे हैं कि क्या कांग्रेस अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर नेकां के साथ है। इसे लेकर भाजपा ने पोस्ट वार शुरू कर रखी है। हर जगह अनुछेद 370 बहाली पर कांग्रेस से रुख साफ करने का सवाल पूछा जा रहा है।

'आईसी-814' सीरीज विवाद पर नेटफ्लिक्स के कंटेंट प्रमुख तलब

सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली , 2 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म 'नेटफ्लिक्स' के कंटेंट हेड को तलब किया है। उन्हें 'आईसी-814-द कंधार हाईजैक' सीरीज को लेकर जारी विवाद को लेकर समन किया गया है। सीरीज में आतंकियों के किरदारों के नाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को नेटफ्लिक्स इंडिया के कंटेंट हेड को तलब किया है। उनसे ओटीटी सीरीज के कथित विवादास्पद पहलुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

दरअसल, विमान हाईजैक को छह आतंकियों ने हाईजैक किया था। सभी आतंकी मुस्लिम थे। उनके नाम इब्राहिम अख्तर, शाहिद अख्तर, सन्नी, अहमद काजी, जहूर मिस्त्री और शाकिर थे, इस ओटीटी सीरीज में इन आतंकयों के नाम बदल दिए गए हैं। इसी पर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स फिल्म को बायकॉट करने की मांग भी कर रहे हैं। दरअसल, काठमांडू से दिल्ली जा रहे इंडियन एयरलाइंस के विमान के हाईजैकर्स के किरदारों के परिवर्तित नाम को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। दर्शकों के बहुत बड़े वर्ग ने आतंकियों के 'मानवीय' चित्रण पर आपत्ति जताई है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि आईसी-814 के हाईजैकर्स खूंखार आतंकी थे। उन्होंने अपनी मुस्लिम पहचान छिपाने के लिए काल्पनिक नाम अपनाए थे।

मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया कि फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने उनके गैर-मुस्लिम नामों को आगे बढ़ाकर उनके नापाक इरादों को सही बनाने का काम किया है। दशकों बाद लोग सोचेंगे कि हिंदुओं ने आईसी-814 का अपहरण किया था।

मालवीय ने कहा कि सभी आतंकी मुसलमान थे। अनुभव ने गलत काम को छिपाने के वामपंथियों के एजेंडे ने काम किया। यह सिनेमा की ताकत है, जिसका कम्युनिस्ट 70 के दशक से ही आक्रामक तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। शायद इससे भी पहले। उन्होंने कहा कि यह न भारत के सुरक्षा तंत्र को कमजोर करेगा, उस पर सवाल खड़ा करेगा, बल्कि उस वर्ग को निर्दोष करार देने का काम करेगा, जो इसके लिए जिम्मेदार था।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, चार की मौत

दमोह , 2 सितंबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के मगरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले फतेहपुर गांव के समीप रविवार रात जटाशंकर धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में 35 से अधिक घायल हो गए। यह सभी श्रद्धालु नए ट्रैक्टर से ट्रैक्टर का पूजन करने के साथ ही सोमवती अमावस्या पर भगवान के दर्शन करने के लिए जा रहे थे, लेकिन रात 11:00 बजे ट्रैक्टर खाई में पलट गया। सभी घायलों को तत्काल ही इलाज के लिए हटा सिविल अस्पताल और जिला अस्पताल भेजा गया। सोमवार सुबह मृतकों के पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के घूघस गांव निवासी मन्नू राज गोंड ने नया ट्रैक्टर लिया था। इसका पूजन कराने वे गांव के अन्य लोगों के साथ रविवार रात छतरपुर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जटाशंकर धाम जाने के लिए निकले थे। मगरोन थाना के फतेहपुर गांव में तालाब के आगे पहुंचते ही सामने गाय आ गई, जिसे बचाने में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट गहरी खाई में जाकर पलट गई और सभी श्रद्धालु उसमें दब गए।

चीख-पुकार मचते ही स्थानीय लोगों के साथ ही मगरोन पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल इलाज के लिए हटा सिविल अस्पताल लाया गया। जहां 10 वर्षीय हेमेंद्र पिता भगवानदास आदिवासी और एक महिला छोटी बाई पति मनु गोंड (45) की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का इलाज शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को तत्काल ही इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा इलाज शुरू किया गया था, लेकिन इलाज के दौरान लक्ष्मण पिता तिल्ली आदिवासी (17) व गंजली बहू (50) ने दम तोड़ दिया।

अन्य घायल चित्तर राजगौंड (10), कल्पना, ट्रैक्टर चालक 45 वर्षीय परम लोधी, बल्ला आदिवासी (12), कुंअर आदिवासी (20), ममता (40) का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही देर रात सीएसपी अभिषेक तिवारी, थाना प्रभारी नोहटा अरविंद सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से जानकारी ली। जिला अस्पताल में मृत हुए श्रद्धालुओं के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कंगना की फिल्म इमरजेंसी पर पूर्व सीएम का विरोध

जालंधर,2 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनोट का पहले किसानों के खिलाफ बयान और फिर फिल्म इमरजेंसी को लेकर पंजाब में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कंगना का कड़ा विरोध जताया है। चन्नी कंगना को पूर्व सांसद और खालिस्तान समर्थक सिरमनजीत सिंह मान की तरह गुस्सा न करने की नसीहत दी है। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- एसजीपीसी की परमिशन के बिना न तो फिल्म चलेगी और न ही चलने देंगे। वहीं, कंगना को ज्यादा सीरियस नही लेना चाहिए। सिमरनजीत सिंह मान को लेकर भी तंज कसा और कहा की उनकी तरह गुस्सा नहीं करना चाहिए।

जालंधर से लोकसभा सांसद चन्नी ने कहा- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल यह पुराने पंजाब का हिस्सा है। सभी का आपस में भाई चारा है। हमारी आपसी सांझ न कभी टूटी है और न टूटने दी जाएगी। इसे ऐसे ही चलने दिया जाएगा। अगर कोई भी ताकत तोड़ने की कोशिश करेगी उसका मुंह तोड़ जवाब दिया जायेगा।

देश की आजादी के बाद पंजाब का इतिहास है कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई प्यार से रहे है। आज तक यहां दंगा फसाद की कोई घटना नहीं हुई है। कंगना रनोट को ज्यादा सीरियस लेने की कोई जरूरत नहीं है। सिमरनजीत सिंह मान की तरह गुस्सा गुस्सा नहीं करना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी की सांसद कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी को लेकर चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा- जहां भी सिख इतिहास को लेकर दिखाया जाना है, उसके लिए पहले एसजीपीसी को फिल्म दिखाकर उनसे परमिशन ली जानी चाहिए थी। एसजीपीसी सिख समुदाय के लोगों की प्रमुख संस्था है। जिसके चलते ये परमिशन जरूरी थी। प्रोटोकॉल तो ये कहता है कि अगर उक्त फिल्म दिखानी ही थी तो पहले उन्हें अपनी फिल्म एसजीपीसी को दिखानी चाहिए थी। जिससे सिख धर्म को कोई दिक्कत न हो। एसजीपीसी ही डिसाइड करेगी और उनके सर्टिफिकेट के बाद ही फिल्म चल पाएगी।

प्रवासी श्रमिकों के लिए राशन कार्ड पर 2021 के फैसले के अनुपालन के बारे में बताए सरकार

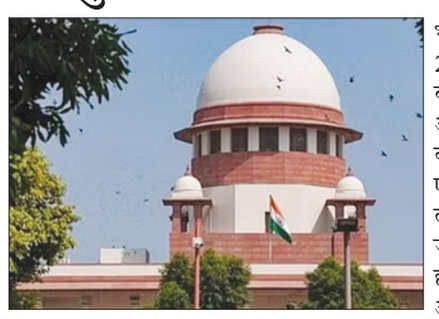

नई दिल्ली , 2 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से प्रवासी श्रमिकों के लिए कल्याणकारी उपायों पर 2021 के फैसले के अनुपालन के बारे में जानकारी देने को कहा है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने 29 जून, 2021 के फैसले और उसके बाद के आदेशों में अधिकारियों को कई निर्देश पारित किए थे। इसमें अधिकारियों से कोरोना महामारी के दौरान पीड़ित प्रवासी श्रमिकों को 'ई-श्रम' पोर्टल पर रजिस्टर करते हुए राशन कार्ड देना शामिल था।

न्यायाधीश सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने केंद्र से जानकारी मांगते हुए कहा कि भारत संघ को 29 जून, 2021 के फैसले और उसके बाद के अन्य आदेशों के अनुपालन में उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए एक व्यापक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। इस तरह के हलफनामे में मुख्य निर्णय और उसके बाद के आदेशों के माध्यम से जारी किसी भी निर्देश पर उठाए गए कदमों का पूरा विवरण शामिल किया जाना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने इसके लिए तीन सप्ताह का समय दिया था।

कोल्हापुर के देवी महालक्ष्मी मंदिर पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू

मुंबई , 2 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार (आज) कोल्हापुर के वारणानगर में श्री वारना महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगी। इसके साथ अगले दो दिनों में वह राज्य के अलग-अलग कार्यक्रमों में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से तीन तीन दिनों के लिए महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उन्होंने सबसे पहले कोल्हापुर शहर में देवी महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना की। कोल्हापुर में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। जिला अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति मुर्मू ने महालक्ष्मी मंदिर का दौरा किया और देवी का आशीर्वाद लिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

व्यक्तित्व की उत्कृष्टता किसी भी बात को काटने में नहीं होती, उसे सिद्ध करने में होती है, बिगाड़ने में नहीं होती, बनाने में होती है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने में सब-इंस्पेक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण : श्रीनिवास

सीपी ने पुलिस उपनिरीक्षकों को संबोधित किया

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर कोत्ताकोटा श्रीनिवास रेड्डी ने टीजीसीएंडसीसी, बंजारा हिल्स में हैदराबाद शहर के सभी पुलिस उपनिरीक्षकों, कानून एवं व्यवस्था और यातायात पुलिस स्टेशनों के साथ आगामी गणेश उत्सव और मिलाद-उन-नबी समारोहों के शांतिपूर्ण संचालन और उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में बातचीत की। इस कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, एलएंडओ, हैदराबाद शहर, पी. विश्व प्रसाद, एडिशनल सीपी, ट्रैफिक, हैदराबाद शहर, डॉ. गजराव भूपाल, संयुक्त सीपी, प्रशासन, हैदराबाद शहर, शिल्पावल्ली, डीसीपी, एसएमआईटी, हैदराबाद सिटी, एस. चैतन्य कुमार, डीसीपी, एसबी, हैदराबाद सिटी और हैदराबाद सिटी के लगभग 300 एसआई पुलिस (कानून और व्यवस्था और यातायात) ने भाग लिया है। इस बैठक के दौरान सीपी, हैदराबाद सिटी ने समय की पाबंदी, ईमानदारी, कार्य नैतिकता, याचिकाकर्ताओं को प्राथमिकता, जनता के प्रति सहानुभूति और सहानुभूति रखने जैसी कुछ समय-परीक्षणित प्रथाओं और आदतों को अपनाने और पुलिस विभाग की छवि को बेहतर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिभागी सभी बहुत युवा अधिकारी हैं और उन्हें सेवा में लंबा सफर तय करना है और कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ उनमें से कई को एसपी रैंक के अधिकारी बनने का मौका भी मिलेगा और उनमें से कुछ आईपीएस रैंक तक भी जा सकते हैं। सब-इंस्पेक्टरों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें उचित समय प्रबंधन करना चाहिए और अपने काम को प्राथमिकता देनी चाहिए और पुलिसिंग के सभी क्षेत्रों जैसे अपराध की रोकथाम और पता लगाना, बंदोबस्त ड्यूटी, वीवीआईपी दौरे और स्टेशन हाउस रूटीन को लागू करना चाहिए, ताकि कोर पुलिसिंग में सुधार हो सके। पुलिस आयुक्त ने आगामी गणेश महोत्सव 2024 और मिलाद-उन-नबी महोत्सव के सभी पहलुओं में शामिल होने और आयोजकों, शांति समिति और अन्य सभी विभागों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने के लिए कदम उठाने और पंडालों और विसर्जन स्थलों का दौरा करके पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, क्योंकि पुलिस विभाग को शांतिपूर्ण और सफल महोत्सव सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभानी है।

रेलवे अधिकारियों ने बाढ़ में फंसे यात्रियों की मदद की

हनमकोंडा, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे अधिकारियों ने भारी बारिश के कारण महबूबाबाद जिले के केसमुद्रम रेलवे स्टेशन पर फंसे यात्रियों की मदद की है, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हुई हैं, और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की है। यह गंभीर स्थिति तब उत्पन्न हुई जब महबूबाबाद जिले में केसमुद्रम के पास रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा बाढ़ में बह गया, जिससे उस मार्ग पर ट्रेन परिचालन रुक गया। ट्रेन सेवाओं के निलंबन के कारण विभिन्न राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थिति की जानकारी मिलने पर, रेलवे अधिकारियों ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए तेजी से कार्रवाई की। उन्होंने केसमुद्रम से काजीपेट रेलवे स्टेशन तक यात्रियों को ले जाने के लिए विशेष आरटीसी बसों की व्यवस्था की। यात्रियों को स्टेशन तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए कई बसें लगाई गईं। इसके अलावा, उन्होंने काजीपेट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को भोजन, पानी और दवाइयां वितरित कीं।

कई जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट रहने के निर्देश

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों और एसी के साथ टेलीकांफ्रेंस की

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने 11 जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट पर रखा है क्योंकि मौसम विभाग ने इन जिलों में कल भारी बारिश की चेतावनी दी है। आदिलाबाद, जगित्याला, कामारेड्डी, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मेदक, मेडचल मलकाजीगिरी, निर्मल, निजामाबाद, पेड्डापेली, संगारेड्डी, सिद्दीपेट जिलों के कलेक्टरों और एसपी के साथ एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की गई, जहां मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। डीजीपी जितेंद्र, आपदा प्रबंधन के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, अग्निशमन सेवा के डीजी नागी रेड्डी, सिंचाई के विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल ने टेलीकांफ्रेंस में भाग लिया। सीएस शांति कुमारी ने इन जिलों के कलेक्टरों को अग्रिम योजना बनाने और संपत्ति या जानमाल के किसी भी नुकसान से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा। पिछले चार-पांच दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण स्थिति गंभीर होने की संभावना है और अधिकारियों को पुलिस व अन्य विभागों के साथ समन्वय कर सख्त कदम उठाने के आदेश दिए गए हैं। स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित करने के मामले पर जिला कलेक्टरों को निर्णय लेना चाहिए। निर्मल जिले में स्वर्णा और काडेम परियोजनाओं के गेट खोलने के बाद निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने के लिए कलेक्टर को कहा गया। उन्होंने बताया कि 31 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम चार नावों के साथ निर्मल भेजी जा रही है। वर्तमान में एसआरएसपी परियोजना से 20 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यदि पानी की यह मात्रा बढ़ती है तो जलग्रहण क्षेत्रों में आज एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए। महाराष्ट्र के जलग्रहण क्षेत्र से आने वाले पानी की मात्रा जानने के लिए महाराष्ट्र के अधिकारियों के साथ समय-समय पर समन्वय करने और उचित एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिया और नालों पर संबंधित लाइन विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त टीम बनाकर निगरानी रखी जानी चाहिए। हैदराबाद से किसी भी तरह की सहायता के लिए कलेक्टरों से संपर्क करने को कहा गया है। जिला कलेक्ट्रेट में स्थापित नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम करें, इसके लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। डीजीपी जितेन्द्र ने कहा कि जिन जिलों में कल तक भारी बारिश की संभावना है, वहां एसपी को जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय में काम करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थितियों में उपयोग के लिए क्रेन भी तैयार रखी जानी चाहिए।

भाजपा समर्थकों द्वारा प्रोफेसर नागेश्वर को दी गई धमकियां लोकतंत्र के लिए खतरनाक : हरीश राव

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पूर्व एमएलसी प्रोफेसर नागेश्वर पर प्रतिद्वंद्वी भाजपा द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पूर्व एमएलसी और राजनीतिक विश्लेषक प्रोफेसर नागेश्वर पर भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा किया गया अनुचित हमला लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। राजनीतिक आलोचना का जवाब राजनीतिक आलोचना से दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, शारीरिक हमले करने और उसे बाहर न जाने देने की धमकी देकर किसी के व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचाने के लिए इस तरह से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है। मैं इस रवैये की कड़ी निंदा करता हूं।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायुडू ने तेलुगू राज्यों में बाढ़ की समस्या पर दुख जताया

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू ने आज दो तेलुगू राज्यों में चल रही बाढ़ की समस्या पर दुख जताया और कहा कि वे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में मूसलाधार बारिश और भारी बाढ़ के कारण हुए नुकसान से बहुत परेशान हैं। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और उन्हें दो तेलुगू राज्यों की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और उनसे तुरंत दोनों राज्यों की मदद करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की है और कहा कि दोनों राज्यों की सरकारों और केंद्रीय अधिकारियों के तंत्र संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री ने दोनों राज्यों को पर्याप्त सहायता का आश्वासन दिया। एक बयान में, नायुडू ने घोषणा की कि वह अपने पेंशन फंड से तेलुगू राज्यों के सीएम राहत कोष में प्रत्येक को 5 लाख रुपये का योगदान दे रहे हैं। अपने योगदान के हिस्से के रूप में, मैंने अपनी व्यक्तिगत पेंशन से 5 लाख रुपये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री राहत कोष में और 10 लाख रुपये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजे हैं। उन्होंने कहा, मैंने राहत कार्यों के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 लाख रुपये का दान दिया है। मैं गैर सरकारी संगठनों से अपील करता हूं कि इस कठिन समय में संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए आगे आएं।

मंत्री पोंगुलेटी बाइक से गिरकर मामूली रूप से घायल हुए

खम्मम, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सोमवार को खम्मम में मोटर बाइक से गिरकर मामूली रूप से घायल हो गए। भारी बारिश के कारण खम्मम जिले में मुन्नेरू नदी उफान पर आ गई, जिससे नायडूपेटा, जलागन नगर और दानवाइगुडेम कॉलोनियों सहित आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई। मंत्री पोंगुलेटी ने स्थिति का आकलन करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। दुर्भाग्य से, बाइक चलाते समय वे दुर्घटनावश गिर गए, जिससे उन्हें मामूली चोटें आईं। श्रीनिवास रेड्डी के पैर में चोट लग गई, जिसके लिए डॉक्टरों ने उपचार किया और पट्टी बांधी।

बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए जीएचएमसी के संबद्ध विभाग समन्वय से काम कर रहे हैं : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने आज कहा कि जीएचएमसी का पूरा प्रशासन सभी विभागों के साथ समन्वय में पूरे क्षेत्र स्तर के काम की निगरानी कर रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है कि पिछले तीन दिनों से शहर में हो रही बारिश के कारण शहर के लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। मेयर ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष का औचक दौरा किया और ओएसडी अनुराधा से शहर में अब तक हुई बारिश, अब तक सबसे अधिक बारिश वाले क्षेत्रों, प्राप्त शिकायतों, हल की गई शिकायतों और हुसैन सागर, हिमायत सागर और उस्मान सागर के जल स्तर के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए, महापौर ने कहा कि हैदराबाद शहर में केवल मध्यम बारिश हुई है और कहा कि जीएचएमसी आयुक्त से शुरू होने वाले सभी स्तरों के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया था कि मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट के मद्देनजर लोगों को किसी भी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। आपातकालीन दल और डीआरएफ दल संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। 242 आपातकालीन दल, 157 मोबाइल दल और 30 डीआरएफ दल 141 स्थानों पर काम कर रहे हैं। सात आपातकालीन दल हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय को और चार-चार दल साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय को आवंटित किए गए हैं। जीएचएमसी नियंत्रण कक्ष में 12 लोगों की एक टीम और डीआरएफ नियंत्रण कक्ष में 10 लोग चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में सबसे अधिक बारिश 9 सेमी हुई और कहा कि बारिश के साथ जल ठहराव की तुलना में अधिक पेड़ गिर सभी अधिकारी फील्ड एरिया में हैं और समय-समय पर लोगों को सचेत कर रहे हैं।

मंत्री ने भद्रकाली के साथ श्री कोटाकोंडा वीरभद्र स्वामी की विशेष पूजा की

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने 27 दिवसीय नक्षत्र दीक्षा माला के अवसर पर भीमदेवरपल्ली मंडल की भद्रकाली के साथ श्री कोटाकोंडा वीरभद्र स्वामी के लिए विशेष पूजा की। नक्षत्र माला के अवसर पर, वीरभद्र स्वामी के मंदिर से, इरुमुदी और अन्य मालादरा स्वामी पैदल चलकर, स्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, हल्की बारिश में नई पहाड़ी की चोटी पर चढ़ गए। हुजूराबाद कांग्रेस पार्टी प्रभारी ओदिताला प्रणव के साथ शिवलिंग के दर्शन किए। दक्ष यज्ञ के बाद, तपोवन का अर्थ है कि वीरभद्र अथमलिंगम के रूप में प्रकट हुए थे, इसलिए, वर्ष के एक दिन, खेतों की अमावस्या के दिन, भक्त पहाड़ी पर आत्मलिंगम तक पैदल जाते हैं और डेयरी फसलों के साथ मिश्रित होते हैं। विशेष पूजा-अर्चना के बाद 27 दिवसीय नक्षत्र माला को निवृत्त किया गया।

पूजा कार्यक्रम में सरकारी सचेतक अदलूरी लक्ष्मण और हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख नेता शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने वाईएसआर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़, खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र और अन्य नेताओं ने यहां गांधी भवन में दिवंगत वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की और तत्कालीन आंध्र प्रदेश के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। इस अवसर पर बोलते हुए, महेश कुमार गौड़ ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उनके अनुकरणीय नेतृत्व और दयालु दृष्टिकोण के लिए वाईएस राजशेखर रेड्डी की प्रशंसा की, आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना, गरीबों के लिए आवास योजना, शुल्क प्रतिपूर्ति कार्यक्रम और ऋण माफी के कार्यान्वयन सहित उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजशेखर रेड्डी की विरासत लोगों के दिलों में गहराई से अंकित है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब तक देश मौजूद है, उनकी स्मृति बनी रहेगी। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने बाढ़ की स्थिति के बीच कीचड़ उछालने की राजनीति करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की।

सार्वजनिक शिकायतों का समय पर समाधान किया जाना चाहिए : उप महापौर

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने अधिकारियों को जनता से प्राप्त शिकायतों को समय पर हल करने का निर्देश दिया है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन में जीएचएमसी के शीर्ष अधिकारियों के साथ उप महापौर को शहर भर के लोगों से सराहना मिली। उनकी समस्याओं के बारे में पूछने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्या के समाधान के लिए सुझाव दिये। फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से चार अनुरोध प्राप्त हुए और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजे गए। इस मौके पर डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि सुझाव दिया गया कि संबंधित विभाग के अधिकारी जनता से प्राप्त आवेदनों पर विशेष ध्यान दें। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे अविलंब समस्या का समाधान कर संबंधित आवेदकों को सूचित करें और यदि समस्या का समाधान नहीं होता है तो उसका कारण लिखित में बताएं।

उन्होंने बताया कि जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान 26 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग के लिए 14, राजस्व के लिए 3, एलडब्ल्यूएस, झील, आवास, विद्युत, चुनाव, वित्त, सीएमओएच, पशु चिकित्सा और इंजीनियरिंग के लिए 3 अनुरोध प्राप्त हुए। संबंधित अधिकारियों को बिना किसी देरी के शिकायतों का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया गया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

शेख गॉउस
माता : अली शान बी
पिता : शेख ख्वाजा

जीएम एससीआर ने इंटकाने-केसमुद्रम सेक्शन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद डिवीजन के इंटकाने-केसमुद्रम सेक्शन का निरीक्षण किया और ट्रैक बहाली कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इंटकाने-केसमुद्रम सेक्शन (किलोमीटर 418 और किलोमीटर 432 के पास) के बीच रेलवे ट्रैक भारी बारिश और बाढ़ के पानी के बहने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। महाप्रबंधक ने मरम्मत कार्यों की प्रगति का निरीक्षण और समीक्षा की तथा इंटकने-केसमुद्रम खंड के प्रभावित स्थानों पर मरम्मत की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया गया है तथा ट्रेन परिचालन में यथाशीघ्र सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कार्य 24x7 किया जा रहा है। 418 किलोमीटर पर पांच स्थानों पर क्षति हुई थी, जिनमें से 4 स्थानों पर मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अलावा 432 किलोमीटर पर 4 स्थानों पर क्षति हुई थी, जिनमें से तीन स्थानों पर मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा अंतिम स्थान पर कार्य तेजी से चल रहा है। महाप्रबंधक ने इस बात पर जोर दिया कि मरम्मत कार्य को मानक सुरक्षा मानदंडों के साथ किया जाना चाहिए, ताकि ट्रेन परिचालन में अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने मंडल अधिकारियों को ट्रेनों को चलाने के लिए ट्रैक मरम्मत का कार्य यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने उन्हें जल प्रवाह के डायवर्जन से संबंधित कार्यों को सभी सुरक्षा मानकों के साथ युद्ध स्तर पर पूरा करने की सलाह दी। अरुण कुमार जैन लगभग 9 बजे साइट पर पहुंचे और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से ट्रैक बहाली कार्यों की निगरानी की। पी.एस. ब्रह्मानंदम, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, एससीआर, पी.डी. मिश्रा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, एससीआरएस विवेकानंद, प्रमुख वित्तीय सलाहकार, एससीआर, भारतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी साइट पर मौजूद थे।

सपा नेता ने नाबालिग से किया था रेप

एसपी बोले-डीएनए रिपोर्ट में पुष्टि हुई, नवाब ने कॉलेज में की थी दरिंदगी

कन्नौज, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कन्नौज में सपा नेता नवाब सिंह यादव ने नाबालिग लड़की से रेप किया था। एसपी अमित ने इसकी पुष्टि की है। कहा- रेप मामले में घटनास्थल से साक्ष्य कलेक्ट किए गए थे। इसकी एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) से रिपोर्ट आ गई है। इसमें नाबालिग से रेप की पुष्टि हुई है।

सपा नेता ने लड़की से अपने ही कॉलेज में दरिंदगी की थी। उसे पुलिस ने मौके पर गिरफ्तार किया था। 16 अगस्त को नवाब को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। अगले दिन यानी 17 अगस्त को नवाब का डीएनए सैंपल लिया गया। 15 दिनों बाद रिपोर्ट आई। नवाब को अखिलेश यादव का करीबी माना जाता है।

जबरदस्ती लड़की के कपड़े उतरवाए और दरिंदगी

11 अगस्त की देर रात 15 साल की नाबालिग अपनी बुआ के साथ आरोपी के कॉलेज में नौकरी मांगने गई थी। बुआ टॉयलेट गई, उसी दौरान नवाब सिंह यादव ने जबरदस्ती लड़की के कपड़े उतरवाए और दरिंदगी की। लड़की की फोन कॉल पर पुलिस पहुंची। उस वक्त बच्ची के आधे शरीर पर कपड़े नहीं थे।

सपा नेता बेड पर लेटा था। इसके बाद पुलिस ने नवाब को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग ने ही एफआईआर दर्ज कराई थी। 12 अगस्त को नवाब सिंह को जेल भेजा गया। उसी दिन उनके वकील ने जमानत के लिए याचिका डाली। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 14 अगस्त की तारीख तय की। 13 अगस्त की शाम को कोर्ट में रेप पीड़िता के बयान दर्ज हुए। पुलिस ने एफआईआर में रेप की धाराओं को बढ़ाया। अगले दिन सुनवाई के समय तक कागजी कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी थी। फिर कोर्ट ने 16 अगस्त की तारीख तय कर दी।

इसी दिन पीड़िता की बुआ मीडिया के सामने आई। उसने कहा- नवाब को साजिश के तहत फंसाया गया। इसमें सपा के ही जय कुमार उर्फ बउवन तिवारी शामिल हैं। उनके साथ 3 और लोग इसमें शामिल हैं। समय आने पर उनका भी नाम बताऊंगी। इसके बाद से फरार हो गई। उसकी गिरफ्तारी के लिए 6 टीमें लगाई गईं। 16 अगस्त को दोबारा कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने नवाब को 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया। जेल जाते समय नवाब सिंह ने कहा- मुझे फंसाया जा रहा। ये कुछ पूंजीपतियों की साजिश है। अगले दिन यानी 17 अगस्त को जेल से नवाब का डीएनए सैंपल लिया गया। नवाब सिंह ने खुद डीएनए टेस्ट की सहमति दी थी। 21 अगस्त को पीड़ित की फरार बुआ अरेस्ट हुई। उसने बताया- नवाब सिंह के भाई ने बयान बदलने के लिए पैसे का लालच दिया था। उसने ही कुछ लोगों का नाम लेने के लिए बोला था, ताकि इस मामले को साजिश बताया जा सके। इसी दिन नवाब के रिश्तेदार के कोल्ड स्टोरेज पर बुलडोजर चला। कोल्ड स्टोरेज की 200 फीट लंबी बाउंड्री वाल को गिराया। कई कमरों को भी तोड़ा गया था।

जाति के जहर की लहर से कहर तक!

तेजस्वी की 'आभार यात्रा' पर भाजपा का अटैक

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी यादव की 'आभार यात्रा' को लेकर तंज कसा। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जनता मालिक है और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा, ये जनता तय करेगी। उन्होंने कहा कि वो लोग जाति के जहर की लहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं। राजनीति में भी जाति का चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैं और पूरे बिहार के अंदर विकास की गति में भ्रष्टाचार करते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजद नेता तेजस्वी यादव ने 10 अक्टूबर से 'आभार यात्रा' पर निकलने की तैयारी की है। इस दौरान केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करना है।

उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वो यात्रा करें या प्रवास करें, जनता जानती है, ये अपना विकास करेंगे और अपने परिवार के उत्थान और कल्याण के लिए राजनीति जमींदारी बढ़ाने के लिए यह सारा खेल और नाटक कर रहे हैं। दोहरी राजनीति बंद होनी चाहिए, राजनीति में ऐसी मानसिकता नहीं चलेगी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने भी तेजस्वी यादव की 'आभार यात्रा' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता ने लोकसभा के चुनाव में उनको बता दिया है कि तेजस्वी बाबू आपका भविष्य क्या है?

बिहार की जनता की नजरों में आपकी राजनीतिक ताकत क्या है, ये बिहार की जनता ने वोट देकर बता दिया कि 10 सीट जीतने में भी पूरा परिवार पार्टी दिन-रात लगे रहे। बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, उनके पिता, बहन, उनकी माता के द्वारा दावा किया जाता रहा, लेकिन परिणाम तो सिर्फ चार सीट का आया।

तो, जनता ने उनको राजनीतिक हैसियत बता दी है और जनता ने यह भी बता दिया है कि बिहार के लोगों के लिए ना तो आप स्वीकार्य हैं, ना बिहार के हित के लिए आप काम करने वाले हैं। बिहार की जनता पर आपको कोई भरोसा भी नहीं है। ऐसे में उनको समझ में आ जाना चाहिए कि बिहार की जनता द्वारा आप और आपकी पार्टी रिजेक्टेड पार्टी है, तो रिजेक्टेड लीडर और रिजेक्टेड लीडर जहां चाहे घूमते रहें।

तेजस्वी के धरना पर उन्होंने कहा कि वो धरना इसलिए देते हैं, उनका आरक्षण का मतलब होता है कि पिताजी गए तो माता जी को काम मिल जाए, माता जी गई तो बेटा जी को काम मिल जाए। जब वो मिल जाए तो दीदी को काम मिले। दीदी को अगर जनता लोकसभा हरा दे तो राज्यसभा मिल जाए। दीदी जब लोकसभा लड़ जाए तो छोटी बहन फिर लोकसभा लड़े। उनका आरक्षण का दायरा यही है। वो चाहते हैं कि इसी प्रकार आरक्षण की व्यवस्था समाज में बनी रहे। लेकिन, हम भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के लोगों के लिए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार आरक्षण का प्रावधान है, हम उसे बनाए रखना चाहते हैं। हम समाज के गरीब, दलित, वंचित लोगों की लड़ाई लड़ते हैं। हम लोग थे जब बिहार में पंचायत का चुनाव हुआ, हमने पिछड़ों को राजनीतिक ताकत दी और उनको आरक्षण दिया।

गिरिराज बोले, आप टोटल अपराधियों की पार्टी

विधायक का फैसला कोर्ट में होगा, कोई कहे कि परेशान किया जा रहा तो क्या कहें

बेगूसराय, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान के घर ईडी की छापेमारी पर पार्टी ने केंद्र सरकार पर परेशान करने का आरोप लगाया था। जिसका भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने खंडन किया है। बेगूसराय में गिरिराज ने कहा कि आप टोटल का टोटल अपराधियों से घिरी पार्टी है। जिसका मुख्यमंत्री जेल में हो। कोई पैसा घोटाला में, कोई आर्म्स घोटाला में, कोई रंगबाजी में जेल जाता है। कोई व्यक्ति कानून से बड़ा नहीं होता है। अगर आप के विधायक अमानतुल्लाह खान के ऊपर कोई चार्ज है तो कोर्ट में उसका फैसला होगा। अब कोई कहे कि परेशान किया जा रहा तो क्या कहें, कानून से बड़ा कोई नहीं होता है। गिरिराज सिंह ने बरौनी रिफाइनरी गेस्ट हाउस में जनसंवाद किया। इस जनसंवाद में बड़ी संख्या में जिले भर के आमजन, भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं रखी। एक-एक कर उनकी समस्या सुनने के बाद गिरिराज सिंह ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन और कार्यकर्ताओं की समस्या का समाधान उनका लक्ष्य है, इसके लिए लगातार काम कर रहे हैं।

अभ्यर्थियों को पुलिस ने घसीटा, टांगकर उठा ले गए

जबरन गाड़ी में भरा, केशव मौर्य के घर के बाहर शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में शिक्षक भर्ती के सैकड़ों अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के सरकारी आवास का घेराव किया। पुलिस ने जब समझाने की कोशिश की तो जमकर झड़प हुई। प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, तो पुलिस ने घसीटकर हटाया। उन्हें जबरन गाड़ी में भरकर इको गार्डन भेजा गया। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने प्रदर्शनकारियों को जल्द नई सूची जारी होने का आश्वासन दिया है। अभ्यर्थी रीता शेखर ने कहा- केशव मौर्य से मैंने मुलाकात की। डिप्टी सीएम ने आश्वासन दिया है। हमें उनके आश्वासन पर भरोसा नहीं है। इस तरह के वादे 4 साल में कई बार किए गए, लेकिन हमें कुछ नहीं मिला।

मामला 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों से जुड़ा हुआ है। अभ्यर्थी हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ का आदेश लागू करने की मांग कर रहे हैं। मांग है कि कोर्ट के आदेश के अनुसार नई सूची जल्द जारी की जाए। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल विजय यादव ने कहा- अधिकारियों के रवैये से मामला फिर फंस सकता है। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है कि हाईकोर्ट के निर्णय को 15 दिन होने को हैं। लेकिन अभी तक आदेश का पालन नहीं किया गया। खुद मुख्यमंत्री भी इसे लेकर निर्देश जारी कर चुके हैं। अब जब मामला सुप्रीम कोर्ट में जाएगा तो एक बार फिर से आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। अभ्यर्थी विनोद ने कहा- सरकार ने आदेश के पालन की बात कही थी। लेकिन अब तक नहीं किया गया। हम लोग सीएम आवास घेरने आए थे। सीएम नहीं थे तो डिप्टी सीएम के आवास पहुंच गए। वहां से पुलिस ने अभ्यर्थियों को हटाकर ईको गार्डेन पहुंचा दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 16 अगस्त को 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम नए सिरे से जारी करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था- बेसिक शिक्षा विभाग को 3 महीने में नई चयन सूची जारी करनी होगी।

कोर्ट ने कहा कि नई चयन सूची में 1981 के नियम के तहत आरक्षण अधिनियम 1994 के मुताबिक आरक्षण नीति का पालन किया जाए। अगर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की मेरिट सामान्य श्रेणी के बराबर आए तो वह सामान्य श्रेणी में माना जाएगा।

मां के साथ सो रही बच्ची उठा ले गया भेड़िया

दोनों हाथ खा गया, शव देख मां बेहोश, 48 दिन में 8 की जान ले चुका

बहराइच, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बहराइच में आदमखोर भेड़िए और खूंखार हो गए हैं। रविवार रात 1 बजे मां के बगल में सो रही 3 साल की बच्ची को उठा ले गया। मां चिल्लाकर पीछे भागी, लेकिन पलक झपकते ही भेड़िया गायब हो गया। 2 घंटे बाद बच्ची का शव घर से एक किमी दूर मिला। भेड़िया दोनों हाथ खा चुका था। मासूम का शव देखते ही मां बेहोश होकर गिर गई। घटना महसी तहसील के नाउवन गरेठी गांव की है। 3 घंटे बाद इस गांव से 2 किमी दूर कोटिया गांव में भेड़िए ने बरामदे में सो रही महिला पर अटैक कर दिया। महिला चिल्लाई तो परिवार दौड़कर आया। तब तक भेड़िया महिला को जख्मी कर चुका था। उसकी हालत गंभीर है। बहराइच में भेड़िया 48 दिन में 7 बच्चों और 1 महिला यानी 8 लोगों को मार चुका है। 38 से ज्यादा लोगों को घायल कर चुका है। सीएम योगी ने कहा- हर हाल में भेड़ियों को पकड़ा जाए। भेड़िए के हमले से लोग डरे हैं। घरों के बाहर निकलना बंद कर दिया है। झुंड में एक जगह से दूसरी जगह जा रहे, लेकिन प्रशासन बेबस बना हुआ है। एक्शन के नाम पर ड्रोन उड़ाए जा रहे, पिंजरे लगाए जा रहे हैं। नतीजा कुछ भी नहीं निकल रहा। भेड़िए के हमले में बच्ची की मौत की खबर पर डीएम मोनिका रानी और एसपी वृंदा शुक्ला सुबह 6 बजे गांव पहुंचीं। बच्ची की मां की चीख-पुकार सुनकर डीएम और एसपी भावुक हो गईं। डीएम ने मासूम की मां को गले से लगा लिया। इसके बाद पीड़ित परिवार से बात की।

एक करोड़ बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर का फ्री टीका

1 अक्टूबर से वैक्सीनेशन, महावीर कैंसर संस्थान के डॉक्टर्स की रिसर्च, अब 500 रुपए में होगा टेस्ट

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश में कैंसर से जितनी महिलाओं की मौत होती है, उसमें अकेले 17% मौतें सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) से हो रही हैं। जबकि बिहार में ये आंकड़ा 31% है। बिहार की बच्चियों को इस कैंसर से बचाने के लिए सरकार फ्री एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन लगवाएगी।

बिहार में 9 से 14 साल की एक करोड़ बच्चियों के वैक्सीनेशन का लक्ष्य सरकार ने रखा है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 9 से 14 साल की बच्चियों की संख्या करीब 95 लाख है। राज्य में पहली बार इस टीके की शुरुआत 1 अक्टूबर से होने जा रही है। इस पर 150 करोड़ खर्च होंगे। इधर, महावीर कैंसर संस्थान के 9 डॉक्टर की टीम ने 4 साल की रिसर्च में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग का नया फॉर्मूला खोज निकाला है। कैंसर के लक्षण वाले 1,250 मरीज पर रिसर्च किया गया, जिसमें 1178 की रिपोर्ट नेगेटिव आई। जबकि, नए फॉर्मूले से स्क्रीनिंग में 90% मरीजों में कैंसर पाया गया। डॉक्टरों का दावा है कि 'स्क्रीनिंग के फॉर्मूले से मात्र 500 रुपए में सर्वाइकल कैंसर को फर्स्ट स्टेज में ही पकड़ा जा सकता है।' डॉक्टरों के रिसर्च को इंग्लैंड की साइंटिस्ट रिपोर्ट 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव में 98% कारगर है। ये टीका महंगा है। इस वजह से अधिकांश अभिभावक बच्चियों को टीका नहीं दिला पाते। बिहार में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना की स्वीकृति कैबिनेट से मिल चुकी है। महावीर कैंसर संस्थान के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं में 34% स्तन कैंसर के मामले रिपोर्ट होते हैं। उससे थोड़ा ही कम 31-32% केस सर्वाइकल कैंसर के हैं, लेकिन सर्वाइकल कैंसर से मौतें ज्यादा होती हैं।

देश में सर्वाइकल कैंसर से 17% मरीजों की मौत हो चुकी है। महावीर कैंसर संस्थान के रिसर्च टीम के वैज्ञानिक डॉक्टर अली बताते हैं कि 'महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बढ़ रहा है। हर साल भारत में 1 लाख 20 हजार नए मरीज आ रहे हैं। जबकि, बिहार में हर साल 20 हजार नई महिला मरीज मिल रही हैं।'

तलाकशुदा महिला की थाने में लोगों ने कराई शादी

छपरा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छपरा में चोरी छिपे मिलते हुए प्रेमी जोड़े को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्ष के परिजनों में सुलह कराते हुए थाना परिसर के मंदिर में शादी करा दी। घटना रविवार देर शाम की है। लेकिन, वीडियो आज सोमवार को सामने आया है। पुलिस के इस पहल की लोग सराहना कर रहे हैं। बता दें कि प्रेमी परसा थाना क्षेत्र के चक शहबाज गांव निवासी गोविंद कुमार है। प्रेमिका खैरा थाना क्षेत्र के अरवा निवासी रेखा देवी है। रेखा पहले से तलाकशुदा है। इसकी दो बच्ची भी है। जिनकी उम्र 6 साल और 3 साल.है। बताया जाता है कि करीब 3 साल पहले ही रेखा का तलाक भी हुआ था। वहीं, एक साल साल से इनका अफेयर चल रहा था। प्रेमी गोविंद ट्रैक्टर चालक का काम करता है। इनकी मुलाकात ट्रैक्टर चलाने के दौरान हुई थी। रेखा इस दौरान कहीं जा रही थी। एक दूसरे से फोन पर बात करने लगे। करीब एक साल से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविवार की दोपहर बाद प्रेमी प्रेमिका को ग्रामीणों ने मिलते हुए पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को पकड़ कर मुफस्सिल थाना पुलिस को सौंप दिया। थानाध्यक्ष विशाल आनंद ने दोनों पक्ष के परिजनों को बुलाया गया। पहल करते हुए दोनों की शादी थाना परिसर के मंदिर में करा दी। आसपास की महिलाएं और पुलिसकर्मियों ने मांगलिक तैयारी करते हुए विधि विधान से शादी सम्पन्न कराने में मदद की।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विशाल आंनद ने बताया कि रविवार की दोपहर बाद थाना क्षेत्र के ग्रामीणों ने प्रेमी-प्रेमिका को पकड़ने की सूचना दी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव तय करेगा यूपी में सपा-कांग्रेस का गठबंधन

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव अगले महीने होने हैं। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर भी उसके बाद उपचुनाव होंगे। कांग्रेस यहां होने वाले चुनावों में सपा के साथ मिलकर लड़ना चाह रही है, जबकि सपा चाहती है कि उसे भी कुछ सीटें हरियाणा में मिलें। बस इसी पर सीटों के बंटवारे की बात अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पा रही है। इस बीच हरियाणा कांग्रेस नेताओं की बैठक कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने बुलाई है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो इस बैठक के बाद यूपी में होने वाले सीटों के बंटवारे का भी रास्ता साफ हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, यूपी में सपा और कांग्रेस नेताओं के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू हो चुकी है, लेकिन कोई रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है।

भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, बेटा साथ सोता रहा

मुंगेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर में रविवार देर रात एक भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय उनका मासूम बेटा उनके पास ही सो रहा था। पुलिस पुरानी रंजिश के एंगल से मामले की जांच कर रही है। तारापुर अनुमंडल के गोगाचक धोवइ कच्ची कांवरिया पथ पर हुई इस घटना में भाजपा युवा मोर्चा नेता बंटी सिंह उर्फ फंटूश (35) की जान चली गई। बंटी सिंह भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष भी थे। वह कांवरिया पथ पर ही चाय-नाश्ते की एक अस्थायी दुकान चलाते थे।

रविवार रात को बंटी सिंह अपनी दुकान में ही अपने चार साल के बेटे के साथ सो रहे थे। तभी अज्ञात अपराधियों ने दुकान में घुसकर उनके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब कुछ लोग बंटी को जगाने गए तो उन्होंने देखा कि बंटी का खून से लथपथ शव बिस्तर पर पड़ा है और उनका बेटा उनके पास ही सो रहा है। यह देखकर लोगों के होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना बंटी के परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया। प्रथम दृष्टिकोण से पुरानी रंजिश को लेकर यह घटना को अंजाम दिया गया है। फिर भी एसएफएल की टीम आ गई है। जांच शुरू हो चुकी है। इस घटना की हर बिंदु पर जांच कर जल्द से जल्द अपराधी को पकड़ा जाएगा।

रिजर्वेशन में बदलाव से लेट हुआ बीपीएससी का रिजल्ट

सरकार ने तांती-ततवा को एससी में डाला, कोर्ट ने रद्द किया, आयोग को दोबारा करना पड़ा काम

पटना, 2 सितंबर (एजेंसियां)। 31 अगस्त को बिहार लोक सेवा आयोग ने कंबाइंड बीपीएससी 69वीं मेंस परीक्षा का रिजल्ट जारी किया। एग्जाम में 1295 कैंडिडेट्स सफल हुए। रिजल्ट आने के बाद सफल अभ्यर्थी अब इंटरव्यू की तैयारी में जुट गए हैं, लेकिन ये रिजल्ट एक महीने लेट आया है। बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने निर्धारित कैलेंडर की डेट से 30 दिन की देरी से रिजल्ट जारी किया। कैलेंडर के अनुसार 31 जुलाई को इस परीक्षा का रिजल्ट आना था, लेकिन रिजल्ट में 30 दिन की देरी का बड़ा कारण तांती-ततवा जाति को एससी से हटाकर ईबीसी में किया जाना रहा। इससे आयोग को रिजल्ट पर दोबारा काम करना पड़ा। बीपीएससी 69वीं के लिए 4 हजार 480 कैंडिडेट्स ने एग्जाम दिया था, जिसमें 1295 ने मेंस क्लियर किया है। 1295 सफल अभ्यर्थियों में 1005 सिविल सेवा के लिए क्वालीफाइ किया है। वहीं, वित्तीय प्रशासनिक पदाधिकारी के लिए 262 कैंडिडेट्स सफल हुए हैं। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के लिए 27 और पुलिस उपाधीक्षक तकनीकी के लिए 1 कैंडिडेट को सफलता मिली है। बीपीएससी 69वीं की प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) में 5 हजार 299 अभ्यर्थी सफल हुए थे। बीपीएससी 69वीं कंबाइंड पीटी परीक्षा 30 सितंबर, 2023 ली गई थी, जिसमें आयोग द्वारा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक तकनीकी जैसे परीक्षाओं को शामिल किया गया। एक्सपर्ट बताते हैं, इससे अभ्यर्थियों के समय में बचत हुई। उन्हें अलग-अलग फॉर्म भरकर अलग-अलग परीक्षाएं देनी पड़ती थी। बिहार सरकार ने 2 जुलाई 2015 में तांती-ततवा जाति को अनुसूचित जाति यानी एससी का दर्जा दे दिया था। इसके बाद से सभी सरकारी नौकरियों में तांती-ततवा जाति के उम्मीदवारों को एससी कोटा का फायदा मिल रहा था। उसी समय बिहार सरकार के इस फैसले के खिलाफ भीमराव अंबेडकर विचार मंच पटना हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के पक्ष में फैसला सुना दिया। भीमराव अंबेडकर विचार मंच की ओर से पटना हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई। इस पर काफी लंबी सुनवाई चली और सुप्रीम कोर्ट ने 15 जुलाई 2024 को इस पर फैसला सुनाया।

दस साल तक चल नहीं पाई, दौड़ी तो ओलिंपिक मेडल

दोनों पैर जुड़े थे, 10 साल बेड पर सबकुछ, प्रीति के संघर्ष की कहानी

मेरठ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बहन पैदा हुई तो उसके दोनों पैर जुड़े थे। 10 साल बिस्तर पर गुजारे। पैरों पर खड़ा होना शुरू किया तो मन दौड़ने को करता। लेकिन पैर इतने नाजुक की जब दौड़ती तब गिर जाती। आज पेरिस पैरालिंपिक में टी-35 रेस में उसने देश को 2 ब्रॉन्ज मेडल दिलाया तो खुशी का ठिकाना न रहा। ये कहना है पैरा प्लेयर प्रीति पाल की बहन नेहा का। प्रीति ने रविवार को 200 मीटर और शुक्रवार को 100 मीटर रेस में ब्रांज मेडल जीता। 200 मीटर में 30.01 सेकेंड और 100 में 14.21 सेकेंड का समय निकाला। पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन करके प्रीति से बात की। इस दौरान पीएम ने पूछा- कैसा लग रहा है? जवाब में प्रीति ने कहा- मेरा सपना था कि अपने देश का तिरंगा, दूसरे देश में लहराना है। यह सपना पूरा हो गया। मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि मेरा सपना पूरा हो गया है। पीएम ने पूछा- घर पर बात हुई या नहीं? प्रीति ने कहा- मेरे घर वाले रो रहे हैं। सभी उत्साहित है। मुझे यहां पूरा सपोर्ट मिल रहा है। सभी खुश हैं। प्रीति पाल उत्तर प्रदेश के मेरठ के कसेरू बक्सर गांव की रहने वाली हैं। मेडल जीतने के बाद प्रीति के घर भीड़ का आना-जाना शुरू हो गया है। जन प्रतिनिधि भी पहुंच रहे हैं। गांव में उत्साह का माहौल और दिवाली जैसी रौनक है। प्रीति ने रविवार को जब दूसरा मेडल जीता तो लोग खुशी से झूम उठे। कसेरू बक्सर और आस-पास के कई गांवों में भी आतिशबाजी की गई। प्रीति की बहन नेहा ने बताया- हम लोग मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं। पापा का नाम अनिल कुमार है, वो किसान हैं। कुछ सालों से मेरठ में आकर बस गए। दादा, दादी के अलावा घर में पापा अनिल पाल, मम्मी बालेश, बड़ी बहन नेहा, प्रीति, छोटा भाई अनिकेत, विवेक हैं। प्रीति को छोड़कर तीनों भाई, बहन जॉब करते हैं। मेरी छोटी बहन प्रीति, वो आम बच्चों से एकदम अलग थी। जब मैंने पहली बार उस नन्हीं बच्ची को गोद में उठाया तो देखा उसके दोनों पैर जुड़े थे। कहूं तो उसके पंजे, घुटने, जांघें दो थी, लेकिन वो एक पैर था। मुझे लगा ये कुछ रोमांचक है, लेकिन समय के साथ पता चला कि मेरी बहन के शरीर में कमी है। वो सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित है। 10 साल तक उसे मैंने कभी पैरों पर चलते नहीं देखा। नेहा ने बताया- प्रीति चल नहीं पाती थी। उसका हर तरह का इलाज कराया।

डॉक्टरों ने उसके पैरों को अलग किया, उसके दोनों पैरों में 10 साल तक प्लास्टर बंधा रहा। वो पूरी तरह बिस्तर पर थी। बिस्तर से उठ नहीं पाती थी, उसका हर काम बेड पर हम लोग करते। थोड़े दिन बाद प्लास्टर हटा तो उसने धीरे-धीरे चलना शुरू किया। उसे लोहे के जूते, कैलीपर्स पहनाए गए। फिर भी उसके पैरों में मजबूती नहीं थी। वो चलते-चलते गिर जाती थी। लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी। नेहा ने बताया- प्रीति ने अपने पैरों पर खड़ा होना शुरू किया तो अक्सर उसका मन दौड़ने का करता। वो नाजुक पैरों से अक्सर दौड़ती और गिर जाती। उसने अपनी पढ़ाई भी शुरू की और पढ़ाई के साथ खेलों में बढ़ी। टीवी पर उसने दिव्यांग खिलाड़ियों के वीडियो देखे। तभी उसने ठान लिया कि वो अपनी जिंदगी बेकार नहीं जाने देगी। कुछ नहीं कर सकती लेकिन खिलाड़ी बनेगी। खेलों में उसे दौड़ना पसंद था इसलिए उसने यह चुना। प्रीति जब स्पोर्ट्स में उतरी तो प्रैक्टिस के लिए कैलाश प्रकाश स्टेडियम जाती, सुबह जाकर रात तक फील्ड से लौटती। कई बार ऑटो नहीं मिलता तो पापा उसे लेने जाते। कुछ दिन बाद प्रीति के कहने पर पापा ने उसे एक टाई साइकिल दिलाई।

एनसीपी नेता पर 5 राउंड फायरिंग से मौत

हमलावर ने कान से सटाकर गोली मारी

पुलिस बोली- वर्चस्व विवाद के चलते हत्या हुई

पुणे, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पुणे में एनसीपी अजित गुट के नेता और पूर्व पार्षद वनराज आंदेकर की रविवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पूर्व पार्षद पर ताबड़तोड़ पांच गोलियां चलाई गईं। फायरिंग के बाद वनराज आंदेकर को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि पुणे के नानापेठ के डोके तलीम इलाके में यह घटना देर शाम करीब 8:30 बजे हुई। आशंका है कि वर्चस्व विवाद के चलते आंदेकर की हत्या की गई है। आंदेकर के रिश्तेदारों पर ही हत्या का शक है। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आंदेकर की हत्या के लिए हमलावरों ने प्लानिंग की थी। इलाके की लाइट काट दी गई थी। लाइट न होने के कारण आंदेकर सड़क पर बाहर अकेले खड़े थे। हमलावर चाकू लेकर भी मौके पर पहुंचे थे। हालांकि, अभी तक चाकू से हमले की बात सामने नहीं आई है।

वनराज की मां पार्षद और बहन मेयर रह चुकीं

वनराज आंदेकर 2017 पुणे नगर निगम चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से पार्षद चुने गए थे। एनसीपी के 2 धड़ों में बंटने के बाद उन्होंने अजित गुट को समर्थन दिया था। इससे पहले उनकी मां राजश्री अंदेकर 2007 और 2012 में 2 बार पार्षद रह चुकी हैं। वनराज आंदेकर के चचेरे भाई उदयकत आंदेकर भी पार्षद थे। इसके अलावा उनकी बहन वत्सला आंदेकर पुणे की मेयर रह चुकी हैं।

पुणे में आंदेकर गिरोह 25 साल से अलग-अलग अपराध में शामिल रहा है। इस गिरोह के मुखिया वनराज आंदेकर के पिता सूर्यकांत आंदेकर उर्फ बंडू हैं। गैंगस्टर प्रमोद मालवडकर की हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, उसे कुछ दिन पहले जमानत मिल गई थी। आंदेकर गिरोह और मालवडकर गिरोहों के बीच कई बार झगड़े हुए हैं। सूर्यकांत आंदेकर पर हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, मारपीट जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। सूर्यकांत आंदेकर और 6 अन्य के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

मणिपुर में फिर हिंसा, गोलीबारी में 2 की मौत, 9 लोग घायल

पुलिस का दावा- उग्रवादियों ने ड्रोन से बम गिराए

इंफाल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार को उग्रवादियों के हमले में एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। महिला की 13 साल की बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत 9 लोग घायल हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, उग्रवादियों ने पहाड़ी के ऊपरी इलाके से कोत्रुक और कडांगबांड घाटी के निचले इलाकों में फायरिंग की और ड्रोन से भी हमला किया। अचानक हुए इस हमले की वजह से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। गोलीबारी में घायल 9 लोगों में से 5 को गोली लगी है, जबकि बाकी को बम के छर्रे लगे हैं। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि हमले में ड्रोन बम का इस्तेमाल हुआ है।

इंफाल से 18 किमी दूर बना कोत्रुक गांव में मैतेई समुदाय के

लोग रहते हैं। रविवार दोपहर 2 बजे गोलीबारी हुई। जिसके बाद लोग वहां से जान बचाकर भागे। उग्रवादियों ने खाली पड़े घरों में लूटपाट की। साथ ही 5 घरों और वहां खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हालांकि सुरक्षा बलों ने रविवार रात को हमलावरों को खदेड़ दिया।

सीएम बीरेन सिंह के बयान से नाराज कुकी-जो विलेज वॉलंटियर्स ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें उन्होंने धमकी दी है कि मैतेई लोगों ने 3 दिन में गांव खाली नहीं किए तो कुकी वॉलंटियर्स उन्हें खदेड़ देंगे। वीडियो में एक कुकी वॉलंटियर यह कहता दिख रहा है- मैतेई उग्रवादी चूराचांदपुर-कांग्पोकपी को लगातार निशाना बना रहे हैं, और सीएम ने कहा है कि राज्य में शांति है। वे हमें मूर्ख समझते हैं।

कुकी-जो संगठनों की मणिपुर में कुकीलैंड की मांग

कुकी-जो समुदाय के लोगों ने 31 अगस्त को मणिपुर के चुराचांदपुर, कांगपोकपी और टेंग्नौपाल में रैलियां निकालीं। इन संगठनों की मांग है कि मणिपुर में अलग कुकीलैंड बनाया जाए, जो केंद्र शासित प्रदेश हो। इन संगठनों का कहना है कि पुडुचेरी की तर्ज पर विधानसभा के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश बनाना ही राज्य को जातीय संघर्ष से बाहर निकालने का इकलौता रास्ता है।

मणिपुर के पेनियल गांव में 31 अगस्त को बीजेपी प्रवक्ता टी माइकल एल हाओकिप के पिता के घर पर आग लगा दी गई। हाओकिप ने X पर वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया था कि यह काम कुकी लोगों का है। हाओकिप ने कहा था कि उनके घर पर एक साल में तीसरी बार हमला हुआ। पिछले हफ्ते भी 30 से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की थी।

कांग्रेस नेता बोलीं: पार्टी में फिल्मों की तरह कास्टिंग काउच

सीनियर नेताओं के करीबियों को मौके मिलते हैं; केरल कांग्रेस ने निष्कासित किया

तिरूवनंतपुरम, 2 सितंबर (एजेंसियां)। केरल कांग्रेस की नेता रोजबेल जॉन ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा केरल कांग्रेस में फिल्मों की कास्टिंग काउच वाली स्थिति बन गई है। सिर्फ सीनियर नेताओं के करीबियों को ही पार्टी में आगे बढ़ने का मौका मिलता है। सिमी के इन आरोपों के बाद रविवार 1 सितंबर को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के महासचिव एम लिजू ने एक बयान में कहा कि सिमी रोज बेल जॉन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

महिलाओं का शोषण सभी क्षेत्रों में हो रहा है, यहां तक कि कार्यस्थलों और राजनीति में भी। पार्टी की कई साथी महिलाओं ने मेरे साथ अपने बुरे अनुभव साझा किए हैं। मैं केरल की महिला नेताओं को सलाह देती हूं कि वे नेताओं से मिलने अकेले न जाएं।

अपने परिवार या दोस्तों को साथ लेकर जाएं। मेरे सबूत हैं जो उचित समय पर सामने आएंगे।

कांग्रेस के आरोपों पर सिमी ने कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- हाल ही में पार्टी के लिए लंबे समय से काम करने वाले एक व्यक्ति को निष्कासित कर दिया गया। कारण था कि उसके व्यक्ति ने सीपीआई (एम) के साथ साजिश रची थी, लेकिन कोई सबूत नहीं है। अगर है, तो इसे सार्वजनिक करना चाहिए।

सिमी ने बताया- महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष लतिका सुभाष, के करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल को भी निकाला किया गया। आत्मसम्मान वाली महिलाएं कांग्रेस में काम नहीं कर पाएंगी। मुझे भी निकाल दिया गया। मैंने महिलाओं की आवाज बनकर गलती कर दी। वीडी सतीसन किसी से नहीं डरते। मेरे साथ वाले बहुत से लोग अब अलग-अलग पदों पर हैं। मुझे अब सड़क पर चलने में डर लगता है। मेरे साथ कुछ भी हो सकता है।

केरल कांग्रेस प्रमुख के सुधाकरन ने कहा, महिला कांग्रेस ने सिमी रोजबेल जॉन के आरोपों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सिमी ने नेताओं के खिलाफ गलत टिप्पणी की। उनके आरोप निराधार हैं। केपीसीसी महिला कांग्रेस की शिकायत की जांच करेगी।

मॉब लिंचिंग पर राहुल बोले-

मुसलमानों पर हमले जारी हैं, बीजेपी सरकार में उपद्रवियों को छूट है, सरकारी तंत्र मूक दर्शक

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को हरियाणा और महाराष्ट्र की मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों को भाजपा सरकार से खुली छूट मिली हुई है, इसीलिए उनमें ऐसा साहस है। अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानों पर लगातार हमले जारी हैं और सरकारी तंत्र मूक दर्शक बना देख रहा है। राहुल ने आगे कहा कि भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन नफरत के खिलाफ भारत जोड़ने की लड़ाई हम जीतेंगे। राहुल का कहना है कि भाजपा पार्टी नफरत को राजनीतिक हथियार बनाकर सत्ता की सीढ़ी की चढ़ रही है और देश में डर का माहौल बना रही है। भीड़ की शक्ल में अपराधी खुलेआम हिंसा फैला रहे हैं और इन्हें भाजपा सरकार से छूट है। ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

डेरा ब्यास मुखी ने उत्तराधिकारी घोषित किया

आज से ही गद्दी संभालेंगे; कैंसर-हृदय रोग से पीड़ित बाबा गुरिंदर ढिल्लों

अमृतसर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में अमृतसर के ब्यास में स्थित डेरा राधा स्वामी के मुखी गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है। उन्होंने 45 वर्षीय जसदीप सिंह गिल को अपना उत्तराधिकारी बनाया है। उनको बतौर गुरू नाम देने का भी अधिकार होगा। कुछ साल पहले बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों को कैंसर डिटेक्ट हुआ था। जिसका लंबा इलाज चला। वहीं गुरिंदर ढिल्लों हृदय रोग से भी पीड़ित हैं। डेरा ब्यास का काफी प्रभाव है। पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर कई बड़े नेता यहां आ चुके हैं। इस संबंध में सभी सेवादार इंचार्जों को भेजे लेटर में कहा गया कि पूज्य संत सतगुरु एवं राधा स्वामी सत्संग ब्यास के संरक्षक बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने सुखदेव सिंह गिल के पुत्र जसदीप सिंह गिल को राधा स्वामी सत्संग ब्यास

सोसाइटी का संरक्षक मनोनीत किया है। वे 2 सितंबर, 2024 से तत्काल प्रभाव से संरक्षक के रूप में उनका स्थान लेंगे। जसदीप सिंह गिल, राधा स्वामी सत्संग ब्यास सोसाइटी के संत सतगुरु के रूप में बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों का स्थान लेंगे तथा उन्हें नाम दीक्षा देने का अधिकार होगा। बाबा गुरिंदर ढिल्लो ने कहा कि जिस प्रकार हुजूर महाराज जी के बाद उन्हें संगत का भरपूर सहयोग व प्यार मिला है। उसी प्रकार उन्होंने यह भी इच्छा व अनुरोध किया है कि जसदीप सिंह गिल को भी संरक्षक व संत सतगुरु के रूप में उनकी सेवा निभाने में वही प्यार और स्नेह दिया जाए।

राधा स्वामी सत्संग ब्यास डेरे की स्थापना बाबा जैमल सिंह ने 1891 में की थी। इसका उद्देश्य लोगों को धार्मिक संदेश देना है। यह संस्था दुनिया के 90 देशों में फैली हुई है, जिसमें यूएसए, स्पेन, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, जापान, अफ्रीका समेत दूसरे कई देश शामिल हैं। डेरे के पास 4 हजार एकड़ से भी ज्यादा जमीन है। जिसमें करीब 48 एकड़ का लंगर हॉल है। डेरे में श्रद्धालुओं के रहने के लिए सराय, गेस्ट होस्टल और शेड हैं। डेरे में लोगों के मुफ्त इलाज के लिए 3 अस्पताल भी बनवाए हैं। डेरे से 35 किलोमीटर के घेरे में रहने वाले लोगों के इलाज के लिए मुफ्त सुविधा दी गई है।

पूर्व मंत्री बबली बीजेपी में शामिल

कांग्रेस ने टिकट नहीं दी, जेजेपी नेता-पूर्व जेल अधीक्षक ने भी भाजपा जॉइन की

चंडीगढ़, 2 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने भाजपा जॉइन कर ली है। दिल्ली में प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बिप्लब देब ने उन्हें शामिल कराया। उनके साथ जेल अधीक्षक पद से इस्तीफा देने वाले सुनील सांगवान और जजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कबलाना भी भाजपा में शामिल हो गए।

बबली ने रविवार रात को जेजपी से इस्तीफा दे दिया। पहले उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा थी, लेकिन कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा था कि देवेंद्र बबली ने उनसे मुलाकात की थी, लेकिन उन्हें टिकट के लिए मना कर दिया गया है। बबली लगातार कहते रहे हैं कि मई महीने में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने सिरसा से जीती कांग्रेस की कुमारी सैलजा की मदद की थी। वहीं सरपंच एसोसिएशन ने भी बबली को कांग्रेस में शामिल करने पर विरोध की चेतावनी दी थी।

जॉइनिंग के बाद देवेंद्र बबली ने कहा, 'मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा। हमारे मुख्यमंत्री नायब सैनी हैं, उनकी यही सोच है कि कैसे हरियाणा और यहां के लोगों को आगे लेकर जाना है। मैं तो यही कह सकता हूं कि हम सब मिलकर हरियाणा में फिर से BJP की तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं।'

पूर्व सांसद का चुनाव लड़ने से इनकार

प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के बाद पूर्व सांसद संजय भाटिया ने विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। संजय भाटिया ने भाजपा के प्रदेश सह चुनाव प्रभारी बिप्लब देब को फोन कर इसकी जानकारी दी। भाटिया के पानीपत शहरी सीट से सिटिंग MLA प्रमोद विज की जगह चुनाव लड़ने की चर्चा थी। भाटिया से पूर्व सीएम(अब केंद्रीय मंत्री) मनोहर लाल खट्टर के लिए करनाल लोकसभा सीट छुड़वा दी गई थी।

एससी जज बोले- समाज में भीड़ तंत्र पैदा हो रहा

नेता अपराधियों को फांसी देने का वादा करते हैं जबकि फैसला लेना न्यायपालिका का काम

पुणे, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस अभय ओका ने रविवार को कहा कि समाज में 'भीड़ तंत्र' पैदा हो रहा है। जब कोई हादसा होता है, तो नेता इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। वे उस जगह जाते हैं और जनता से वादा करते हैं कि आरोपी को फांसी की सजा दी जाएगी, लेकिन ये तय करना उनका काम नहीं है। ये फैसला लेने की ताकत सिर्फ न्यायपालिका के पास है।

जस्टिस ओका बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र की तरफ से पुणे में आयोजित कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने और त्वरित और न्यायपूर्ण फैसले सुनाने की अहमियत पर अपनी बात रखी। उन्होंने यह भी कहा कि कई केस में बेल देने के चलते बिना वजह ही न्यायपालिका की आलोचना की जाती है।

मॉब रूल की टिप्पणी करते वक्त जस्टिस ओका ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कोलकाता रेप-मर्डर और महाराष्ट्र के बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं के यौन शोषण के मामले सामने आने के बाद अपराधियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा सुनाए जाने के मांग उठ रही है।

शनिवार (31 अगस्त) को ही केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर में शामिल अपराधियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी। इससे कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वादा किया था कि वे मौजूदा कानून में बदलाव करेंगी, ताकि रेप के अपराधियों को फांसी की सजा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अगर ज्यूडिशियरी का सम्मान करना है तो इसकी स्वतंत्रता बनाए रखनी होगी। संविधान का पालन सिर्फ तब होगा जब वकील और ज्यूडिशियरी संवेदनशील रहेंगे। न्याय तंत्र को बनाए रखने में वकील अहम भूमिका निभाते हैं, लिहाजा उन्हें अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी, वरना संविधान नहीं बच पाएगा। कॉन्फ्रेंस में मौजूद सुप्रीम कोर्ट जस्टिस प्रसन्न भालचंद्र वराले ने शिक्षा और जागरूकता के जरिए संविधानिक मूल्यों को बनाए रखने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने मूल्यों को बनाए रखने और कड़ी मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। जस्टिस वराले ने कहा कि सिर्फ संविधान को जानने या पढ़ने से काम नहीं चलता, हमें इसके प्रति जागरूक भी होना होगा। महिलाओं पर हो रहे हमलों को देखते हुए सिर्फ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' ही नहीं, बल्कि 'बेटा पढ़ाओ' भी जरूरी हो गया है।

सिंगरौली में 'बेखौफ' रेत माफिया

आदिवासी किसान को ट्रैक्टर से कुचला

कांग्रेस ने कहा- बीजेपी से जुड़ा है आरोपी

सिंगरौली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। उनके अवैध धंधे में सामने आने वाले लोगों की जान ले लेते हैं। सरकारी कर्मचारियों के बाद सिंगरौली में एक आदिवासी युवक इनका शिकार बना है। अवैध रेत निकासी रोकना एक युवक को भारी पड़ गया है। रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर उसकी जान ले ली है। इसे लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। अभी तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई है। आदिवासी युवक ने रेत के बाद परिवहन करने के दौरान फसल नुकसान होने का हवाला दिया। अवैध रेत परिवहन रोकने का प्रयास किया तो रेत माफियाओं ने पहले तो उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। इसके बाद ट्रैक्टर से कुचल दिया। गंभीर हालत में उसे सराय के सामुदायिक केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलेश्वर पटेल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि सिंगरौली जिले में नदी को छलनी किया जा रहा है। पुलिस और खनन विभाग मौन है। अवैध खनन करने से मना करने पर ग्रामीण पर माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि रेत माफिया भाजपा देवसर विधायक का खास है। इसकी वजह से पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। ट्रैक्टर भी जब्त नहीं किया गया। प्रशासन आरोपियों को बचा रही है। जानकारी के मुताबिक बीती रात बरका चौकी अंतर्गत गन्नई गांव में स्थित पटीर नदी से खनिज माफिया ट्रैक्टर से अवैध रेत का परिवहन कर रहे थे। इसी दौरान गांव के रहने वाले इन्द्रपाल अगरिया ने रेत परिवहन के दौरान फसल नुकसानी का हवाला वाहन रोकने का प्रयास किया। खनिज माफियाओं ने पहले तो युवक की पिटाई की फिर ट्रैक्टर से कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में सराय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

भोपाल में लिव-इन में रह रही महिला की 4 साल के बेटे के साथ कुएं में मिली लाश

दोनों थे लापता, मिस्ट्री बना मामला

भोपाल, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के बैरसिया में रविवार सुबह एक महिला और उसके चार वर्षीय बेटे का शव कुएं में मिला है। दोनों शनिवार से लापता थे। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। महिला एक ढाबा संचालक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थी। पुलिस को संदेह है कि महिला ने अपने बेटे के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि महिला रमेश नाम के व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थी। उनका चार वर्षीय बेटा भी है। यह व्यक्ति ढाबा संचालक है। वह दूसरी महिला से भी विवाहित है तथा अपनी पहली पत्नी से भी संपर्क बनाए हुए है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। घटना की रिपोर्ट बैरसिया थाने में दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह करीब 10:15 बजे एक ऑटो चालक ने कुएं में एक महिला और एक बच्चे का शव देखा। पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से महिला और बच्चे के शवों को बाहर निकाला।

महिला जिस व्यक्ति के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थी, वह भी मौके पर पहुंच गया। उसने महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के लिए वार्ड नंबर 12 में एक घर किराए पर लिया था। पुलिस ने बताया कि महिला कथित तौर पर गर्भवती थी, उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

एक क्लर्क जो बन गया दिल्ली का एनकाउंटर स्पेशलिस्ट

चेहरा देख पढ़ लेते हैं दिमाग, नाम सुनकर थर्राते थे अपराधी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अक्सर आपने सुना होगा कि जुर्म का कोई मामला पुलिस अधिकारियों के बीच सीमा विवाद में उलझ गया। कोई वारदात हुई और उसे सुलझाने से पहले इस बात पर विवाद हो गया कि वो किस थाना क्षेत्र का मामला है। लेकिन, देश की राजधानी दिल्ली में एक पुलिस अफसर ऐसे भी रहे, जिनके काम करने का दायरा कभी भी सीमाओं में नहीं बंधा। उनके मुखबिरों का जाल बेजोड़ था, जिसके जरिए वो हर वारदात की तह में जाकर सुराग खोज निकालते थे। इस अफसर का नाम है ललित मोहन नेगी, जो हाल ही में दिल्ली पुलिस से रिटायर हुए हैं। अपनी 35 साल की सर्विस के दौरान एसीपी ललित मोहन ने 30 से भी ज्यादा एनकाउंटर किए, जिनमें 47

क्रिमिनल्स मारे गए।

दिल्ली पुलिस में ललित मोहन नेगी का करियर जितना शानदार रहा, उससे ज्यादा रोचक कहानी उनके पुलिस फोर्स जॉइन करने की है। दिल्ली पुलिस के यूट्यूब चैनल पर मौजूद एक वीडियो में ललित मोहन बताते हैं कि अक्सर लोगों के साथ ऐसा होता है कि हम पढ़ते रहते हैं लेकिन हमें ये नहीं पता होता कि आगे करना क्या है, मेरे साथ भी ऐसा ही था। पहले इंटरमीडिएट हुई और इसके बाद ग्रेजुएशन, लेकिन भविष्य को लेकर कोई खास योजना नहीं थी। इसी दौरान उनके एक दोस्त की नौकरी पंजाब नेशनल बैंक में लग गई और उन्होंने ललित मोहन को भी बैंक परीक्षाओं की तैयारी करने की सलाह दी।

उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले ललित मोहन बैंक क्लर्क सहित दूसरी सरकारी नौकरियों की तैयारी में जुट गए। उनकी तैयारी रंग लाई और 1986 में ललित मोहन का सेलेक्शन एसएससी के जरिए उद्योग मंत्रालय में हो गया। हालांकि, उनकी मंजिल कुछ और थी। ललित मोहन बताते हैं कि उनके कुछ रिश्तेदार पुलिस फोर्स में थे और जब वो उन्हें वर्दी पहनते हुए देखते थे तो मन करता था कि वो भी पुलिस फोर्स जॉइन करें।

एमपी में एक ही स्कूल के 11 शिक्षकों को ब्रेन ट्यूमर

कलेक्टर ने बीमारी की करवाई जांच तो सब रह गए सन्न

रीवा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के एक स्कूल के 11 शिक्षकों ने तबादले से बचने के लिए खुद को ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों का मरीज बताया था। जब जांच हुई तो पता चला कि सभी शिक्षक पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह मामला रीवा के बदराव गांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है। रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी शिक्षकों का मेडिकल चेकअप कराने का आदेश दिया है।

यह मामला तब सामने आया, जब 2022 में लागू हुई ट्रांसफर नीति के तहत गंभीर बीमारियों से पीड़ित कर्मचारियों को तबादले से छूट दी गई थी। कुछ शिक्षकों ने इस नीति का फायदा उठाने के लिए पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज करा दी। इन शिक्षकों ने खुद को ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित बताया था।

हालांकि, जब इस मामले की जांच की गई तो पता चला कि सभी शिक्षक पूरी तरह स्वस्थ हैं। शिक्षकों ने खुद स्वीकार किया है कि उन्हें ऐसी कोई बीमारी नहीं है। उन्होंने लिखित में यह भी बताया है कि उन्होंने पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज नहीं कराई थी।

स्कूल के प्रधानाध्यापक ने भी पुष्टि की है कि उनके यहां कोई भी शिक्षक ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां जो शिक्षक हैं कोई भी ऐसी बीमारी से ग्रसित नहीं है। ऐसा उन्होंने लिख कर भी दिया है।

प्रिंसिपल ने यह भी कहा कि यह मामला सिस्टम या कंप्यूटर की गड़बड़ी का हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह कोई सिस्टम और कंप्यूटर की गड़बड़ी है या फिर जानबूझ कर किया गया, जिसमें इनको पीड़ित बताया गया है, यह जांच का विषय है।

इस मामले पर रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने संज्ञान लिया है। उन्होंने सभी 11 शिक्षकों का मेडिकल बोर्ड से चेकअप कराने का आदेश दिया है। कलेक्टर ने कहा कि अगर जांच में शिक्षकों द्वारा गलत जानकारी देना पाया गया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 सितंबर- 2024

गलत दिशा में बढ़ता समाज

कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ की गई बर्बरता और हत्या के बीच महिला अपराध को लेकर जो रिपोर्ट सामने आई है, वह बेहद चौंकाने वाली है। कोलकाता के साथ ही अन्य राज्यों में भी यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर जनाक्रोश बढ़ रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारा समाज किस तरह गलत दिशा की ओर बढ़ता जा रहा है। इस बीच नई रिपोर्ट में रेप/ गैंगरेप के बाद हत्या के मामलों पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इस श्रेणी के तहत 2017 और 2022 के बीच 1,551 मामले दर्ज किए गए। यानी देश में छः साल के दौरान हर सप्ताह रेप के बाद हत्या के 5 मामले रोज घटित हुए। 2018 में सबसे अधिक 294 बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के मामले यूपी में दर्ज किए गए। साल 2020 में सबसे कम 219 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2017 में 223 थी। साल 2019 में 283 रेप/गैंगरेप के बाद हत्या के मामले दर्ज किए गए। साल 2021 में ऐसे मामलों की संख्या 284 रहीं। वहीं, साल 2022 में 248 ऐसे केस दर्ज किए गए। छह वर्षों के राज्यवार आंकड़ों से पता चला कि यूपी ने सबसे अधिक मामले (280) दर्ज किए। इसके बाद मध्य प्रदेश (207), असम (205), महाराष्ट्र (155) और कर्नाटक (79) का स्थान रहा। नॉन-प्रॉफिट कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव की तरफ से किए गए विश्लेषण ने बताया कि कुल 1,551 मामलों को देखते हुए, यह प्रति वर्ष औसतन 258 से थोड़ा अधिक मामलों को दर्शाता है। इस तरह औसतन बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के लगभग पांच मामले (4.9) हर सप्ताह 2017-2022 के बीच दर्ज किए गए थे। एनसीआरबी ने 'क्राइम इन इंडिया' 2017 से बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या के बारे में आंकड़े एक अलग श्रेणी के रूप में रिपोर्ट करना शुरू किया है। परिणामों की बात करें तो 308 मामलों में से दो-तिहाई (65%) मामलों (200) में दोषसिद्धि हुई। एक तिहाई से अधिक मामलों में, परिणाम बरी (6%) या आरोपी के बरी होने (28%) में से एक था। दोषसिद्धि की दर 2017 में सबसे कम (57.89%) थी। 2021 में सबसे अधिक (75%) और 2022 में 69% थी। एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चला कि स्टडी के दौरान ट्रायल कोर्ट के समक्ष बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के मामलों की संख्या साल दर साल बढ़ी। सीएचआरआई निदेशक वेंकटेश नायक के अनुसार यह बेहद चिंताजनक है कि बड़ी संख्या में मामलों में, पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद चार्जशीट के बजाय अंतिम रिपोर्ट दर्ज की। बलात्कार के साथ हत्या के 140 मामले छह वर्षों की अवधि के दौरान अंतिम रिपोर्ट के साथ बंद कर दिए गए थे। इनमें से 97 को अपर्याप्त साक्ष्य के कारण आरोपी को बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के लिए मुकदमा चलाने के लिए बंद कर दिया गया था। एनसीआरबी इस डेटा को उन मामलों के संबंध में कैप्चर करता है जहां पुलिस जांच आरोपी को मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं जुटा पाई या जहां आरोपी का पता नहीं चला, या शिकायत झूठी पाई गई। इसके अलावा जहां मामला तथ्य या कानून की गलती के रूप में समाप्त हो गया या मुद्दा सिविल डिस्प्यूट के नेचर का था। स्टडी के तहत 6 वर्षों में से चार में, कोरोना महामारी वर्षों के दौरान भी चार्जशीटिंग की दर 90% से अधिक थी। सफलता दर 2018 (87%) और हाल ही में 2022 (85%) में 90% से नीचे गिर गई। हालांकि, निष्कर्षों से यह भी पता चलता है कि पुलिस इस अवधि के दौरान बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के 32-49% मामलों में जांच पूरी नहीं कर पाई है। इन आंकडों से पता चलता है कि हमारा समाज किस तरह अंधेरे कुएं में गिरता जा रहा है।

भेड़िया उवाच

डॉ प्रदीप उपाध्याय

तुम कहते हो कि भेड़ियों तुम आदमखोर क्यूं होते जा रहे हो !क्या तुम्हें नहीं मालूम !यह कोई राज की बात है भी नहीं. जब भी कोई हमारे अधिकार क्षेत्र में अनाधिकृत चेष्टा करता है तो हम खूंखार हो जाते हैं. मानव गोश्त भी हमें अच्छा लगने लगता है. हम मानव मात्र द्वारा की गई गलतियों के कारण ही आदमखोर होते जा रहे हैं. क्या तुम लोगों को इसका जरा भी भान है !मानवजाति द्वारा किए गए अपराध का बोध मुझे तो हैं लेकिन शायद तुम्हें नहीं है या तुम अंजान बने बैठे हो. हम जानते हैं कि आदमखोरी हमारी फितरत में नहीं रही है किन्तु फिर भी आखिर हम कितने दिनों तक अपने पेट की क्षुधा दबाए रख कहते हैं.जाहिर सी बात है कि हम अपने कुनबे की भूख बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं ,हमारी अपनी भूख ही तो है जो हमें नरभक्षी बना रही है और तभी तो अपनी भूख मिटाने के लिए इंसान का शिकार कर रहे है.हमें जंगल से बाहर निकलने के लिए मजबूर भी तो तुम्हीं ने किया है.जंगलों को मिटाने में तुम्हारा ही तो हाथ रहा है. यदि जंगल सिर्फ नाम के बचेंगे और खाने को कुछ नहीं होगा तब !स्वाभाविक है कि जीने के लिए कुछ तो खाना ही होगा और ईश्वर ने भी तो हमें मांसाहारी बनाया है , इसमें भला हमारा क्या दोष ! संभव है कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए ही शाकाहारी और मांसाहारी जीव-जंतु पृथ्वी पर आए हो लेकिन फिर भी एक बातों हमें संतुष्टि देती है कि हमें अपनी भूख मिटाने के लिए कभी अपने कुनबे का शिकार नहीं करना पड़ता है !हम लोग तुम मनुष्यों जैसे स्वार्थी और नीच प्रकृति के नहीं हैं जो निज स्वार्थों के लिए अपनी ही कौम के लहू के प्यासे हो जाएं. हाँ,अब जब हम आदमखोरी पर उतर आए हैं तो यह भी जानते हैं कि तुम लोग हमें छोड़ने वाले नहीं हो. हमसे ज्यादा जालिम तो तुम खुद मनुष्य ही हो.

हम खुद ही जानते हैं कि एक न एक दिन पकड़ लिए जाएंगे और हमारा क्या हश्र तुम लोग करोगे .हमें भी पीड़ा होती है, हम आदमखोर होकर बहुत व्यथित फील करते हैं. हम दिली तौर पर चाहते भी नहीं हैं कि निर्दोष और मासूम लोगों का शिकार कर अपने पेट की क्षुधा मिटाएं किन्तु हम कर भी क्या सकते हैं.हमारा आक्रोश भी तो तुम महसूस करो .तुम इस बात को स्वीकारते भी हो कि इंसान ने विकास के नाम पर जंगल के जंगल साफ कर दिए. यह देखकर कितनी पीड़ा होती है कि तुम लोगों ने अपने स्वार्थ की खातिर जंगली जानवरों के आशियाने तक मिटा दिए.जब हमें जंगल में रहने की जगह और पेट की आग मिटाने को कोई शिकार नहीं मिलेंगे तब स्वाभाविक ही है कि या तो हम अपना अस्तित्व मिटा लें या फिर जंगल से बाहर आकर अपना बदला लेने के लिए तुम आदमजात का ही शिकार कर लें.बेचारे कुत्ते भी तो हमारी तरह आदमी का शिकार करने लगे हैं।

राजनीतिक दलों ने देश को जाति और धर्म में बांट दिया है !

अशोक भाटिया

भारत देश का जन्म धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हुआ था लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेकने के लिए हमारे देश को जाति और धर्म में बांट दिया। भारत का संविधान बनाने वालों ने लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टियों के लिए कुछ निर्धारित नहीं किया जिससे इन्होंने मन माने ढंग से भारत में अपने फायदे के लिए धर्म और जाति के आधार पर पार्टि का गठन किया। भाजपा ने जहाँ हिंदु वोट बैंक का सहारा लिया , कांग्रेस ने मुस्लिम वोट बैंक का तो वहीं तथाकथित सेक्युलर पार्टियों ने लूली - लगड़ी धर्मनिरपेक्षता के आधार पर मजहबी बंटवारे को बढ़ावा दिया। वैसे जातीय और धार्मिक भावनाओं को उभारकर राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति कोई नयी बात नहीं है। संविधान लागू होने के बाद देश में पहला आम चुनाव अक्टूबर, 1951 से फरवरी, 1952 के बीच हुआ था। तब से लेकर आज तक चुनाव में किसी न किसी रूप में जाति और धर्म के आधार पर राजनीतिक गोलबंदी और ध्रुवीकरण का इतिहास रहा ही है। अब तक 18 लोक सभा चुनाव हुए हैं। । इसके अलावा राज्यों में अनगिनत विधान सभा चुनाव हुए हैं। इस समय हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में हैं। यह डिजिटल सदी है। दुनिया तकनीकी विकास के उस युग में पहुँच चुकी है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बोलबाला है। इसके विपरीत भारत में अभी भी जाति-धर्म की चाशनी में सराबोर राजनीति की धारा बह रही है। अगर हम ग़ौर से तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं के बयानों, मंसूबों और इरादों का विश्लेषण करें, तो राजनीति में जाति-धर्म की मिलावट के मोर्चे पर भारत में कुछ भी नहीं बदला है। राजनीतिक तंत्र का विकास ही उस रूप में किया गया है, जिससे आम जनता चाहकर भी जाति-धर्म के चंगुल से बाहर नहीं निकल पा रही है। सवाल उठता है कि इस परिस्थिति के लिए ज़िम्मेदार कौन है। सरल शब्दों में कहें, तो, इसके कोई एक शख़्स या कुछ व्यक्तियों का झुंड ज़िम्मेदार नहीं है। इस व्यवस्था और हालात के लिए देश के तमाम राजनीतिक दल और उनसे जुड़े नेता ज़िम्मेदार हैं। राजनीतिक दलों ने राजनीति को सिर्फ़ और सिर्फ़ सत्ता हासिल करने की महत्वाकांक्षा तक सीमित कर दिया है। इस महत्वाकांक्षा को हासिल करने में राजनीतिक दल और नेता किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। इसमें राजनीतिक दलों को जाति-धर्म का रास्ता सबसे सरल लगता है। यह स्थिति तब है, जब संवैधानिक और क़ानूनी तौर से जाति-धर्म के आधार पर सार्वजनिक रूप से वोट मांगने पर पाबंदी है। सैद्धांतिक तौर से हर दल और नेता इस तथ्य से इत्तिफ़ाक़ नहीं रखने का दावा करते आए हैं, लेकिन वास्तविकता और व्यवहार में पहले से यह होता आ रहा है। अभी भी यह प्रक्रिया बदस्तूर जारी है। जाति और धर्म किसी भी व्यक्ति को जन्मजात मिल जाता है। इसमें हासिल करने जैसा कुछ नहीं है। हम लोग बचपन से किताबों में पढ़ते आ रहे हैं कि जाति-धर्म के नाम पर राजनीति किसी भी संवैधानिक व्यवस्था में उचित नहीं है। आज़ादी के कुछ दशक तक कहा जाता था कि भारत में साक्षर लोगों की संख्या कम है। निरक्षरता की वज्ह से राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए आम लोगों को जाति और धर्म के फेर में उलझाना आसान हो जाता था। हालाँकि उस वक़्त कहा जाता था कि जैसे-जैसे देश में साक्षरता बढ़ेगी, नए-नए तकनीक का आगमन होगा।।लोगों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति की चेतना जागेगी।।वैसे-वैसे लोगों की सोच बदलेगी और फिर जाति-धर्म के आधार पर राजनीति करना मुश्किल होता जाएगा। इसे विडंबना ही कहेंगे कि साक्षरता बढ़ी, आम लोगों के जीवन में तकनीक का प्रयोग भी बढ़ा, उसके बावजूद राजनीति में जाति-धर्म का प्रभाव घटने की बजाए बढ़ गया है। पिछले एक दशक में इस प्रवृत्ति को और भी बढ़ावा मिलते दिख रहा है। कोई सैद्धांतिक तौर से इसे स्वीकार करे या नहीं करे।।यह वास्तविकता है कि पिछले एक दशक में बीजेपी की राजनीति के फलने-फूलने के पीछे एक महत्वपूर्ण फैक्टर धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण रहा है। आम लोगों में हिन्दू-मुस्लिम भावना को उकेर कर राजनीतिक स्वार्थ-सिद्धि में बीजेपी और उससे जुड़ी तमाम संस्थाओं को कामयाबी भी मिली है। पिछले एक दशक में हमने कई बार देखा और सुना है, जब बीजेपी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहचान को ओबीसी से जोड़ते हुए बयान दिया है। हालाँकि जब विपक्ष जातीय जनगणना के मसले को हवा देने लगा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह भी कहने से पीछे नहीं रहे कि देश में सिर्फ़ दो ही जाति है।।अमीर और ग़रीब। इनके अलावे भी कई सारे उदाहरण मौजूद हैं, जो बताते हैं कि बीजेपी के तमाम नेता धर्म के साथ ही जाति का ज़िक्र सार्वजनिक तौर करते रहे हैं। बीजेपी के वचर्स्व को ख़त्म करने के लिए अब कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल और उनके नेता जातिगत जनगणना को हर चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाने के प्रयास में जुटे रहते हैं। धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की काट के तौर पर विपक्षी दल जातिगत भावनाओं के आधार पर भावनाओं को बल देने में जुटे हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी जिस मुद्दे को सबसे अधिक उभार रहे थे , वो जातिगत जनगणना का ही मसला है। राहुल गांधी का कहना है कि जिस जाति की जितनी आबादी है, उस अनुपात में उस तबक़े को हर चीज़ में हिस्सा मिलनी चाहिए। राहुल गांधी हर दिन देश की जनसंख्या में अलग-अलग जातियों और तबक़ों की हिस्सेदारी से जुड़े आँकड़ों को भी बता रहे हैं। राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे नेता जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय के लिए ज़रूरी बता रहे हैं। इसे वंचितों को हक़ देने से जोड़ रहे हैं। इसे विडंबना ही कहेंगे कि कुछ साल पहले तक जातिगत जनगणना के मसले पर राहुल गांधी इस तरह से मुखर नहीं थे। आगामी लोक सभा चुनाव को देखते हुए राहुल गांधी सबसे अधिक ज़ोर इसी मुद्दे को दे रहे हैं। अमुक जाति की इतनी आबादी है, तो उस अनुपात में उस जाति को उसका हक़ क्यों नहीं मिला।।इस सवाल को राहुल गांधी बार-बार जनता के बीच उठा रहे हैं। हालाँकि एक सवाल राहुल गांधी से भी बनता है। कांग्रेस तक़रीबन 6 दशक तक केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद इस काम को क्यों नहीं कर पायी। इसके साथ ही 2011 में हुई सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना में हासिल किए गए जातिगत आँकड़ों को उस वक़्त कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार ने क्यों नहीं जारी किया। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी को जातीय जनगणना का मुद्दा उठाते हुए इन सवालों का जवाब भी जनता के सामने रखना चाहिए था । सवाल तो राहुल गांधी से यह भी बनता है कि पिछले कई साल से इस मसले पर चुप्पी साधने के बाद अचानक देश में ऐसा क्या हुआ कि उन्हें जातिगत जनगणना का मसला सबसे महत्वपूर्ण लगने लगा। आख़िर लगभग 60 साल तक देश की सत्ता पर रहने के बावजूद कांग्रेस देश में सामाजिक न्याय को व्यवहार में लागू क्यों नहीं कर पायी। वंचित तबक़े को इतने सालों में उनका हक़ क्यों नहीं दिला पाई। देश के आम लोगों और ग़रीबों के सामने और भी समस्याएं गंभीर रूप में मौजूद हैं। महंगाई, बेरोज़गारी, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा की कमी, बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भरता, सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर, शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र का प्रभुत्व जैसे कई मुद्दे हैं, जिनसे देश के हर तबक़े का वास्ता है। राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम दल इन मुद्दों को उठाते तो हैं, लेकिन इनके लिए सड़क पर लंबा संर्घष करता हुआ कोई भी विपक्षी दल और उनके नेता नज़र नहीं आते हैं।

नीतीश-नायडू के फैसलों से विपक्ष में निराशा क्यों ?

राजेश कुमार पासी

भाजपा को लोकसभा चुनाव में जब पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो इंडी गठबंधन ने खुद को जीता हुआ मान लिया था, इसलिए कांग्रेस खुशी के मारे फूले नहीं समा रही थी । कांग्रेस और उसके सहयोगी ऐसे उछल रहे थे कि जैसे उनकी सरकार बन गई है । उन्होंने भाजपा की हार घोषित कर दी थी जबकि पूरे विपक्षी दल से ज्यादा सीटें अकेली भाजपा को मिली थी । इंडी गठबंधन के लिए यही खुशी की बात थी कि भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है और वो बिना पूर्ण बहुमत के सरकार नहीं चला सकती । विपक्ष को लगा कि मोदी को गठबंधन सरकार चलाने की आदत नहीं है और उसके सहयोगी भी उसका साथ छोड़ सकते हैं । गठबंधन की सारी उम्मीदें जेडीयू और टीडीपी पर टिकी हुई थी, इसलिए विपक्ष के कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से दोनों पार्टियों के नेताओं से गठबंधन में आने की अपील की थी । नीतीश कुमार के बारे में कहा गया कि उन्हें तो गठबंधन सरकार का पीएम तक बनाने की ऑफर दे दी गई थी लेकिन नीतीश कुमार नहीं माने । विपक्ष को तब बहुत परेशानी हुई जब बिना किसी तमाशे के केन्द्र में तीसरी बार मोदी सरकार बन गई । सरकार बनने के बाद विपक्ष को उम्मीद थी कि मंत्रिमंडल के गठन में तमाशा होगा और भाजपा के सहयोगी उसे ब्लैकमेल करेंगे । नीतीश कुमार और नायडू को लेकर मीडिया में चर्चा चलने लगी कि दोनों नेता अपनी पार्टी के लिए पांच से ज्यादा कैबिनेट मंत्री पद मांग रहे हैं और नायडू लोकसभा के स्पीकर का पद भी मांग रहे हैं । विपक्ष को बहुत हैरानी हुई कि दोनों ही पार्टियों को सिर्फ एक-एक कैबिनेट मंत्री पद दिया गया और लोकसभा के स्पीकर का पद भी भाजपा के पास चला गया । मंत्रिमंडल में सभी बड़े मंत्रालय भाजपा ने अपने पास रख लिए और देश में संदेश चला गया कि मोदी सरकार की वापसी हो गई है । इन घटनाओं के बाद भी विपक्ष निराश नहीं हुआ और उसने घोषणा कर दी कि यह सरकार सिर्फ तीन महीने में गिर जायेगी । कुछ विपक्षी नेताओं का कहना था कि यह सरकार ज्यादा से ज्यादा एक साल तक ही चल सकती है, इसलिए विपक्ष को अगले चुनावों की तैयारी करनी चाहिए । अब सवाल पैदा होता है कि एनडीए के पूरी तरह एकजुट रहने और बिना किसी परेशानी के सरकार के गठन के बावजूद विपक्ष को क्यों लगता है कि सरकार जल्दी गिर जायेगी । वास्तव में विपक्ष की उम्मीद की वजह एनडीए के दो नेता हैं, पहले नीतीश कुमार और दूसरे चंद्रबाबू नायडू । दोनों ही नेता पहले भी एनडीए को छोड़कर विपक्षी गठबंधन में जा चुके हैं, इसलिए विपक्ष को पूरी उम्मीद है कि एक बार फिर दोबारा ये दोनों नेता उसके पाले में आ जायेंगे । ऐसा नहीं है कि विपक्ष हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है, वो लगातार दोनों नेताओं पर डोरे डाल रहा है कि वो उसके पाले में आ जायें । वास्तव में दोनों नेताओं की विचारधारा और नीतियां भाजपा से मिलती नहीं हैं इसलिए विपक्ष को पूरी उम्मीद है कि इन्हें एनडीए छोड़ना पड़ सकता है । विपक्ष धीरे-धीरे निराश होता जा रहा है क्योंकि नीतीश कुमार एनडीए सरकार को पूरी तरह से फ्री हैंड दे चुके हैं और वो सिर्फ बिहार की चिंता कर रहे हैं । उनके मंत्री ललन सिंह संसद में एनडीए सरकार के लिए जबरदस्त बैटिंग कर रहे हैं । ललन सिंह जब संसद में बोलते हैं तो ऐसा लगता है कि कोई भाजपा का नेता बोल रहा हो । नायडू के मंत्री ऐसे चुपचाप अपना काम कर रहे हैं, जैसे वो भाजपा के ही मंत्री हों । चंद्रबाबू नायडू ने अपनी सरकार के गठन के बाद ही एक ऐसा काम कर दिया था जिससे विपक्ष को बहुत निराशा हुई थी । चंद्रबाबू नायडू की छवि एक सेकुलर नेता की है लेकिन मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने परिवार सहित तिरुपति वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किये । वो सिर्फ दर्शन करके वापिस आ जाते तो कोई बात नहीं थी लेकिन उन्होंने दर्शन के बाद कहा कि मंदिर के प्रबंधन बोर्ड में गैर हिन्दू को चेयरमैन बनाना गलत है और यहां गोविन्दा के अलावा कोई नाम सुनाई नहीं दे सकता । उन्होंने कहा कि पवित्र तिरुमाला को अपवित्र करना सही नहीं है. जब आप यहां आते हैं तो आपको बैकुंठ की अनुभूति होती है, तिरुमाला में ओम नमो वेंकटेशाय के अलावा कोई नारा नहीं होना चाहिए । देखा जाये तो नायडू पूरी तरह से भाजपा की लाइन ले चुके थे । 29 अगस्त को चंद्रबाबू नायडू ने वो काम किया है जो अभी किसी भाजपा सरकार ने भी नहीं किया है । नायडू ने कहा है कि राज्य में मंदिरों के काम में केवल हिंदुओं को ही रखा जाएगा । राज्य के विभिन्न मंदिरों में काम कर रहे 1683 पुजारियों का वेतन दस हजार से बढ़ाकर पन्द्रह हजार कर दिया गया है ।

मंदिरों में काम करने वाले नाई ब्राह्मण के लिए न्यूनतम वेतन पच्चीस हजार कर दिया गया है । वेद विद्या प्राप्त करने वाले बेरोजगार युवाओं को भी तीन हजार रूपये मासिक भत्ता दिया जायेगा । चंद्रबाबू नायडू ने वर्तमान में अवैध रूप से कब्जा की गई 87000 एकड़ मंदिर भूमि को कानूनी रूप से वापिस लेने का फैसला किया है । उन्होंने कहा है कि राज्य में जबरन धर्म परिवर्तन नहीं होने दिया जाएगा । उन्होंने घोषणा की है कि श्रीवाणी ट्रस्ट के तहत प्रत्येक मंदिर को दस लाख रुपये दिये जायेंगे तथा आवश्यक होने पर अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी । इसके अलावा उन्होंने मंदिरों की बेहतरी के कई आदेश दिये हैं । अगर किसी को इन कार्यों के बारे में बताया जायेगा तो वो यही कहेगा कि यह काम किसी भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा किये जा रहे हैं । देखा जाये तो नायडू वो काम कर रहे हैं जो भाजपा करना चाहती है । अब आप ही सोचिए कि विपक्ष की उम्मीद इसी पर टिकी हुई है कि सेकुलर छवि वाले नायडू का भाजपा से हिन्दुत्व पर कभी भी टकराव हो सकता है लेकिन नायडू तो कुछ अलग ही कर रहे हैं । वास्तव में विपक्ष यह समझ ही नहीं पा रहा है कि मुस्लिम और ईसाई तुष्टिकरण के कारण जगन मोहन रेड्डी की बड़ी हार हुई है । नायडू ये समझ चुके हैं कि हिन्दुओं को नाराज करके राज्य में सत्ता कायम रखना मुश्किल होगा । नायडू इस बार लम्बी पारी खेलने के लिए आये हैं और वो चाहते हैं कि उनको भाजपा का साथ मिलता रहे ।

वो अपने बेटे को राजनीति में स्थापित कर रहे हैं, इसलिए उनको भाजपा का साथ चाहिए । अब विपक्ष को मान लेना चाहिए कि नायडू पांच साल तक एनडीए के साथ ही रहेंगे और इसलिए विपक्ष में निराशा फैल गई है । जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है । इसके पीछे बड़ी वजह उनके वो बयान हैं जिनसे भाजपा नाराज दिखाई दे रही थी । उन्होंने विशेष राज्य की मांग और अग्निवीर योजना पर मोदी सरकार की नीतियों के विपरीत बयान दिया था । इजराईल और हमास को लेकर दिया गया उनका बयान भी सरकार की लाईन से अलग था । इसके अलावा उन्होंने लेटरल एंट्री और आरक्षण पर मोदी सरकार की नीतियों के विपरीत बयान दिया था । उनकी जगह राजीव रंजन सिंह को राष्ट्रीय प्रवक्ता बना दिया गया है । ललन सिंह दिल्ली में जेडीयू की कमान संभाल रहे हैं और भाजपा के साथ तालमेल करके चल रहे हैं । केसी त्यागी का इस्तीफा यह संदेश है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ रिश्तों को बहुत अहमियत देते हैं और नहीं चाहते कि किसी नेता के कारण इन रिश्तों में खटास पैदा हो ।

चिराग़ पासवान : हनुमान या भस्मासुर

राजा पप्पू कुमार

बिहार विधानसभा का चुनाव अगले वर्ष संभावित है और सत्ता के शह और मात का खेल शुरू हो चुका है ।नीतीश एक बार फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपनी दावेदारी ठोक रहे है और एक तरह से तय है कि राजग की तरफ से भी उनके नाम पर रजामंदी है ।इसके उलट राजग के अंदर की स्थिति देखें तो सब कुछ सही नहीं दिखता है ।मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा गठबंधन के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी के बीच अंदरखाने खटपट शुरू हो चुकी है ।बिहार के राजनैतिक गलियारों में आजकल चिराग छाए हुए हैं और चर्चा तेज है कि मोदी के हनुमान माने जाने वाले चिराग कभी भी राजग को गच्चा दे सकते है ।दरअसल अगस्त के आखरी हफ़्तों में सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से चली कि बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल कि लोजपा के दूसरे धड़े के नेता और चिराग के चाचा पशुपति पारस से मुलाकात हुई है ।इसी एक खबर ने कई राजनैतिक अटकलबाजियो को हवा देना शुरु किया और कहा जाने लगा कि भाजपा नेतृत्व चिराग से नाराज है और पारस के बहाने उन्हें लगाम लगाना चाहता है ।इस हवा को और भी तेजी तब मिली जब अमित शाह से पारस और उनके पूर्व सांसद भतीजे प्रिंस के मुलाकात की तस्वीरें अखवारों की सुर्खियाँ बनी ।अब तो तय था कि गठबंधन में सबकुछ सही नहीं है ।जिस पारस को राजग में पांच सांसद होते हुए चिराग के विरोध के कारण लोकसभा में एक भी सीट लड़ने को नहीं मिली, उसका अमित शाह से मिलना शुभ संकेत नहीं था ।हाल के लोकसभा चुनावों में जिस तरह चिराग की लोजपा(रामविलास) को सफलता मिली है, उससे चिराग अति उत्साहित हो गए है ।कहा जाता है कि इसी कारण उनके पैर जमीन पर नहीं है और वे अपने मंत्रिपद के विभाग को लेकर भी संतुष्ट नहीं हैं और इसलिए उन्होंने दबाव की राजनीति शुरू की है और अपने पापा की तरह नए मौसम वैज्ञानिक बनना चाह रहे हैं ।कैबिनेट का हिस्सा होते हुए भी वो कई बार विपक्ष की भाषा बोलते नजर आये ।वक्फ विल पर जिस तरह का स्टैंड उन्होंने लिया वो भाजपा को रास नहीं आया ।इसके अलावा लेटरल एंट्री , अनुसूचित जाति/ जनजाति के क्रीमी लेयर और वर्गीकरण पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी पर चिराग का अपनी अलग डफली बजाना भी भाजपा को असहज कर गया।वही बिहार की राजनीती करने वाले चिराग का जातीय जनगणना पर राहुल के सुर में सुर मिलाना भी किसी को समझ में नहीं आया क्योंकि बिहार में जातीय जनगणना हो चुकी है ।ऐसे में भाजपा नेतृत्व की नजर तिरछी होनी शुरु हो गयी और आनन-फानन में बिहार भाजपा प्रमुख को पशुपति पारस से मिलने को कहा गया ।बिहार में चिराग भले ही लोकसभा में अपने पांचो प्रत्याशी जीता ले गए हो मगर केवल अपने 6% पासवान वोटों के बदौलत उनकी औकात शून्य है ।हर हाल में उन्हें किसी पार्टी की वैशाखी की जरुरत होगी और राजग गठबंधन उनके लिए सबसे मुफीद है, उन्हें इसका अंदाजा है मगर अगले विधान सभा में वेहतर मोल भाव के लिए वो ये चाल चल रहे हैं ।इन्ही घटनाक्रमों के दौरान उन्होंने अपने पार्टी का सम्मेलन झारखण्ड में किया और वहां चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया ।एक तरह से दबाव बनाते हुए उन्होंने 81 सदस्यों वाली झारखण्ड विधानसभा में 11 सीटों की मांग रख दी ।इससे भाजपा आलाकमान सचेत हो गयी और चिराग के चाचा पारस को अमित शाह ने दिल्ली बुला लिया।अमित शाह ने पारस से मुलाकात की और भाजपा ने उन्हें राजग का हिस्सा बता दिया।जिस पारस को कल तक राजग में कोई एक सीट नहीं दे रहा था ,उसे भाजपा ने झाड पोछ कर बाहर निकाला और चिराग को सन्देश दे दिया की वो ज्यादा उड़े नहीं।बिहार में जब भाजपा और चिराग के बीच नूराकुश्ती चल रही थी, तभी खबर आई कि भाजपा चिराग की पार्टी के तीन सांसदों को तोड़ रही है।खबर के पीछे कहानी ये थी कि अमित शाह के विश्वस्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय मुजफ्फरपुर में एक सम्मेलन के बाद चिराग की पार्टी के सांसद शांभवी चौधरी के साथ उनकी पार्टी के एक और सांसद वैशाली के वीणा देवी से मिले और आशंका जताई गई कि लोजपा टूट रही है।हालत इतनी गंभीर हो गयी कि चिराग को कहना पड़ा कि काठ की हांड़ी बार बार नहीं चढ़ती ।चिराग अपनी पार्टी की उस टूट का जिक्र कर रहे थे, जब उनके चाचा पारस ने उनको ही पार्टी से निकालकर दल पर कब्ज़ा कर लिया था हालाकि उस समय इस टूट के पीछे नीतीश और उनकी पार्टी का हाथ माना गया था ।वजह थी 2020 का विधान सभा चुनाव, जिसमे चिराग की पार्टी ने सीट तो एक ही जीती मगर नीतीश की पार्टी को तीसरे स्थान पर पंहुचा दिया था।इस बार कहा जा रहा है कि उनकी पार्टी में उनके बहनोई अरुण भारती को छोड़कर बाकी सांसद भाजपा में जा रहे है और भाजपा जब चाहे, इसे अंजाम दे सकती है ।वैसे भी बीणा देवी पिछली बार भी उन्हें छोड़कर पाला बदल चुकी है और जनता दल(यू) के विधान पार्षद दिनेश सिंह की पत्नी है।

आधार कार्ड बनाम इंस्टाग्राम फिल्टर्स

सुरेश मिश्रा

आधार कार्ड का फोटो—निर्मम, सजग और कठोर सत्य का प्रतिनिधित्व करता—और इंस्टाग्राम का फिल्टर फोटो, जो कि स्वयं की एक परीकथात्मक छवि है। जब इंस्टाग्राम ने फिल्टर्स का आविष्कार किया, तो उसने इतिहास के पन्नों पर लिख दिया कि अब आदमी खुद को भगवान बनाने के करीब है, क्योंकि वह अब सृष्टि कर सकता है।

आधार फोटो की क्रूर सच्चाई: आधार की फोटो देख कर ही समझ में आ जाता है कि सरकार हमें कितनी भावनाहीनता से देखती है, जैसे कि हम आँकड़े हों, न कि इंसान। अक्सर सरकारी इमारतों के मंद प्रकाश में खींची गई यह छवि निष्ठुर रूप से स्पष्ट होती है, आपको आपकी पूरी 'महिमा' में दिखाती है—या फिर उसकी कमी को। यह चेहरा अगर राजनीति में चला जाए, तो उसका करियर तय है। **इंस्टाग्राम फिल्टर्स की काल्पनिक दुनिया:**इंस्टाग्राम पर चमकते चेहरे देखकर लगता है, ये लोग किसी और ग्रह से आए हैं, जहाँ पर धूप भी फिल्टर्ड होती है।

एक स्वाइप के साथ, यह आपकी त्वचा को पोर्सिलेन की तरह चिकना कर जब आधार और इंस्टाग्राम की तस्वीरें एक दूसरे को देखती हैं, तो दोनों को ही शक होता है कि असली कौन है। विरोधाभास सिर्फ स्पष्ट नहीं है; यह लगभग हास्यास्पद है। ऐसा लगता है मानो एक तरफ खड़ा व्यक्ति अपनी ही सजावटी मूर्ति के सामने खड़ा हो। हम जिस तरह से अपने आप को डिजिटली पेश करते हैं, उसे देख कर लगता है जैसे हम सब एक अदृश्य थियेटर में अभिनय कर रहे हों। फिल्टर की गई तस्वीरें सिर्फ छवियाँ नहीं हैं; वे हमारे महत्वाकांक्षी अवतार हैं, जो दर्शाते हैं कि दुनिया हमें कैसे देखती है, और हम कैसे दिखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर तालियाँ बजने का मतलब यह नहीं कि आपका नाटक अच्छा है, बल्कि यह कि आपका मेकअप अच्छा है।वे कहते हैं, 'क्या खूबसूरत तस्वीर है!', और आप सोचते हैं, 'काश, मेरा असली चेहरा भी ऐसा होता।' हम डिजिटल दुनिया में इतने अकेले हैं कि फिल्टर हमारे सबसे अच्छे दोस्त बन गए हैं।मान्यता की यह चीख नहीं कि 'मुझे देखो', बल्कि 'मुझे पहचानो'। आधार और इंस्टाग्राम की दुनिया में, हम अपनी दोहरी पहचानों के साथ जीते हैं, एक जो सच्चाई है और दूसरी जो कल्पना। शायद यह समय है कि हम उस असली चेहरे का जश्न मनाएं जो हमें दर्पण में दिखता है, न कि स्क्रीन पर।

ओम गणपति देवायः नमः

पहली बार गणपति बप्पा का कर रहे स्थापना तो रखें इन बातों का ध्यान

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह सनातन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस माह में कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं, जिनमें गणेश चतुर्थी का पर्व विशेष महत्व रखता है। गणेश चतुर्थी, जो हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है, इस वर्ष 7 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन लोग अपने घरों में भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना करते हैं और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। यह पर्व गणेश उत्सव के 10 दिनों की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिसे गणपति भक्त बड़े धूमधाम से मनाते हैं।

अगर आप भी पहली बार अपने घर में भगवान गणेश की स्थापना कर रहे हैं, तो इस प्रक्रिया के कुछ सही तरीके जानना महत्वपूर्ण है। अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम ने भगवान गणेश की स्थापना से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं:

गणेश प्रतिमा का चयन: जब आप गणेश चतुर्थी के लिए भगवान गणेश की प्रतिमा का चयन कर रहे हों, तो ध्यान दें कि गणेशजी की सूंड बाईं ओर झुकी होनी चाहिए। इस प्रकार की प्रतिमा को घर में लाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके अलावा, घर में बैठी हुई गणेश प्रतिमा लाना सुख और समृद्धि का प्रतीक होता है।

प्रतिमा का स्वरूप: गणेश प्रतिमा की खरीदारी के समय यह सुनिश्चित करें कि प्रतिमा का एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में हो और दूसरा हाथ मोदक पकड़े हुए हो।

स्थापना की दिशा: भगवान गणेश की स्थापना करते समय प्रतिमा को ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में रखें और प्रतिमा का मुख उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। इसके लिए एक साफ चौकी का चयन करें, उस पर एक वस्त्र बिछाएं, और फिर प्रतिमा को स्थापित करें।

पूजा की विधि: गणेश प्रतिमा को स्थापित करने के बाद, शुद्ध गंगाजल छिड़कें, और प्रतिमा पर अक्षत अर्पित करें। भगवान गणेश के साथ-साथ रिद्धि और सिद्धि की भी स्थापना करना ना भूलें। प्रतिमा के दाएं ओर एक कलश में जल भरकर रखें। फिर हाथ में फूल और अक्षत लेकर भगवान गणेश की पूजा करें।

भोग और आराधना: पूजा के दौरान भगवान गणेश को फल, फूल, और मिठाई का भोग लगाएं। खास ध्यान दें कि गणेशजी को मोदक विशेष प्रिय है, इसलिए भोग में मोदक अवश्य शामिल करें। अंत में, भगवान गणेश के अमोघ मंत्र का जाप करें और फिर आरती करके पूजा संपन्न करें।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की विधिपूर्वक स्थापना और पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है।

घर पर ही कैसे बना सकते हैं मिट्टी की गणेश प्रतिमा

- सबसे पहले गिली मिट्टी से 5 समान गोले बनाएं।
- मिट्टी के एक गोले से गणेश के लिए आसन बनाएं। ये गोल रोटी की तरह हो सकता है।
- आसन के ऊपर गणेश जी का पेट बनाने के लिए दूसरा गोला रखें।
- इसके बाद तीसरे गोले से गणेश जी के दो पैर और दो हाथ बनाएं।
- मिट्टी को पैरों की तरह और हाथों की तरह लंबाई में शेप दें। पैरों को गणेश जी के पेट के पास लगाएं। दोनों हाथों को मिट्टी के गोले के ऊपर लगाएं। हाथ पैरों से थोड़े पतले बनाएं।
- एक गोले से गणेश जी का सिर और सूंड बनाएं। गणेश जी के पेट के ऊपर सिर का हिस्सा लगाएं।
- इसके बाद बची हुई मिट्टी से कान, लड्डू, दांत, आंखें और मुकुट बनाएं।
- प्रतिमा तैयार होने के बाद इसे धूप में सुखाने के लिए रख दें। सूखने के बाद मनचाहा रंग करें।

शनिवार, 7 सितंबर से गणेश उत्सव शुरू हो रहा है। ये उत्सव 17 सितंबर तक रहेगा। माना जाता है कि भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पर गणेश जी प्रकट हुए थे। इसी वजह से हर साल इस तिथि पर घर-घर में गणेश जी प्रतिमा स्थापित की जाती है और अनंत चतुर्दशी तक विशेष पूजा की जाती है। घर में स्थापित करने के लिए मिट्टी की प्रतिमा सबसे अच्छी रहती है। पीओपी की प्रतिमा स्थापित करने से बचना चाहिए।

अभी गणेश उत्सव शुरू होने में कुछ दिन शेष हैं, ऐसे में भगवान की प्रतिमा उत्सव शुरू होने से कुछ दिन पहले बना लेंगे तो उसे सूखने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। प्रतिमा सूख जाएगी तो उसे मनचाहे रंगों से सजा सकेंगे।

जानिए घर पर ही गणेश जी की प्रतिमा बनाने की सरल विधि...

गणेश जी स्थापित करते समय इन बातों का ध्यान रखें

गणेश प्रतिमा को पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करना चाहिए। दक्षिण और दक्षिण पश्चिम दिशा गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करने से बचें। घर में गणेश जी की प्रतिमा को ऐसी जगह स्थापित न करें, जहां से भगवान की पीठ के दर्शन होते हैं। मान्यता है कि गणेश जी की पीठ पर दरिद्रता वास करती है, जो लोग भगवान की पीठ के दर्शन करते हैं, उन्हें दरिद्रता का सामना करना पड़ सकता है। घर में गणेश जी की बाएं हाथ की ओर सूंड वाली मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। माना जाता है कि सीधे हाथ की ओर सूंड वाले गणेश जी देर से प्रसन्न होते हैं।

घर में मिट्टी से बनी प्रतिमा ही स्थापित करनी चाहिए। दस दिनों के बाद अनंद चतुर्दशी पर गणेश जी की प्रतिमा घर में ही विसर्जित करें।

घर का करा रहे हैं निर्माण? तो इन 5 बातों का जरूर रखें ध्यान

आजकल लोग घर बनाते समय गुणवत्ता का विशेष ध्यान रख रहे हैं। साथ ही घर को नक्से के अनुरूप बना रहे हैं। इसके बाद भी घर बनाने में कुछ गलतियां हो रही हैं। क्योंकि, कई बार लोग मुख्य द्वार का ही वास्तु गलत कर देते हैं। इससे घर में नकारात्मक शक्तियों का वास होने का अंदेशा बना रहता है। यही नहीं, घर का वास्तु ठीक न होने से क्लेश, बीमारियां और कर्जा आदि भी बढ़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि, मुख्य द्वार से जुड़ी कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें। ऐसा करने से घर में खुशहाली रहती है।

तीर्थनगरी सोरों के ज्योतिषाचार्य डॉ। गौरव कुमार दीक्षित के मुताबिक, घर में जब इंसान प्रवेश करता है तो उसको मुख्य द्वार से ही अंदर प्रवेश करना होता है, मुख्य द्वार घर, ऑफिस, होटल, फैक्ट्री, गोदाम और अस्पताल किसी का भी हो सकता है। सबसे जरुरी है घर के मुख्य द्वार का वास्तु के हिसाब से सही होना। आइए जानते हैं कि घर बनवाते समय कैसा हो घर का वास्तु-

मुख्य द्वार के लिए सही दिशाः एक्सपर्ट के अनुसार, घर बनवाते समय दिशा का ध्यान जरूर रखें। इसके लिए बेहतर होगा कि मुख्य द्वार की दिशा ईशान कोण, उत्तर, पूर्व या पश्चिम की ओर हो। ऐसा करने से घर में लोगों को स्वास्थ्य और धन संबंधी समस्या से निजात मिल सकती है।

साफ-सुथरा हो मुख्य द्वारः मुख्य द्वार केवल प्रवेश द्वार नहीं है वह घर में ऊर्जा एवं खुशियों का भी प्रवेश द्वार है। घर के अंदर किस तरह का वातावरण रहेगा यह सब सब मुख्य द्वार पर ही निर्भर करता है। ऐसी स्थिति में मुख्य द्वार हमेशा साफ़-सुथरा होना चाहिए।

घर बनाते समय इन 5 विंदुओं का भी रखें ध्यान

घर का मुख्य द्वार कभी बीच में नहीं होना चाहिए।

घर के प्रवेश द्वार में पर किसी भी तरह की छाया नहीं पड़नी चाहिए, इसलिए बीच में खंभा, पेड़ या कोई ऐसी अन्य चीज मुख्य द्वार की ओर नहीं होना चाहिए।

मुख्य द्वार कभी सीधे ज़मीन पर नहीं होना चाहिए।

मुख्य द्वार की ओर जाने वाला रास्ते में अंधेरा नहीं होना चाहिए इससे घर के अंदर लोगों के बीच तनाव रहता है।

मुख्य द्वार के सामने घर में कभी भी लिफ्ट या फिर सीढ़ी नहीं होनी चाहिए।

इमली के पेड़ से प्रकट हुए थे हनुमान जी, नहीं मिल पाया एक पैर

लंगड़े बाबा के नाम से हैं फेमस

कहते हैं कि मानो तो देव नहीं तो पत्थर...कुछ ऐसे ही मान्यताएं हमारे आसपास समाज में प्रचलित हो जाती है, जिसमें लोगों की गहरी आस्था जुड़ जाती है। आज हम कुछ ऐसी ही एक मान्यता बताने वाले हैं, जो उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में प्रभु हनुमान जी से जुड़ी हुई है। दरअसल सुल्तानपुर जिले के रायबरेली रोड पर धम्मौर गांव में एक हनुमानगढ़ी धाम स्थित है, जहां लोगों की मान्यता है कि इस धाम में पहले एक इमली का पेड़ हुआ करता था और उसी इमली के पेड़ से हनुमान जी प्रकट हुए थे। इसीलिए इस धाम को अत्यंत प्रसिद्धि प्राप्त हुई और लोगों की आस्था जुड़ती चली गई।

आज तक नहीं मिल सका एक पैर

आज से 300 वर्ष पहले जब इस स्थल के बारे में लोगों को पता चला और महंतों द्वारा इसकी खुदाई करवाई गई तो इमली के पेड़ से सटी हुई हनुमानजी की एक मूर्ति मिली, लेकिन उस मूर्ति में हनुमानजी का एक पैर गायब था। जिसको लेकर महंतों ने उस जगह पर लगभग 30 फुट और खुदाई करवाई, लेकिन फिर भी एक पैर न मिल सका, जिस वजह से लोग इनको लंगड़े बाबा कहने लगे।

चढ़ता है विशेष प्रसाद

इस हनुमान गढ़ी धाम में हनुमान जी को गेंहू, गुड़, धनिया विशेष प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस प्रसाद को चढ़ाने से लगड़े बाबा यानी कि हनुमान जी अत्यंत प्रसन्न होते हैं और लोगों की सारी मन्नतें पूरा करते हैं। जिससे लोगों की श्रद्धा और अधिक बढ़ जाती है।

इस दिन होती है हजारों की भीड़

वैसे तो प्रत्येक मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं, लेकिन भाद्रपद माह के अंतिम मंगलवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं और इस दिन हनुमान जी को विशेष स्नान करवाकर भव्य चोला पहनाया जाता है और श्रृंगार किया जाता है।

कर्ज से बचने करें ये काम

नाराज हो जाती हैं मां लक्ष्मी

तुलसी के पत्तों को भूलकर भी शाम के समय नहीं तोड़ना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। पूजा के लिए सुबह ही पत्ते तोड़कर रख लें। शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है।

दरिद्रता का होता है वास

शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय घर की साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए। भूलकर भी घर का कूड़ा शाम को बाहर नहीं फेकना चाहिए। ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाएगी। साथ ही घर में दरिद्रता का वास होने से आप पर कर्ज बढ़ सकता है।

भगवान की नहीं होती कृपा

शाम के समय कभी भी नहीं सोना चाहिए, ऐसा करने से पाप लगता है। सुबह और शाम का समय पूजा-ध्यान करने का है। जो लोग इस समय सोते हैं, उन पर भगवान की कृपा नहीं रहती है। हां, बीमार लोग और बच्चे इस नियम से बाहर होते हैं।

इस दिन करें धन का लेन-देन

धन से संबंधित कोई भी कार्य करना हो तो आप सोमवार या बुधवार को करें। इन दिनों में किया गया धन का लेन-देने फायदेमंद माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से कर्जा धीरे-धीरे खत्म होने लगता है।

इस दिन करें व्रत

लक्ष्मी माता को प्रसन्न करने के लिए सुहागिन महिलाओं को गुरुवार का व्रत करने से लाभ होता है। इस दिन किसी गरीब महिला को सुहाग की सामग्री दान देने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ऐसा करने से आपके जीवन की सभी समस्याएं धीरे-धीरे खत्म होने लग जाएंगी।

यूपी का अनोखा मंदिर! जहां आने जाने का है एक रास्ता

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में कुड़ारी का मंदिर है। यह मंदिर काफी प्राचीन माना जाता है। यह मंदिर मां कुंड वासिनी धाम कुड़ारी के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां पर कुंड की पूजा की जाती है। साथ ही मां कुंड वासिनी मंदिर में स्थापित माता कुंड वासनी की पूजा की जाती है।

बता दें कि कुरारी मंदिर मध्य प्रदेश के लम सरई और उत्तर प्रदेश के निवारी ग्राम के बीच में सोन नदी के किनारे मां कुंड वासिनी धाम कुरारी के नाम से प्रसिद्ध है। नदी के किनारे स्थित माता कुंड वासनी का यह मंदिर हजारों साल पुराना है और यहां पर कई शुभ अवसरों पर मां कुंड वासिनी धाम में मेला का आयोजन किया जाता है।

सोन नदी के किनारे स्थित है मंदिर

स्थानीय लोगों का मानना है कि वर्तमान में जहां पर कुड़ारी का मंदिर है। वहां पर सोन नदी का किनारा है। मान्यता है कि मंदिर के पूर्व दिशा में 200 मीटर की दूरी पर माता कुंड वासनी सैकड़ों वर्ष पहले प्रकट हुई थी। जहां माता कुंड वासनी के पत्थर की मूर्ति स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया और उसे एक जगह पर लाकर स्थापित कर दिया गया। उसी जगह को कुरारी धाम या मां कुंड वासिनी मंदिर कुरारी के नाम से जाना जाता है।

जानें मंदिर का इतिहास

कुरारी मंदिर के इतिहास के बारे में यहां के स्थानीय लोगों को ज्यादा कुछ पता नहीं है, लेकिन उनके बुजुर्ग यह बताए थे कि माता कुंड वासनी की मूर्ति मिलने के बाद यहां पर लाकर एक पेड़ के नीचे रख दी गई थी। इसके बाद इतिहास में पुराने वीर व्यक्तियों द्वारा कुरारी का मंदिर निर्माण किया गया और यह सोनभद्र जिले का और मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले का एक बेहतर आस्था का केंद्र और पर्यटक स्थल भी बन गया है।

जानें इस मंदिर की खासियत

कुरारी के मंदिर के बारे में देखा जाए तो वहां के लोग बताते हैं कि यह मंदिर कब बना इसके बारे में जानकारी बहुत कम है, लेकिन इस मंदिर की अनोखी खासियत है। माता कुंड वासिनी मंदिर के अन्दर की प्रारंभिक ऊंचाई लगभग 11 मीटर को सिर्फ एक पत्थर द्वारा बनाया गया है और मंदिर के अंदर जाने का सिर्फ एक ही द्वार है।

मंदिर में है अलौकिक शक्ति

लोगों का ऐसा कहना है कि बाहर से आए प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा इस मंदिर में एक और द्वार खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन एक मजबूत पत्थर से बना हुआ यह मंदिर का दूसरा द्वार नहीं खोला जा सका। इसे आप अलौकिक शक्ति कह सकते हैं या मंदिर के बनावट की मजबूती भी मंदिर का कुछ इस तरह है।

नदी के बाढ़ का भी नहीं पड़ता असर

वहीं, मां कुंड वासिनी धाम कुरारी के आसपास के लोगों का कहना है कि सोन नदी के किनारे बसा यह मंदिर कितनी भी तेज बाढ़ आती है, लेकिन इस मंदिर के अंदर पानी नहीं घुस पाता है। अगर इस मंदिर के उत्तर साइड में देखा जाए तो सोन नदी के उस पार सिल्पी नाम का एक गांव है, जो वर्तमान राज्यसभा सांसद राम सकल का जन्म स्थान एवं निवास स्थली है।

मंदिर में लगती है श्रद्धालुओं की भीड़

कुरारी मंदिर के आसपास हमेशा मेले का रूप देखने को मिलता है और यहां पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लोगों के आस्था का संगम देखने को मिलता है।

कुरारी मंदिर हमेशा लोगों की भीड़ अपनी आस्था के अनुसार कथा सुनने, पूजा करवाने, मन्नत पूरी करने, पर्यटन के रूप में, वीकेंड पर घूमने, मेला करने, पिकनिक मनाने इत्यादि अवसरों पर लोग इकट्ठा होते हैं।

जानें क्यों कहते हैं चमत्कारी मंदिर

लोगों का यह भी कहना है कि एक बार इस मंदिर पर आकाशी बिजली भी गिरी है। इसके बाद भी इस मंदिर पर कोई। इसलिए लोग इसे चमत्कारी मंदिर मानते हैं।

पसलियों में चोट के बाद भी सलमान खान ने फिर शुरू की 'सिकंदर' की शूटिंग

बॉलीवुड सुपरस्टार हमेशा अपने काम से जुड़ी कमिटमेंट को पूरा करते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। पसलियों में चोट के बावजूद सलमान ने अपनी अगली बड़ी फिल्म सिकंदर की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस एक्शन-एंटरटेनर में सलमान के साथ रश्मिका मंदाना भी होंगी। फिलहाल, टीम फिल्म की शूटिंग में व्यस्त है। चल रही शूटिंग के बीच, निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ सलमान खान की एक तस्वीर ऑनलाइन सामने आई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान ने पसलियों में चोट के बावजूद सिकंदर की शूटिंग फिर से शुरू करने का फैसला किया है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है। वायरल तस्वीर सलमान अपनी फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। सुपरस्टार ने काले रंग की शर्ट पहनी हुई है, जबकि साजिद ने काले रंग की टी-शर्ट पहनी हुई है। पिंकविला की रिपोर्ट में बताया गया है कि यह तस्वीर सिकंदर के सेट की है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिकंदर की टीम वर्तमान में धारावी और माटुंगा पर आधारित एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए सेट पर काम कर रही है। इस सेट को बनाने में निर्माताओं को 15 करोड़ रुपये का खर्च आया। इससे यह भी पता चलता है कि सलमान अपनी पसलियों की चोट के बावजूद, पूरी सावधानी से प्रदर्शन करने में कामयाब रहे हैं। यह शेड्यूल 45 दिनों तक चलने की उम्मीद है। उसके बाद क्रू अगले चरण के उत्पादन के लिए हैदराबाद के एक महल में शूटिंग करने जाएगा।

इस साल मई में रश्मिका मंदाना ने एआर मुरुगादॉस की फिल्म सिकंदर का हिस्सा बनने की पुष्टि की थी। अभिनेत्री पहली बार सुपरस्टार सलमान खान के साथ काम करेंगी। अपने एक्स अकाउंट पर आधिकारिक अपडेट साझा करते हुए रश्मिका ने लिखा था, 'आप लोग मुझसे लंबे समय से अगले अपडेट के बारे में पूछ रहे थे, और यह रहा, सरप्राइज, मैं सिकंदर का हिस्सा बनकर वास्तव में आभारी और सम्मानित महसूस कर रही हूं।'

फिल्म में खलनायक की भूमिका बाहुबली फेम अभिनेता सत्यराज ने निभाई है। बॉलीवुड के भाईजान अपना सारा समय और ध्यान सिकंदर पर केंद्रित करना चाहते हैं। यह फिल्म 2025 की ईद के मौके पर सिनेमाघरों में आने वाली है, इसलिए सलमान खान ने पिछले दो महीनों में कई अन्य प्रोजेक्ट्स को अलविदा कह दिया है। फिल्म में सलमान भारी भरकम एक्शन सीक्वेंस भी शूट करने वाले हैं।

जेल जाने पर छलका रिया चक्रवर्ती का दर्द

पेरेंट्स घर में दोस्तों के साथ रोज करते थे शराब पार्टी जेल से निकलकर किया था जमकर गुस्सा

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती और उनके भाई को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया है कि जब वो जेल में थीं, तब उनके दोस्त रोजाना उनके पेरेंट्स के साथ मिलकर शराब पीते थे। जब जेल से निकलकर उन्हें इसकी जानकारी मिली तो वो काफी भड़क गई थीं। एक्ट्रेस ने बातचीत में ये भी कहा है कि जेल जाने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके सच्चे दोस्त कौन हैं।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में रिया चक्रवर्ती ने अपने बुरे दौर में मिले दोस्तों के सपोर्ट पर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा है, मेरे बुरे समय में मेरे दोस्तों ने बेहतरीन भूमिका निभाई है। जब मैं जेल में थी, तो उन्होंने मेरे पेरेंट्स का काफी ख्याल रखा। मेरे फ्रेंड्स, जो कपल थे, वो रोज मेरे घर जाते थे और मेरे पेरेंट्स के साथ खाना खाते और शराब पीते थे।

आगे एक्ट्रेस ने कहा है, जब मैं जेल से बाहर आई, तो मैंने उन्हें देखते ही पूछा कि आप लोगों का इतना वजन कैसे बढ़ गया है। मैंने उनसे कहा था कमीनों मैं वहां जेल में हूं और तुम लोग यहां खाना खा रहे हो और वजन बढ़ा रहे हो। तो वो जवाब देते थे कि हम तो अंकल आंटी को खिलाने-पिलाने के लिए उनके साथ खाते-पीते थे। जिससे वो नॉर्मल महसूस कर सकें।

जेल से निकलने के एक्सपीरियंस पर बोलीं- वो बहुत अजीब दिन था

एक्ट्रेस ने बातचीत में जेल से बाहर आने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया है। उन्होंने कहा है, वो बहुत अजीब दिन था। हम खुश थे, लेकिन टूटे हुए थे। हम पहले जैसे नहीं थे। हमारे अंदर डर था। मेरा भाई सिर्फ 24 साल का था, जब वो जेल गया। उसके CAT में 96 पर्सेंट आए थे। उसे आईआईएम में एडमिशन मिला था, लेकिन उसी साल उसे जेल जाना पड़ा। ये उसकी लाइफ जर्नी होने वाली थी। वो तीन महीने जेल में रहकर घर आया था। ये बहुत अलग था। लेकिन हम अब भी आशा करने की हिम्मत रखते हैं। हमें अब भी विश्वास है कि हम एक दिन नॉर्मल हो जाएंगे।

बताते चलें कि 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत ने अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

सुशांत रिया चक्रवर्ती के साथ रिलेशनशिप में थे, जो मौत से चंद दिनों पहले ही उनका फ्लैट छोड़कर गई थीं। जांच में रिया चक्रवर्ती का नाम भी शामिल था। ड्रग पैडलर्स से संपर्क में रहने पर रिया को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा था।

हनी सिंह को अपने ही गानों पर अफसोस, कहा- ब्लू है पानी पानी...लुंगी डांस, ये क्या बकवास गाना है

यो यो हनी सिंह ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में अपने ही गानों पर पछातावा जताया है। उन्होंने दिल खोलकर अपने उन गानों को बकवास बताया है जिससे आज भी उन्हें पैसे मिल रहे हैं। उन्होंने कहा- आज ब्लू है पानी पानी और दिल भी सानी सानी, ये कोई गाना है, ये क्या गाना है बकवास।

यो यो हनी सिंह के गानों पर लोग पूरी-पूरी रात पार्टी किया करते हैं। उनकी लाइफ और करियर में खूब उथल-पुथल रही और लंबे समय तक वह गानों से दूर भी रहे लेकिन इस दूरी ने दर्शकों के दिलों में कोई गैप नहीं बनने दिया। उनके गाने पर फैन्स की दीवानगी तब भी थी और आज भी है। हालांकि, हनी सिंह आज जब पलटकर अपने पुराने हिट सॉन्ग की तरफ देखते हैं तो उन्हें अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि उनके जो गाने इतने पॉप्युलर हुए, उन्हें सुनकर आज उनको हंसी आती है।

हनी सिंह ने कहा कि उनके उन गानों में कोई तुक नहीं था, फिर भी लोग उन गानों को इंजॉय करते थे। उन्होंने बताया कि दो घंटे में म्यूजिक और रिकॉर्डिंग के साथ पूरा गाना तैयार कर दिया था। सिंगर ने कहा, 'सबसे स्टूपिड सॉन्ग जो मैंने अब तक लिखा वो है ब्लू है पानी पानी, ये कोई गाना है... आज ब्लू है पानी पानी और दिल भी सानी सानी, ये कोई गाना है, ये क्या गाना है बकवास। सच्ची बताऊं, सारे गाने देखो, तुक है कुछ? कोई सिर-पैर है?'

'मैं हंसता हूं अपने आप पर कि लोग अभी भी पागल हैं'

उन्होंने आगे कहा, 'लुंगी डांस लुंगी डांस...क्या है ये, पता नहीं... पार्टी ऑल नाइट, ऐसे ही पता नहीं क्या कर रहा था, लोग पता नहीं क्यों सिर पर बिठा रहे थे। मुझे उन गानों पर परफॉर्म करना पड़ता है और मैं हंसता हूं अपने आप पर कि लोग अभी भी पागल हैं, नाच रहे हैं अभी भी। मुझे आज भी इन गानों से रेवेन्यू आता है क्योंकि आज भी ये गाने बज रहे हैं। बस साउंड अच्छा था और बातें नई थी, बेतुकी बातें थी, क्विर्की सा कुछ सुनने को मिला।'

हनी सिंह का नया ऐल्बम 'ग्लोरी'

बताते चलें कि हनी सिंह इन दिनों अपने नए ऐल्बम 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस ऐल्बम में कुल 18 गाने हैं और ये सिंगर के करियर का चौथा ऐल्बम है। इस ऐल्बम को टी-सीरीज़ ने अपने यूट्यूब चैनल पर रिली किया है।

'ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के लिए विजय को 150 करोड़ फीस मिली

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गोटः ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। फिल्म के बारे में दर्शकों को आए दिन नई जानकारियां मिल रही हैं, जो उनका उत्साह बढ़ा रही है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया था, जिस पर प्रशंसकों ने खूब प्यार बरसाया। वहीं, अब अभिनेता की फीस को लेकर नई जानकारी सामने आई है। निर्माता ने खुलासा कर दिया है कि आखिरकार विजय को फिल्म के लिए कितनी फीस मिली है।

फिल्म में विजय ने दोहरी भूमिका निभाई है। वे फिल्म में एक विशेष आतंकवाद विरोधी दस्ते का पूर्व नेता हैं। वे अपने दस्ते के सदस्यों के साथ मिलकर उनके अतीत की समस्याओं का समाधान करते हैं, जो वर्तमान को प्रभावित कर रही हैं। इससे पहले विजय को फिल्म में उनकी दोहरी भूमिका के लिए 150 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने की खबरें आई थीं। वहीं, अब निर्माता अर्चना कल्पथी ने फिल्म के लिए अभिनेता की असल फीस का खुलासा किया।

सन ऑफ सरदार 2 में साथ दिखेंगे रवि किशन-संजय दत्त : दोनों डॉन का रोल प्ले करेंगे

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' पहले पार्ट से कनेक्टेड नहीं है। इस पार्ट में पूरी तरह एक अलग कहानी देखने को मिलेगी। फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों ने इसका खुलासा किया है।सूत्र के मुताबिक, यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। इसमें बिहार और पंजाब के डॉन के बीच गैंगवॉर का प्लॉट है। बिहारी डॉन के रोल में रवि किशन और संजय मिश्रा हैं।

सूत्र ने यह भी खुलासा किया है कि संजय दत्त को पहले जिस रोल में कास्ट किया गया था, वो किरदार अब रवि किशन करेंगे। दरअसल यूके का वीजा न मिलने पर संजय बाहर जाकर शूट नहीं कर सकते थे। हालांकि संजय दत्त अभी भी किसी विलेन के रोल में ही हैं, जिसकी शूटिंग उन्होंने पंजाब में की है। वहीं जिस रोल के लिए पहले रवि किशन को कास्ट किया गया था, उसके लिए बाद में विजय राज को चुना गया था। हालांकि जब विजय राज भी इस फिल्म से हट गए तो उनका रोल संजय मिश्रा को दे दिया गया। फिल्म में संजय मिश्रा का किरदार दिलचस्प होने वाला है। मिली जानकारी के मुताबिक, संजय मिश्रा वाला किरदार भी ठेठ बिहारी है, जो पहले पंजाब और फिर इंग्लैंड जाकर डॉन बना है।

फिल्म के अहम हिस्से की शूटिंग हो चुकी है

लंदन बेस्ड एक सूत्र ने भी कहा- संजय दत्त शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थे। उनकी फिल्म छोड़ने की बात सिर्फ अफवाह थी। दरअसल, तकनीकी वजहों के चलते उन्हें इंग्लैंड जाने की वीजा नहीं मिल सका। इस कारण वे अजय देवगन के साथ पहला शेड्यूल शूट एडिनबर्ग में नहीं कर सके। ऐसे में उस किरदार को रवि किशन ने अजय के साथ शूट किया। इस तरह क्रिएटिव टीम ने किरदारों और कलाकारों की अदला बदली कर डैमेज को कंट्रोल किया। टीम ने एडिनबर्ग और ग्लासगो में 40 दिन रहकर फिल्म के सबसे अहम हिस्सों को शूट कर लिया है। यूके में शूटिंग के बाद 6 सितंबर से मुंबई में टीम 2 हफ्ते और शूट करेगी। मुंबई में उन्हीं सीन्स की शूटिंग होनी है जो एडिनबर्ग और ग्लासगो में नहीं हो पाई थी। दरअसल कई फेस्टिवल्स के चलते

लंदन और आसपास की जगहों पर होटल्स में बुकिंग कई गुना ज्यादा कीमतों पर हो रही थी। इस कारण फिल्म का बजट भी प्रभावित हो रहा था। इसी के चलते मेकर्स ने मुंबई में ही शूट करना बेहतर समझा।

फिल्म में लीड एक्ट्रेस रोल में मृणाल ठाकुर दिखेंगी

फिल्म में शरद सक्सेना को भी कास्ट किया गया है। वह रवि किशन के पिता के रोल में हैं। मृणाल ठाकुर मेन लीड हीरोइन हैं। पार्ट वन में जहां सोनाक्षी सिन्हा संजय दत्त की बहन बनी थीं, वैसा यहां मृणाल ठाकुर के साथ नहीं है। वे संजय दत्त या रवि किशन में से किसी की बहन नहीं हैं। उनका इंडिपेंडेंट किरदार है, जो डांस ट्रूप चलाता है। इसी रिलेवेंसी में एडिनबर्ग में एक सॉन्ग भी शूट किया गया है। इस सॉन्ग को 100 डांसर्स के साथ शूट किया गया।

एक्टर या पॉलिटिशन, किसकी दुल्हनिया बनेंगी कंगना रनौत?

'लोगों ने इतना बदनाम कर रखा है कि शादी नहीं होने देते' कंगना

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। वो अक्सर किसी ना किसी मुद्दे पर मुखर होकर अपनी राय रखती हैं। कई बार इसकी वजह से उन्हें ट्रोल्स का भी सामना करना पड़ता है। अब इन दिनों एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। ट्रेलर रिलीज के बाद से ही उनकी फिल्म विवादों में घिरी हुई है। लोग फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

विवादों की वजह से मूवी को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट भी नहीं मिल पाया है। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने विवादों से अपनी निजी जिंदगी पर होने वाले असर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि लोगों ने इस कदर बदनाम कर रखा है कि शादी ही नहीं होने देते। चलिए बताते हैं एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा है।

दरअसल, कंगना रनौत ने हाल ही में रजत शर्मा के शो में शिरकत की थी। इस दौरान एक्ट्रेस ने प्रोफेशनल से पर्सनल लाइफ तक को लेकर बात की। उन्होंने किसान आंदोलन समेत कई मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। इसी बीच उनसे सवाल किया गया कि वो एक्टर या पॉलिटिशयन किससे शादी करने वाली हैं? इस सवाल का जवाब भी एक्ट्रेस ने बेबाकी से दिया है। उन्होंने ब्लश करते हुए कहा कि शादी को लेकर उनके काफी अच्छे ख्याल हैं लेकिन उनका मानना है कि हर एक को कंपेनियन की जरूरत होती है। एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि उन्हें लगता है कि बच्चे होने चाहिए।

कंगना ने आगे शादी ना होने का ठिकरा लोगों और विवादों पर फोड़ा है। एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों ने उन्हें इतना बदनाम कर रखा है कि उनकी शादी होने ही नहीं देते हैं। वो कहती हैं कि उनके कोर्ट के केस इतने आ जाते हैं कि जब भी किसी के साथ उनकी बात बननी शुरू होती है तो पुलिस घर आ जाती हैं या फिर समन आ जाता है।

जब भागे ये होने वाले ससुर

इसके साथ ही कंगना रनौत ने एक किस्से का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया था कि एक बार तो होने वाले सास-ससुर उनके घर आए थे और उनके सामने समन आ गया तो फिर वो ये सब देखकर वहां से भाग गए। इसे घटना को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि ये भी एक साइड इफेक्ट है। उन्होंने क्लियर किया कि वो मजाक नहीं कर रही हैं।

टली 'इमरजेंसी' की रिलीज डेट

बहरहाल, अगर कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की बात की जाए तो इसकी रिलीज डेट टल गई है। पहले इसे 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। लेकिन, अब ये इस तारीख को रिलीज नहीं की जाएगी। इसकी वजह है फिल्म को लेकर चल रहा विवाद और सेंसर बोर्ड में अटका सर्टिफिकेशन। ऐसे में अब दर्शकों की इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो ये पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित है। इसमें आप इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले की कहानी को देखेंगे।

तेलंगाना के एक मंदिर में शादी करेंगे अदिति-सिद्धार्थ

बोलीं- सिद्धार्थ से टीनएज में भी मिलती तो उनसे प्यार हो जाता

अदिति राव हैदरी ने हिंट दी है कि तेलंगाना के एक मंदिर में वो और सिद्धार्थ सात फेरे लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कपल इसी साल शादी कर सकते हैं। वोग के साथ हालिया इंटरव्यू में जब अदिति से वेडिंग डेस्टिनेशन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'शादी वानापर्थी में 400 साल पुराने मंदिर में होगी। यह मेरे परिवार के लिए बहुत स्पेशल जगह है।'

अदिति बोलीं- सिद्धार्थ से टीनएज में मिलती तो भी उनसे प्यार हो जाता

अदिति ने सिद्धार्थ के साथ अपनी बॉन्डिंग पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'अगर हम टीनएज में भी एक-दूसरे से मिले होते तो भी हमें प्यार हो जाता। मैं बहुत ज्यादा रिश्तों में नहीं रही हूं क्योंकि जब मैं किसी को देखती हूं तो मुझे तुरंत पता चल जाता है कि क्या यह मेरा इंसान है। जब मैं सिद्दू से मिली तो मुझे यह महसूस हुआ कि वे मेरे अपने हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है। बेशक रिश्ते में एक साथ आगे बढ़ने का एक प्रोसेस होता है। लेकिन जब मैं उनसे मिली तो मेरे दिमाग में ऐसा कुछ भी नहीं चल रहा था।'

अदिति ने सिद्धार्थ के साथ अपनी पहली मुलाकात का भी किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि दोनों की पहली मुलाकात 2021 की फिल्म महा समुद्रम के सेट पर हुई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'वे अंदर आए और बोले- हैलो सुंदर लड़की। आमतौर पर जब कोई ऐसी बातें कहता है, तो यह काम नहीं करता है। लेकिन यह सच था। दिन के खत्म होने तक उन्होंने मुझे और सेट पर मौजूद लगभग सभी लोगों को हंसा दिया।' साथ काम करने की वजह से सिद्धार्थ और अदिति करीब आए गए थे। हालांकि इन्होंने अपना रिश्ता प्राइवेट ही रखा था। 2023 में दोनों ने तमिल फिल्म एनिमि के गाने पर साथ में एक रील बनाई थी, जिससे उनके रिलेशनशिप के अफवाहों ने तूल पकड़ा। इसी साल मार्च में यह अफवाह उड़ी थी कि अदिति और सिद्धार्थ ने शादी कर ली है। इस पर कपल ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्होंने सिर्फ सगाई की है। दोनों के सगाई में सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल थे।

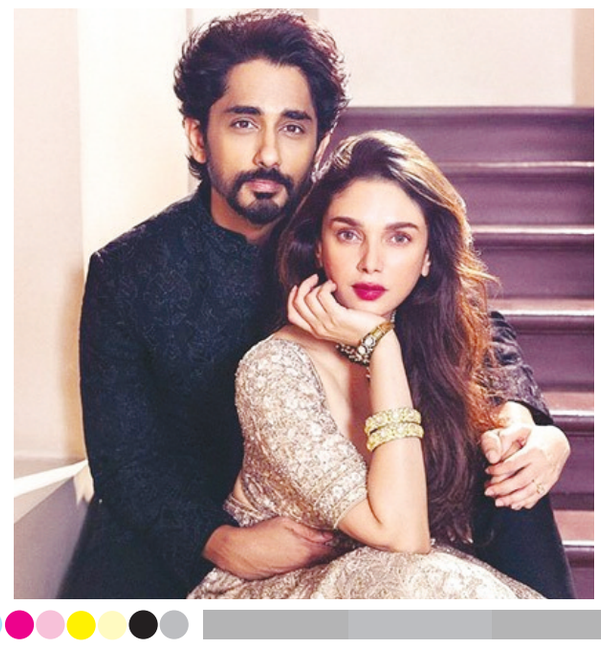

अदिति राव हैदरी साउथ के साथ हिंदी फिल्मों की भी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने पद्मावत, बॉस, रॉकस्टार और मर्डर-3 जैसी फिल्मों में काम किया है।

राजघराने से है अदिति का संबंध

अदिति का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में एहसान हैदरी और विद्या राव के घर हुआ था। अदिति हैदराबाद के निजाम रहे मो. साहेल अकबर हैदरी की पड़पोती हैं। अदिति के नाना राजा जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वानापर्थी के राजा थे।

अदिति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर भरतनाट्यम डांसर की थी। उन्होंने फेमस भरतनाट्यम डांस लीला सैमसन के डांस ग्रुप में भी काम किया था। यहां काम करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया था। उन्होंने पहली बार 2007 की तमिल फिल्म श्रृंगारम में एक्टिंग की थी।

अक्सर रहता है जोड़ों में दर्द? इन घरेलू उपायों की मदद से पा सकते हैं आराम

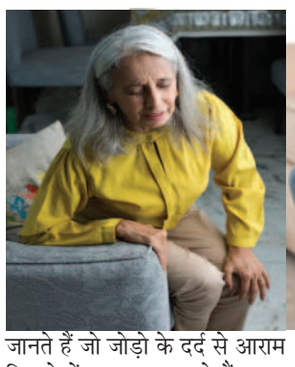

उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों-हड्डियों की समस्या भी बढ़ने लगती है। 50 की आयु तक लोगों में गठिया (आर्थराइटिस) का जोखिम भी बढ़ जाता है। गठिया की समस्या के कारण चलना-उठना और जीवन के सामान्य कार्यों को करना भी मुश्किल हो जाता है। वैसे तो पुरुष-महिला किसी को भी गठिया और जोड़ों की दिक्कत हो सकती है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स बताते हैं कि गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान हार्मोनल परिवर्तन के कारण महिलाओं में इसका खतरा अधिक हो सकता है।

भारत में, 60 से अधिक उम्र की हर तीन में से एक महिला गठिया से पीड़ित हो सकती है। यहां तक कि 20 और 30 की उम्र में में भी अब इसका जोखिम बढ़ता देखा जा रहा है।

बढ़ रही है जोड़ों की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम की आदत बनानी जरूरी है। जिन लोगों को गठिया की समस्या है उन्हें डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। कुछ घरेलू उपायों की मदद से भी जोड़ों में दर्द, सूजन और गठिया की जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आइए उन उपायों के बारे में जानते हैं जो जोड़ो के दर्द से आराम दिलाने में मदद कर सकते हैं।

गर्म और ठंडी सेंकाई

गठिया की समस्या में गर्म और ठंडी सेंकाई से राहत मिल सकती है। गर्म पानी की थैली (हीट पैड) या गर्म तौलिए से जोड़ों की सेकाई करने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और ये दर्द को कम करने में मदद करता है। इसी तरह से बर्फ की थैली को जोड़ो पर लगाने से सूजन और दर्द को कम किया जा सकता है। आर्थराइटिस के रोगियों को डॉक्टर की सलाह पर नियमित रूप से इस उपाय को प्रयोग में लाना चाहिए।

आहार में शामिल करें एंटी-इन्फ्लेमेटरी चीजें

एंटी-इन्फ्लेमेटरी चीजें जोड़ों में सूजन को कम करने में मदद करती है, इसके लिए आहार में कुछ बदलाव से मदद मिल सकती है। हल्दी और अदरक में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो सूजन और दर्द को कम करती है, इसी तरह से अदरक का उपयोग भी सूजन को कम करने के लिए किया जाता रहा है। रोजाना एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से गठिया रोगियों को आराम मिल सकता है।

जरूर करें व्यायाम

नियमित रूप से हल्के स्तर के व्यायाम और योग करने की आदत बनाएं। जोड़ो में लचीलापन बढ़ाने और दर्द को कम करने में इससे आराम मिलता है। बहुत अधिक समय तक बैठे रहने से बचें, इससे जोड़ों की गतिशीलता बनी रहती है और दर्द-अकड़न में आराम मिलता है। रोजाना वॉक करने की आदत आर्थराइटिस की समस्या में आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में 7 सबसे पौष्टिक आहार

भारत जैसे देश में आज भी कुपोषण एक गंभीर समस्या है। कुपोषण के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है और वे विभिन्न बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। पोषण के सही स्तर को बनाए रखना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। पोषण की जरूरत को समझते हुए भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की शुरुआत की गई। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भारत सरकार का एक अभियान है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग सही आहार के महत्व को समझें और अपने दैनिक जीवन में पोषण तत्वों से भरपूर भोजन को शामिल करें।

इस अभियान के तहत हर साल साल 1 से 7 सितंबर तक पूरे भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन लोगों में सही आहार के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किया जाता है। इस सप्ताह के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार और सही पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सके।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2024 की थीम

हर साल, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2024 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की थीम हैः सभी के लिए पौष्टिक आहार।

इस थीम के तहत, लोगों को संतुलित आहार की अवधारणा और उसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह थीम बताती है कि एक स्वस्थ और संतुलित आहार किस प्रकार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

सबसे पौष्टिक आहार

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह से आप भी अपने सेहत के प्रति सचेत होते हुए आहार में पौष्टिक चीजों को शामिल करें। कुछ ऐसे आहार हैं, जिनका नियमित सेवन काफी स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। इसमें मेवे, हरी सब्जियां, दही, ओट्स आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह से अपनी डाइट में इन 7 पौष्टिक आहार को शामिल करें।

मेवे

बादाम, अखरोट और काजू जैसे मेवे स्वस्थ वसा, प्रोटीन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होते हैं। जिसमें बादाम विटामिन E, प्रोटीन, फाइबर और स्वस्थ वसा का एक अच्छा स्रोत है। यह मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। प्रतिदिन मेवे का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह दिमागी विकास में मदद करता है, खासकर बच्चों के लिए। मेवे का सेवन त्वचा में निखार भी लाता है।

ओट्स

ओट्स एक सम्पूर्ण अनाज है जिसमें फाइबर, विटामिन B, और मिनरल्स जैसे आयरन और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। यह नाश्ते के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है। ओट्स का सेवन हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। इसके साथ ही पाचन में सुधार करता है और कब्ज से बचाता है। वहीं ओट्स के नियमित सेवन से वजन नियंत्रित रहता है और ब्लड शुगर का स्तर भी स्थिर रहता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल प्रोटीन, फाइबर, और आयरन का अच्छा स्रोत है। यह पाचन में सुधार करती है, वजन घटाने में मदद करती है, और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाती है। मूंग की दाल का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने और शरीर को ऊर्जा प्रदान करने में सहायक होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों का साग आदि विटामिन्स, मिनरल्स, और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये सब्जियां आयरन का अच्छा स्रोत होती हैं, जो रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में सहायक है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण ये कैंसर जैसे घातक रोगों से बचाव में मदद करती हैं। विटामिन A और विटामिन K से भरपूर होने के कारण ये आँखों और हड्डियों के लिए फायदेमंद हैं।

दही

दही में प्रोबायोटिक्स, कैल्शियम, और प्रोटीन होता है। दही का सेवन पाचन तंत्र को सुधारता है और गैस्ट्रिक समस्याओं से बचाता है। साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और संक्रमणों से बचाव करता है। इसके अलावा हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है।

अलसी के बीज

अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, और लिगनेन का अच्छा स्रोत हैं। यह हृदय रोगों के खतरे को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अलसी के बीज का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखता है।

सोयाबीन

सोयाबीन में प्रोटीन की उच्च मात्रा होती है और यह आयरन, कैल्शियम, और फाइबर से भरपूर होती है। सोयाबीन का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, मांसपेशियों के विकास में सहायता करने, और महिलाओं में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

खूबसूरती बढ़ाने के साथ दिल का भी ख्याल रखता है राजगीर

राजगिरा एक ऐसा अनाज है जो कई पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमे कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम आदि पाया जाता है। राजगीरा को अमरंथ भी कहा जाता है। लोग इसका सेवन अलग अलग तरीके से करते हैं। कुछ लोग इसका लड्डू बनाकर खाना पसंद करते हैं वहीं कुछ इसकी चिक्की या फिर इसे नमकीन के रूप में भी खाते हैं। यह खाने में जितना स्वादिष्ट होता है उतना ही सेहत के लिए भी लाभकारी होता है।

यह ग्लूटेन फ्री है और भारत में उगाए जाने वाले सबसे पुराने अनाज में से एक है। एक्सपर्ट्स भी राजगीर को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। इससे कमजोरी दूर होती है और शरीर को ताकत मिलती है। यही वजह है कि भारत में व्रत के दौरान लोग इसका सेवन अधिक करते हैं। आइए आपको राजगीर के और भी फायदों के बारे में बताते हैं।

लंबे घने बालों के लिए राजगीर

अगर आपको हेयर फॉल की समस्या रहती है तो राजगीर का सेवन करना आपके लिए बहुत ही फायदेमंद रहेगा। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ई होता है साथ ही लाइसिन सिस्टीन जैसे गुण भी पाए जाते हैं जो बालों को सुंदर, घने और लंबे बनाने में मदद करते हैं।

डायबिटीज को कंट्रोल करता है

अगर आप अपनी रेगुलर डाइट में राजगीर को शामिल करते हैं तो इससे आपका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहेगा। राजगीर और उसके तेल का सप्लीमेंट एंटीऑक्सीडेंट थेरेपी के रूप में काम करता है जो शरीर में हाइपरग्लिकेमिया को नियंत्रित करता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक

हड्डियों को मजबूत बनाने में हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए राजगीर का सेवन किया जा सकता है। इसमें फास्फोरस भी होता है जिससे हमारी बोन डेंसिटी में सुधार आता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

राजगीर में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होता है जो सूजन को कम करता है। महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान हाथों और पैरों में सूजन की समस्या हो जाती है, ऐसे में राजगीर का सेवन करने से इससे राहत मिलती है। इसके अलावा राजगीर में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट भी होता है। दर्द ऑन इन्फ्लेमेशन को कम करने के साथ यह शरीर से फ्री रेडिकल्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

हार्ट डिजीज का जोखिम कम

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण धमनियां सिकुड़ने लगती है। ऐसे में ब्लॉकेज की समस्या हो सकती है। इससे हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अमरंथ का तेल बैड कोलेस्ट्रॉल को हटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देता है।

वेट लॉस फूड राजगीरा

अमरंथ में भारी मात्रा में प्रोटीन और फाइबर होता है। अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो यह दोनों ही आपको वजन घटाने में आपकी मदद कर सकते हैं। फाइबर से पेट भरा हुआ रहेगा और बार बार भूख लगने की भी समस्या नहीं होगी।

डाइजेशन के लिए राजगीर

पेट, दर्द, कब्ज, गैस और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं को दूर करने में भी राजगीर कारगर है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है। बेहतर डाइजेशन से दूसरी बीमारियों का भी खतरा कम होता है।

लाइफस्टाइल की गड़बड़ आदतें बढ़ा रही हैं फैटी लिवर का खतरा

लिवर से संबंधित कई तरह की बीमारियां वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम रही हैं। लिवर में फैट बनने यानी फैटी लिवर की समस्या का खतरा कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेंद्र सिंह ने एक कार्यक्रम में बताया कि देश में हर तीसरे व्यक्ति को फैटी लिवर डिजीज हो सकती है। सभी लोगों को लिवर की बढ़ती इस बीमारी को लेकर सावधानी बरतना और बचाव के लिए उपाय करते रहना जरूरी है।

लिवर में फैट जमने का खतरा उन लोगों में भी देखा जाता रहा है जो शराब नहीं पीते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि इसके लिए लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी एक कारण हो सकती है। वजन अधिक होना, शुगर कंट्रोल में न रहना भी इस रोग का एक बड़ा मानी जाती हैं।

लिवर में फैट बनने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई कारण हैं जो लिवर में फैट की मात्रा बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हाई कैलोरी वाली चीजें खाने से जोखिम बढ़ सकती है। जब हमारा लिवर, फैट वाली चीजों को सामान्य रूप से संसाधित और विघटित नहीं कर पाता है तो

इसके कारण फैट जमने का खतरा हो सकता है। मोटापा, मधुमेह या हाई ट्राइग्लिसराइड्स जैसी कुछ अन्य स्थितियों से पीड़ित लोगों में भी फैटी लिवर विकसित होने की आशंका अधिक होती है।

शराब का सेवन नुकसानदायक

लिवर के लिए जिन चीजों को सबसे हानिकारक माना जाता है, शराब पीने की आदत उसमें प्रमुख है। अत्यधिक शराब के सेवन से न सिर्फ फैटी लिवर की समस्या होती है बल्कि इससे लिवर फेलियर तक का भी जोखिम रहता है। फैटी लीवर रोग से पीड़ित लोगों को शराब का सेवन बिल्कुल न करने की सलाह दी जाती है।

कम कर दें चीनी का सेवन

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, फैटी लिवर रोग विशेष रूप से नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) के लिए अधिक मात्रा में चीनी के सेवन को जिम्मेदार माना जाता है। ये आदत ब्लड शुगर के स्तर को काफी बढ़ा देती है जिससे लिवर में वसा की मात्रा बढ़ने लगती है। कैंडी, आइसक्रीम और मीठे पेय भी आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ज्यादा चीनी का सेवन करते हैं तो सावधान हो जाइए।

शारीरिक रूप से सक्रिय न रहना खतरनाक

नियमित व्यायाम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। व्यायाम की कमी फैटी लिवर रोग के खतरे को तो बढ़ाती ही है साथ ही इससे शारीरिक और मानसिक कई प्रकार की समस्याओं का खतरा भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से न सिर्फ फैटी लिवर के प्रबंधन में मदद मिलती है साथ ही जिन लोगों को ये समस्या नहीं है उनमें ये जोखिमों को भी कम करती है। एनएएफएलडी की समस्या वाले लोगों को सप्ताह में कम से कम 150-300 मिनट के मध्यम एरोबिक व्यायाम करने की सलाह दी जाती है।

खून बढ़ाने की टॉनिक हैं ये दो चीजें

आयरन शरीर के लिए बेहद जरूरी मिनरल है। यह खून में हीमोग्लोबिन का मुख्य घटक है, जो ऑक्सीजन को शरीर के विभिन्न भागों में पहुंचाता है। जब शरीर में आयरन की कमी होती है, तो इसे एनीमिया कहते हैं। आयरन की कमी से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आयरन की कमी से थकान और कमजोरी, सांस लेने में दिक्कत, सिरदर्द और चक्कर आना, त्वचा का पीला पड़ना, बालों का झड़ना, नाखून कमजोर होना, ठंड लगना, दिल की समस्याएं, इम्यून सिस्टम कमजोर होना, इम्यून सिस्टम कमजोर होना आदि समस्याएं हो सकती हैं।

आयरन या खून की कमी कैसे दूर करें? इसके लिए खाने-पीने का ध्यान रखना जरूरी है। खाने में आयरन से भरपूर चीजों को शामिल करने से एनीमिया से बचा जा सकता है। आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार आपको आपको खून की कमी दूर करने का घरेलू उपाय बता रही हैं।

आपको केवल 3 सामग्री की आवश्यकता है:

आंवला
चुकंदर
काला नमक

आंवला और चुकंदर के लाभ

आंवला विटामिन सी का समृद्ध स्रोत है। यह आयरन को अवशोषित करने में मदद करता है और प्रतिरक्षा निर्माण, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पाचन का समर्थन करता है। यह बालों के झड़ने, थायरॉइड, अम्लता और त्वचा की समस्याओं के लिए सबसे अच्छा फल है। इसका उपयोग आयुर्वेद में समय से पहले से किया जाता रहा है।चुकंदर आयरन, पोटेशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है और नियमित रूप से सेवन करने पर हमें वास्तव में स्वस्थ रखता है।

खून बढ़ाने का आयुर्वेदिक टॉनिक

ऐसे तैयार करें मिश्रण

10 आंवला और 3 चुकंदर को कद्दूकस कर लें

इसे एक प्लेट में फैलाएं, फिर इसमें 1 चम्मच काला या चटनी नमक डालें और इसे 3-4 दिनों तक सूखने दें

प्लेट को 3-4 दिनों तक घर के अंदर ऐसी जगह रखें जहां धूप आती हो। यदि आप इसे बाहर सुखाना चाहते हैं, तो प्लेट को मलमल के कपड़े से ढक दें और सीधे धूप में न रखें।

ऐसे करें स्टोर

इस मिश्रण को कमरे के तापमान पर 6 महीने तक स्टोर किया जा सकता है। अगर आप ज्यादा बना रहे हैं, तो इसे रेफ्रिजरेट में रखें और अगर कम बना रहे हैं, तो इसे आप कमरे के तापमान में रख सकते हैं।

ऐसे करें सेवन

प्रतिदिन भोजन के बाद दिन में तीन बार 1 चम्मच सेवन करें। इसे खाली पेट नाश्ते के रूप में भी लिया जा सकता है।

अगर आंवला नहीं है तो क्या करें

आप आंवला पाउडर की एक चुटकी के साथ उबले हुए चुकंदर पर नमक की एक चुटकी मिलाकर सलाद के रूप में खा सकते हैं। इससे भी वही लाभ मिलेंगे। आप आंवला पाउडर को चुकंदर पाउडर और नमक (स्वादानुसार) के साथ मिला सकते हैं और हर सुबह 1 चम्मच सेवन कर सकते हैं, जब आपके क्षेत्र में ताजा आंवला और चुकंदर उपलब्ध न हों।

खांसी, जुकाम के कारण गला बैठ गया है, उपचार बताएं

प्रश्न : खांसी - जुकाम के कारण गला बैठ गया है। बोलने में तकलीफ होती है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- मुरलीमनोहर शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : सर्दी- ज़ुकाम को आयुर्वेद में प्रतिश्याय के नाम से जाना जाता है। प्रतिश्याय के चलते संक्रमण स्वर यंत्र तक पहुंच जाता है। और स्वर यंत्र के प्रभावित होने के कारण गला बैठ जाता है, आवाज बदल जाती है । ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से राहत मिलती है। ऊंझा खदिरादी वटी के चूसने से स्वर ठीक होने लगता है। इसमें ऊंझा लवंगादि वटी के चूसने से भी आराम मिलता है। ऊंझा कंठ सुधारक वटी गले के बैठने में उपयोगी है। इसमें यष्टिमधु मिला होने के कारण कफ को भी यह आसानी से निकाल देता है। मुलैठी के टुकडे चूसने या मुलेठी धन को उसने से भी राहत मिलती है। हल्का ज्वर रहने की स्थिति में एलेक्झी टिकिया, कफकुठार रस और चौंसठप्रहरी पिपर लेने से लाभ होता है।

गला बैठने की स्थिति में किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई, नमकीन , तले -पदार्थ, ठंडे पेय, आइसक्रीम , कुल्फी व फ्रिज में रखे पदार्थ न खाएं। दही व बासी भोजन से परहेज करें। हर भोजन के बाद कुल्ली अवश्य करें। सीधा-साधा , गर्म - ताजा, सुपाच्य भोजन ही करें। ज्यादा बोलने और जोर से बोलने से भी बचे।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।

- सुरेंद्र जैन, सिकंदराबाद

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में रक्तार्श कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता। इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना। चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए। बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शकेयर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो-तीन बार लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पंचसकार चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉन्स्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। माहवारी के 15 दिन पहले से मेरे ब्रेस्ट में दर्द रहने लगता है। कहीं गंभीर रोग तो नहीं? इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रभा राव, सिद्दीपेट

उत्तर : सबसे पहले यह बता दूं कि य ह निश्चित रूप से कोई गंभीर रोग नहीं है यह पी एम एस(P M S) यानी प्रीमेंस्ट्रूअल सिंड्रोम के लक्षण है । महावारी पूर्व का तनाव वक्ष में दर्द का कारण बनता है । प्रागार्तव यानी ऋतुस्राव शुरू होने से कुछ दिन पहले कुछ लक्षण प्रकट होते हैं ,उनमें सिरदर्द, स्तन में वेदना, शरीर का फुला हुआ लगना , अवसाद, भ्रम, विस्मृति आदि प्रमुख है।

इन लक्षणों का आयुर्वेद में पूरा उपचार हैं ऋतु स्राव के 7 दिन पूर्व से गायनोसिन लेना हितकारी होता है। भोजन के औरा फेमीब्लेज सिरप या ऊंझा सुंदरी संगिनी सिरप 15 -15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुनी पानी में मिलाकर सेवन करने से पीएमएस कष्टार्तव, आर्तवस्राव

की अनियमितता व स्त्री शरीर से गर्भाशय से जुड़ी लगभग हर समस्या ठीक होने लगती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

वंदे भारत स्लीपर के बाद अब रेलवे को सुरक्षा 'कवच' देने की तैयारी, मिशन मोड में हो रहा काम

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत स्लीपर की पहली झलक दुनिया को दिखा दी है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन को देखकर लोग हैरान रह गए हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को जाकर पहली वंदे भारत स्लीपर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जल्द ही यह ट्रेन देश के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दी जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे अब पूरे रेलवे नेटवर्क को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए कवच से लैस कर रही है। इस पर मिशन मोड में काम हो रहा है। हम दुर्घटनाओं का स्तर शून्य पर लाना चाहते हैं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा- हमें रेलवे को बनाना है दुर्घटना मुक्त

रेल मंत्री ने बताया कि हमने कवच को स्वदेश में ही विकसित किया है। पीएम नरेंद्र मोदी का भी इस दिशा में स्पष्ट निर्देश है। हमें रेलवे को दुर्घटना मुक्त बनाना है। हमने वंदे भारत ट्रेनों के अलावा देश के सैकड़ों

स्टेशन को मॉडर्न बनाने के अमृत भारत स्टेशन स्कीम भी चलाई हुई है। हमने वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए देश के कोने-कोने में मॉडर्न और फास्ट सर्विस लोगों को दी है। इसे आगे ले जाने का काम वंदे भारत स्लीपर करेगी। इसके जरिए लंबी दूरी की यात्राएं भी तेजी से की जा सकेंगी।

टेक्नोलॉजी से यात्रा को सुरक्षित, तेज और आधुनिक बनाएंगे

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे को मॉडर्न बनाने के लिए दशकों तक कोई इनवेस्टमेंट नहीं किया गया। अब हम इस ओर विशेष ध्यान दे रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे को 10 गुना पैसा दिया गया है। अब रेलवे की सोच बदली है। हम लगातार टेक्नोलॉजी की मदद से यात्रा को सुरक्षित, तेज और आधुनिक बनाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि वंदे मेट्रो का ट्रायल भी जल्द शुरू होने वाला है।

रेलवे चला रहा दुनिया का सबसे बड़ा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट

उन्होंने कहा कि देश में 1326 रेलवे स्टेशन को मॉडर्न बनाया जा रहा है।

यह दुनिया का सबसे बड़ा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट है। अब कवच हमारी प्राथमिकता बन गया है। कवच की मदद से स्पीड लिमिट पर ऑटोमेटिक ब्रेक लगकर ट्रेन धीमी होने लगती है। साथ ही विपरीत मौसम के दौरान भी यह यात्रा को सुरक्षित बनाता है। हाल ही में हुई कई दुर्घटनाओं के बाद इसे पूरे रेलवे नेटवर्क में लगाने की डिमांड और बढ़ गई है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत ने 31,180 किमी नया ट्रैक बिछाया है। यह फ्रांस के कुल रेलवे ट्रैक से भी ज्यादा है। हम रोजाना 14 किमी रेलवे ट्रैक बना रहे हैं। हमने अमृत भारत ट्रेन भी देश को समर्पित की है।

एथनॉल ने बचाए सरकार के 99000 करोड़ रुपये

हरदीप सिंह पुरी ने प्रोडक्शन बढ़ाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया है पेट्रोल और डीजल में एथनॉल मिलाकर भारत सरकार ने 99 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बचाए हैं. भारत सरकार के एथनॉल मिक्सिंग प्रोग्राम की मदद से 17.3 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल का कम इस्तेमाल किया गया. साथ ही 51.9 मिलियन टन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन भी कम हुआ है. हरदीप सिंह पुरी ने एथनॉल मिक्सिंग प्रोग्राम को सफल बताते हुए इसका ज्यादा से ज्यादा उत्पादन एवं प्रयोग बढ़ाने की मंजूरी भी दी है.

15 फीसदी एथनॉल मिक्सिंग का लक्ष्य हासिल हुआ

केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को कहा कि साल 2014 के बाद से एथनॉल मिक्सिंग प्रोग्राम की मदद

से हमें विदेशी मुद्रा में 99,014 करोड़ रुपये की बचत हुई है. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने 15 फीसदी एथनॉल मिक्सिंग का लक्ष्य हासिल कर लिया है. इसे अब एथनॉल सप्लाई ईयर 2025-26 तक 20 फीसदी तक ले जाना है. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोएनर्जी में बोलते हुए हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऑटोमोटिव ईंधन में एथनॉल के बढ़ते उपयोग ने 2014 के बाद से देश ने 17.3 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल का एक ऑप्शन दिया है. यदि एथनॉल मिक्सिंग प्रोग्राम नहीं चल रहा होता तो हमें इतना कच्चा तेल मंगाना पड़ता. उन्होंने कहा कि एथनॉल मिक्सिंग प्रोग्राम ने पिछले एक दशक में कार्बन उत्सर्जन में भी 51.9 मिलियन मीट्रिक टन की कमी की है. यह आंकड़े 14 जुलाई, 2024 तक के हैं.

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने साल 2014 के बाद से डिस्टिलर्स को 1.45 ट्रिलियन रुपये का पेमेंट किया है जबकि किसानों को लगभग 87,558 करोड़ रुपये. पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि ई20 पेट्रोल (20 फीसदी एथनॉल मिक्स्ड पेट्रोल) अब देश में 15,600 से ज्यादा पेट्रोल पंप उपलब्ध है. केंद्र सरकार ने मार्च में ई100 ईंधन भी लॉन्च किया था. इसमें 5 फीसदी पेट्रोल और 1.5 फीसदी को सॉल्वेंट और 93-93.5 फीसदी एथनॉल शामिल है. यह अपनी हाई ऑक्टेन रेटिंग के साथ हाई परफॉरमेंस इंजन के लिए बेहतरीन है. इससे इंजन की ताकत बढ़ती है.

एफसीआई ने एथनॉल डिस्टिलरीज को चावल की सप्लाई शुरू की हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सरकार ने फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से एथनॉल डिस्टिलरीज को चावल की सप्लाई फिर से शुरू कर दी है. इससे उन्हें अगस्त, 2024 से अक्टूबर, 2024 तक ई-ऑक्शन के माध्यम से 23 लाख टन तक चावल खरीदने की अनुमति मिल गई है. इसके साथ ही एथनॉल उत्पादन बढ़ाने के प्रयास में डिस्टिलरीज को गन्ने के रस और सिरप की आपूर्ति नवंबर, 2024 से शुरू होगी. सरकार ने एथनॉल सप्लाई के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया है.

आईटी स्टॉक्स की बदौलत सितंबर महीने की शानदार शुरुआत

तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए सितंबर 2024 का पहला कारोबारी सत्र बेहद शानदार रहा है. एफएमसीजी, आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में हरियाली नजर आई, हालांकि मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स ने निवेशकों को निराश किया है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 194 अंकों की उछाल के साथ 82,560 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 43 अंकों की तेजी के साथ 25,279 अंकों पर क्लोज हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 तेजी के साथ तो 9 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 27 शेयर तेजी के साथ और 23 गिरकर बंद हुए. बीएसई पर कुल 4187 शेयरों की ट्रेडिंग हुई जिसमें 1776 शेयर्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि 2258 शेयर्स गिरकर क्लोज हुए. 151 शेयर्स के रेट में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में बजाज ट्विंस बजाज फिनसर्व 3.26 फीसदी, बजाज फाइनेंस 2.77 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ. इसके अलावा एचसील टेक 2.72 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.55 फीसदी, आईटीसी 1.52 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.10 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.06 फीसदी, इंफोसिस 0.89 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.84 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.79 फीसदी, एसबीआई 0.78 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में टाटा मोटर्स 1.51 फीसदी, एनटीपीसी 1.45 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.18 फीसदी, भारती एयरटेल 0.90 फीसदी, एल एंड टी 0.73 फीसदी, पावर ग्रिड 0.56 फीसदी, टीसीएस 0.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 464.84 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 464.39 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 45000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में आईटीसी के नेतृत्व में एफएमसीजी स्टॉक्स में शानदार तेजी रही. इसके अलावा आईटी, बैंकिंग, एनर्जी, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर्स तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले सेक्टर्स में ऑटो, फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर शामिल है. मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स के इंडेक्स भी गिरकर बंद हुए।

5 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन वाली कंपनी बनी जेप्टो, ऐसे किया कमाल

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन ग्रॉसरी डिलीवरी कंपनी जेप्टो ने फिर से कमाल कर दिया है। इंडिया में सबसे पहले 10 मिनट में ग्रॉसरी डिलिवरी का कॉन्सेप्ट लाने वाली कंपनी के वैल्यूएशन में तेजी आई है। जनरल कैटालिस्ट पार्टनर्स की अगुआई में हुए फंडिंग राउंड में भारतीय ऑनलाइन ग्रॉसर ज़ेप्टो का वैल्यूएशन लगभग 40% बढ़कर $5 बिलियन हो गया, जो देश के ई-कॉमर्स मार्केट में विदेशी निवेशकों द्वारा लगाया गया सबसे बड़ा दांव में से एक है। ज़ेप्टो ने एक बयान में कहा कि नए निवेशकों ड्रैगन फंड और एपिक कैपिटल ने 340 मिलियन डॉलर के क राउंड में भाग लिया। लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और डीएसटी ग्लोबल सहित मौजूदा बैकर्स ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

मुंबई स्थित इस स्टार्टअप ने आखिरी बार जून में निजी इक्विटी फर्म एवेनिर और लाइटस्पीड सहित नए निवेशकों से $665 मिलियन जुटाए थे। उस राउंड में फर्म का वैल्यूएशन $3.6 बिलियन था।भारत का ई-कॉमर्स सेक्टर ऐसे समय में निवेश आकर्षित कर रहा है जब पेटीएम के विनियामक मुद्दे और एडटेक फर्म बायजू की दिवालियापन कार्यवाही स्टार्टअप फाइनेंसरों को डरा रही है। मई में, अल्फाबेट इंक की गूगल ने तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग पर भरोसा करते हुए वॉलमार्ट इंक की फ्लिपकार्ट पर $350 मिलियन का दांव लगाया था।ज़ेप्टो यूजर्स को जोड़ रहा है क्योंकि सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक में अधिक उपभोक्ता ऑनलाइन हो रहे हैं। ज़ेप्टो ने परिपक्व डार्क स्टोर या वेयरहाउस से बिक्री को फिर से निवेश करके मार्च 2025 तक वेयरहाउस को दोगुना करके 700 से अधिक करने की योजना बनाई है, और जल्द ही सार्वजनिक होने की तैयारी कर रही है, कंपनी ने पहले कहा है। बचपन के दोस्त आदित पलिचा और कैवल्य वोहरा स्टैनफोर्ड के कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम से बाहर हो गए और 2021 में स्टार्टअप बनाने के लिए भारत लौट आए, जब वे किशोर थे।

ज़ेप्टो भारत के हाइपर-प्रतिस्पर्धी, कम-मार्जिन लेकिन उच्च मात्रा वाले किराना डिलीवरी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करता है। बाजार में प्रतिद्वंद्वियों में ई-कॉमर्स दिग्गज अमेज़न.कॉम इंक।

बांग्लादेश क्राइसिस का फायदा उठाएगा रेमंड बना लिया पूरा प्लान

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश की अग्रणी कपड़ा एवं परिधान कंपनी रेमंड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम हरि सिंघानिया ने कहा है कि कंपनी को पड़ोसी बांग्लादेश में संकट के बाद वैश्विक कंपनियों से बड़ी संख्या में प्रस्ताव मिले हैं और वह इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है। सिंघानिया की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार रेमंड वर्तमान स्थिति का लाभ उठाने के लिए तैयार है। रेमंड ने दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी सूट बनाने वाली कंपनी बनने के लिए अपने गारमेंट्स प्लांट में निवेश किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें बांग्लादेश से कुछ गारमेंट्स कारोबार भारत में ट्रांसफर होने की उम्मीद है, उन्होंने कहा कि हमें ऐसी उम्मीद है। हम प्रस्ताव देख रहे हैं। जाहिर है कि इसमें थोड़ा समय लगेगा, लेकिन हमें निश्चित रूप से इस पर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

ये है रेमंड का प्लान

उन्होंने कहा कि भारत अपनी सीधी सप्लाई क्षमताओं के साथ बेहतर स्थिति में है, क्योंकि रेमंड जैसी कंपनियां कपड़ा और गारमेंट्स बिजनेस दोनों में मौजूद हैं, जिससे अंतिम आपूर्ति पर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के लिए भी समय की बचत होगी। सिंघानिया ने कहा कि बांग्लादेश में कपड़े की सप्लाई नहीं है। भारत के पास इस कपड़े की सप्लाई का लाभ उठाने का एक शानदार अवसर है, क्योंकि हमारे पास यहां कपड़े का आधार है। उनके पास (केवल) गारमेंट्स बेस है। सिंघानिया ने कहा कि रेमंड की क्षमता विस्तार ऑनलाइन हो गई है, जो बिल्कुल सही समय पर हुआ है।

विकसित भारत के सपने को पूरा करने का मिल गया प्लान, सिर्फ एक गलती से रहना होगा दूर

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के सपने के साथ आगे बढ़ रही है. पीएम मोदी अलग-अलग मंचों से इसका जिक्र भी कर चुके हैं. अब वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वित्तीयकरण से बचने की जरूरत को लेकर आगाह किया है और कहा है कि भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं सबसे उज्ज्वल वैश्विक संभावनाओं में से एक हैं.

इस बात का रखना होगा ध्यान

नागेश्वरन ने कहा कि भारत का स्टॉक मार्केट कैप सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 140 प्रतिशत है. भारतीय वित्त क्षेत्र की रिकॉर्ड प्रॉफिटेबिलिटी तथा बाजार पूंजीकरण का उच्च स्तर या सकल घरेलू उत्पाद के प्रति बाजार पूंजीकरण का अनुपात, एक अन्य कारक उत्पन्न करता है जिसकी गहन जांच की आवश्यकता है. सीईए ने कहा जब बाजार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है तो यह स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह उचित हो कि बाजार के विचार तथा प्राथमिकताएं सार्वजनिक चर्चा पर हावी हो जाएं और नीतिगत चर्चा को भी प्रभावित करें. मैं वित्तीयकरण नामक घटना या नीति और व्यापक आर्थिक परिणामों पर वित्तीय बाजार के प्रभुत्व की बात कर रहा हूं.

क्या होता है वित्तीयकरण?

सीआईआई फाइनेंसिंग 3.0 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वित्तीयकरण का अर्थ वित्तीय बाजार की अपेक्षाओं के रुझान पर प्रभुत्व है और महत्वपूर्ण रूप से सार्वजनिक नीति तथा व्यापक आर्थिक परिणामों में रुचि रखना है. हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि ये उनके निजी विचार हैं, न कि मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में दिया गया कोई बयान. नागेश्वरन ने कहा कि नीतिगत स्वायत्तता बनाए रखना और अर्थव्यवस्था को वैश्विक पूंजी प्रवाह की अनिश्चितताओं से बचाना महत्वपूर्ण है.

भारत से 253788% बढ़ गया यूरोप को पेट्रोलियम का एक्सपोर्ट, कौन करता है सबसे ज्यादा इम्पोर्ट

नई दिल्ली,2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है लेकिन कई देशों को पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स का निर्यात करता है। साल 2018-2019 और 2023-2024 के बीच भारत से यूरोप को पेट्रोलियम पदार्थों के एक्सपोर्ट में 253788% की तेजी आई है। कोरोना महामारी के कारण लॉजिस्टिक्स की दिक्कतों और उसके बाद यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण भारत से यूरोप को पेट्रोलियम के एक्सपोर्ट में तेजी आई। हालांकि वैल्यू टर्म में देखें तो इन देशों को भारत के एक्सपोर्ट में 250 फीसदी तेजी आई। थिंक टैंक जीटीआरआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल की पहली छमाही में 151 देशों के साथ भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में रहा जबकि 75 देशों के साथ उसे घाटा हुआ। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक भारत जिन देशों को पेट्रोलियम एक्सपोर्ट करता है उनमें यूरोप के 15 से 17 देश टॉप 100 में शामिल हैं।

सोना हुआ महंगा, खरीदने से पहले जान ले अपने शहर का भाव

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी के भाव में हल्की तेजी देखी गई है. 24 कैरेट सोने का रेट 720 रुपए बढ़कर 7390.1 रुपए प्रति ग्राम है. 22 कैरेट सोने का भाव 659.0 रुपए बढ़कर 6769.4 प्रति ग्राम है. बता दें कि 24 कैरेट सोने के भाव में पिछले एक सप्ताह में -1.96% का बदलाव आया है, जबकि पिछले महीने इसमें -4.32% का बदलाव आया था. चांदी का भाव 90.0 बढ़कर 85190.0 प्रति किलोग्राम हो गया है. चलिए अब देश के कुछ प्रमुख शहरों में मौजूदा सोने की कीमत के बारे में जान लेते हैं.

दिल्ली में सोने का भाव

दिल्ली में आज सोने का भाव 73901.0/10 ग्राम है. पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 72781.0/10 ग्राम थी. वहीं आज दिल्ली में चांदी का भाव 85190.0/किलो है, जो पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 84780.0/किलो थी.

चेन्नई में सोने का भाव

आज चेन्नई में सोने का भाव 73325.0/10 ग्राम है, जो पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 73352.0/10 ग्राम थी. वहीं, चेन्नई में आज चांदी का भाव 85190.0/किलो है. पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 84780.0/किलो थी.

मुंबई में सोने का भाव

मुंबई में आज सोने का भाव 73109.0/10 ग्राम है. पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 73067.0/10 ग्राम थी. मुंबई में आज चांदी का भाव 85190.0/किलो है. पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 84780.0/किलो थी.

कोलकाता में सोने का भाव

कोलकाता में आज सोने का भाव 73901.0/10 ग्राम है. पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 73352.0/10 ग्राम थी. कोलकाता में आज चांदी का भाव 85190.0/किलो है. जो पिछले हफ़्ते 26-08-2024 को कीमत 84780.0/किलो थी.

हैदराबाद में सोने के भाव

हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 67,050 रुपये है।बता दें कि सोने और चांदी की कीमतें कई कारणों से प्रभावित होती हैं, जिनमें प्रमुख ज्वैलर्स से इनपुट भी शामिल है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	मे	सिंह-	04-58 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	कन्या-	07-04 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला-	09-08 बजे
बुध-	कर्क	मे	वृश्चिक-	11-18 बजे
गुरु-	वृष	मे	धनु-	13-32 बजे
शुक्र-	कन्या	मे	मकर...	15-40 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	17-28 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	19-08 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष--	20-43 बजे
			वृष..	22-37 बजे
			मिथुन..	00-28 बजे
			कर्क..	03-28 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-05 सूर्यास्त. -18-25
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या 07-25 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - भाद्रपद कृष्ण , मंगलवार 03 September
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 03-10 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - सिद्ध 19-04 तक उप साध्य
करण- नाग 07-25 तक उप किस्तुघ्न
विशेष:- देवकार्ये भौमवती अमावस्या
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:21 से 16:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:05 - 07:37 अशुभ	काल	18:25 - 19:54 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:09 अशुभ	लाभ	19:54 - 21:21 शुभ
चंचल	09:09 - 10:42 शुभ	उत्पात	21:21 - 22:48 अशुभ
लाभ	10:42 - 12:15 शुभ	शुभ	22:48 - 00:15 शुभ
अमृत	12:15 - 13:48 शुभ	अमृत	00:15 - 01:42 शुभ
काल	13:48 - 15:21 अशुभ	चंचल	01:42 - 03:10 शुभ
शुभ	15:21 - 16:54 शुभ	रोग	03:10 - 04:37 अशुभ
रोग	16:54 - 18:25 अशुभ	काल	04:37 - 06:05 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है | अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और व: आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ़ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए अच्छा समय है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिज़नेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पंजाब के बाद ड्रग्स के नशे में 'उड़ता हरियाणा'

एक कॉल पर ड्रग्स हाजिर, खेतों-बाजारों में सप्लाई, पुलिस बोली- कोई पता बताए

गुरुग्राम/नूंह, 2 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'देर शाम जब थोड़ा अंधेरा होने लगता है, तब हम जंगल में पुड़िया (हेरोइन, कोकीन, गांजे के पाउच) लेकर खड़े रहते हैं। जिसे भी नशे का सामान लेना होता है, वो वहीं से ले जाता है।' हरियाणा के नूंह जिले के खेड़ला गांव के जाकिर (बदला हुआ नाम) खुद भी हेरोइन और कोकीन का नशा करते हैं। कुछ दिन पहले तक वे नशे के कारोबार में सेल्समैन का काम कर रहे थे।

जाकिर के पिता यूसुफ (बदला हुआ नाम) बताते हैं, '12-13 साल से लेकर 40 साल तक के लड़के इस नशे के आदी हैं। मेरे गांव ही नहीं, आसपास के गांव तक ये लत फैल चुकी है। हर दूसरे घर में एक बच्चा नशा करता है। गांव में ही नशे के सप्लायर रहते हैं। पुलिस सब जानती है, लेकिन कार्रवाई के लिए कहो तो पता पूछती है।'

ये कहानी हरियाणा के किसी एक गांव या जिले की नहीं है। यहां के गांवों में ये कहानियां बिखरी पड़ी हैं। आंकड़े भी यही कहते हैं। 2023 में हरियाणा में ड्रग्स के कुल 3,757 केस रजिस्टर्ड किए गए। पंजाब के बॉर्डर से लगने वाले यहां के 8 जिले सिरसा, फतेहाबाद, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल और हिसार ड्रग्स से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

क्या हरियाणा नशे के कारोबारियों का अड्डा बनता जा रहा है? क्या यहां हेरोइन-कोकीन जैसे नशा खरीदना वाकई इतना आसान है? इन सवालों के जवाब तलाशने टीम हरियाणा पहुंची और नशे की सप्लाई वाले कुछ ठिकानों की पड़ताल की। जो तस्वीर सामने आई, वो उड़ता पंजाब की राह पर बढ़ रहे नशे में डूबे हरियाणा की थी।

एक कॉल और चंद मिनट में नशे का सामान लेकर खेत पर पहुंचा एजेंट

सबसे पहले हम गुरुग्राम के सोहना नगर के सिलानी गांव पहुंचे। यहां हमारी मुलाकात हमारे सोर्स जिगर (बदला हुआ नाम) से हुई। हमने पूछा कि क्या हम अभी हेरोइन खरीद सकते हैं? जवाब मिला- 'हां, जब चाहो तब मिल जाएगा। बस 2-3 किमी खेतों में जाना पड़ेगा।'

जिगर ने अपने एक दोस्त को फोन लगाया। हम उसके साथ बाइक पर सवार होकर एजेंट के अड्डे के पास पहुंच ही रहे थे कि करीब 3 किमी दूर एक दुकान पर 2 और लड़के मिले। ये जिगर के जिगरी दोस्त थे। बचपन की यारी के अलावा इनमें एक और बात कॉमन थी। सब हेरोइन के नशे की आदी थे। जिगर ने अपने दोस्त से कहा- पुड़िया चाहिए, फोन लगाओ। उसने एजेंट को फोन लगाया और कहा- खेत में चलना पड़ेगा, लेकिन औरतों या लड़कियों को नहीं देंगे। आगे हमने अपने कैमरामैन को साथ भेजा।

बाइक पर सवार होकर दोनों उस खेत तक पहुंचे, जहां जिगर का दोस्त सप्लायर के एजेंट के पास गया। कैमरामैन कुछ दूर पर रुककर ये सब कैमरे में कैद कर रहा था। उसने एक हाथ से कान पर मोबाइल लगा रखा था और उसके दूसरे हाथ में पुड़िया थी। दोनों के बीच न कोई ज्यादा बात हुई और न कोई आई कॉन्टैक्ट हुआ। उसने पुड़िया पकड़ाई और 500 का नोट मुट्ठी में लेकर निकल गया।

हमारे पास एक छोटी सी पुड़िया पहुंची। साथ में एक सिल्वर फॉइल था, ताकि इसमें रखकर नशा किया जा सके। हमने पूछा इसकी कीमत कैसे तय होती है? जिगर ने बताया- भारी नशा और हल्का नशा। भारी नशा 2000-2500 रुपए का एक ग्राम और हल्का नशा 1500-1600

रुपए का एक ग्राम।

जिगर बताते हैं, 'मुझे 16 साल की उम्र से ही नशे की लत लगी। पहले स्मैक और गांजा का नशा किया। अब हेरोइन भी शामिल हो गई है। इसे एक बार चख लिया तो फिर छूटती नहीं। छोड़ने की कोशिश भी की, लेकिन नसों में भयानक दर्द होता। पैर के तलवों में ऐसा दर्द कि पूरी रात पैर पटकते ही बीत जाता। भूख तक नहीं लगती। हार मानकर फिर शुरू करना पड़ा।'

जिगर अपनी कहानी बताते हुए पूछते हैं कि मैडम कोई दवा हो तो बताइए क्योंकि ऐसे तो नशा नहीं छूटेगा। बाप छूट गया, दुनिया से चला गया, लेकिन नशा नहीं छूटा। अब तो मेरा बेटा भी बड़ा हो रहा।' जिगर के पास ही बैठी उनकी मां कहती हैं, 'जब नशा छोड़ देता है तो इतना तड़पता है कि लगता है इसे खुद ही पुड़िया लाकर दे दो।'

गांव में कितने लोग नशा करते हैं? जवाब में जिगर कहते हैं, 'बहुत लोग। 22-23 साल की उम्र से लेकर 40 साल तक के। कुछ छोटी उम्र के लोग भी हैं, लेकिन वो हमारे साथ नहीं बैठते। पिछले करीब 2-3 साल में ये बहुत बढ़ गया। पुलिस सब जानती है, लेकिन कुछ करती नहीं। अब तो ये धंधा इतना खुलेआम चल रहा है कि भला किसे नहीं पता होगा।'

आपके गांव में कितने सप्लायर हैं? 2-3 सप्लायर हैं जैसे- लंगड़ा, असलम। हरियाणा में मेवात इसका गढ़ है। नूंह का खेड़ला गांव सेंटर है। दिल्ली में कुछ नाइजीरियन हैं, वो थोक सप्लायर हैं। मैंने भी एक बार बात की थी। थोक में अगर पुड़िया लो तो बहुत फायदा है। फुटकर में एक ग्राम का 1500-2500 तक मिलता है जबकि थोक में 10 ग्राम 10-12 हजार में मिल जाता है।'

हमारे गांव छोड़ते वक्त इन तीन दोस्तों ने बस इतना भर कहा- मैडम हम तो फंस गए, लेकिन आगे की पीढ़ी बर्बाद न हो। आप कुछ ऐसा लिखना कि ये सप्लाई चेन टूट जाए।

ड्रग्स सप्लायर की तलाश में हम सफर के दूसरे पड़ाव पर पहुंचे। गुरुग्राम के सोहना की मेन मार्केट में ही रोजका थाना है। हमारे सोर्स ने हमें यहीं पर रुकने के लिए कहा।

यहां से हमारा सोर्स हमें थाने से 200 मीटर दूर लेकर गया।' उसने दो मंजिला एक मकान दिखाते हुए कहा, 'इस घर से ड्रग्स की मोटी सप्लाई होती है। यहां पर 500 से नीचे की पुड़िया नहीं मिलती। एक लाख तक का माल हमेशा मौजूद रहता है। मैंने यहां से कई बार खुद पुड़िया खरीदी है। मैं वहां जाता हूं। आप गाड़ी के अंदर इस पार ही रहना। अगर उन्हें शक हो गया, तो वो नहीं देंगे।' मकान में सड़क की तरफ एक खिड़की पर लगातार कोई न कोई खड़ा रहता है। ताकि आने-जाने वालों की निगरानी कर सके। हमारा सोर्स गाड़ी से उतरा और सीधा मकान पर गया। 10 मिनट बाद वो पॉलीथिन के एक छोटे से पैकेट में ब्राउन हेरोइन लेकर लौटा।'

उसने बताया, 'यहां रहने वाला पूरा परिवार इसी काम में लगा है। अभी 15-16 साल की लड़की लोगों को हेरोइन दे रही थी। कभी-कभी यहां एक औरत और 8-10 साल का बच्चा भी पाउच बांटते हैं।'

इसके बाद हम थाने की ओर बढ़े तो हमारे सोर्स ने हमें एक और घर दिखाया। मकान पर लिखा था- रहेजा। सोर्स के मुताबिक, यहां रहने वाले 2-3 लड़के भी ड्रग्स की सप्लाई करते हैं। इनका धंधा काफी बड़ा है। ये फुटकर कम और थोक सप्लाई ज्यादा देते हैं।'

इसके बाद हम रोजका थाने के एसएचओ के पास पहुंचे। जब उनसे हमने ड्रग्स के धंधे के बारे में पूछा तो जवाब मिला, यहां ज्यादा नहीं है। पिछले 6 महीने में हमने दो लोगों को पकड़ा। आसपास कोई सप्लायर है क्या? कई बार पूछने पर भी जवाब न ही मिला। हमने एसएचओ की बात हिडन माइक से रिकॉर्ड भी की।

इसके बाद जब हमने उन्हें ड्रग सप्लायर्स के उन ठिकानों के बारे में बताया तो जवाब मिला, 'यहां तो ऐसा कोई ठिकाना नहीं है। हमें तो कोई पता भी नहीं बताता। आप लोगों को बता दिया। अगर हमें लोग बताएंगे तो फिर पकड़े नहीं जाएंगे। आपके पास एड्रेस हो तो दीजिए, हम कार्रवाई करेंगे।'

इसके बाद हम नूंह जिले के खेड़ला गांव पहुंचे। ये गांव उसी झंडा चौक के सामने है, जहां से नूंह दंगों की शुरुआत हुई थी। यही गांव प्लानिंग का अड्डा बना था। यहां के जाकिर (बदला हुआ नाम) ने हमें अपनी कहानी सुनाई। वो अब हेरोइन का नशा करने के आदी हैं। लत इतनी खराब कि छोड़ने की सारी कोशिशें बेकार साबित हुईं।

वे बताते हैं, 'बीएससी ग्रेजुएट हूं। ग्रेजुएशन का आखिरी साल था, तभी मुझे इस नशे की लत लगी। कॉलेज में ये सब आसानी से मिल जाता है। आज भी कॉलेज हेरोइन, गांजा और स्मैक का बड़ा अड्डा है। कुछ दिन गुड़गांव में जॉब की, लेकिन तब तक लत लग चुकी थी। पूरी सैलरी नशे में ही जाने लगी, तो घर चला आया।'

मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर आएंगे

दो वंदे भारत रवाना करेंगे, जनसभा होगी, रोड शो पर भी हो रहा है विचार

रांची, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कोल्हान की राजनीति और गर्म होनेवाली है। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड आ रहे हैं। वे 15 सितंबर को जमशेदपुर पहुंचेंगे। वहां वे दो वंदे भारत ट्रेन टाटा-पटना और टाटा-भुवनेश्वर को रवाना करेंगे। जमशेदपुर के गोपाल मैदान में उनकी सभा होगी। भाजपा पीएम के रोड शो पर भी विचार कर रही है। हालांकि अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इस दौरान वे पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों और जमशेदपुर सांसद के अलावा कोल्हान के तीनों जिलों के पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के साथ वे चंपाई सोरेन और लोबिन हेंब्रम से मिलेंगे। भाजपा में शामिल होने के बाद चंपाई सोरेन और लोबिन हेंब्रम के साथ प्रधानमंत्री की यह पहली मुलाकात होगी।

शशि सिंह का इंटरव्यू लेंगे राहुल गांधी

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में 4 नेता, वन-टू-वन चर्चा के बाद नाम होगा फाइनल

रायपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में सरगुजा सीट से चिंतामणि महाराज के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस नेत्री शशि सिंह कोरम का कद बढ़ सकता है। शशि सहित देशभर से 4 नेताओं का नाम यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। चारों नेताओं का इंटरव्यू राहुल गांधी खुद लेने वाले हैं, जिसके लिए शशि सिंह रविवार को दिल्ली पहुंच गई हैं।

शशि के अलावा हरियाणा यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा, राजस्थान के विधायक अभिमन्यु पूनिया और बिहार यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास से राहुल गांधी की वन-टू-वन चर्चा होगी। इन्हीं 4 नेताओं में से ही यूथ कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाएगा। छत्तीसगढ़ से शशि सिंह एकमात्र आदिवासी नेत्री हैं, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष की

दौड़ में शामिल हैं।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में शशि सिंह को कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए चिंतामणि महाराज के खिलाफ पार्टी ने चुनाव लड़वाया था। हालांकि शशि ये चुनाव हार गईं, लेकिन उन्होंने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़कर कांग्रेस हाईकमान में अपनी पहचान बनाने में सफलता हासिल की। इनके पिता दिवंगत नेता तुलेश्वर सिंह अजीत जोगी सरकार में मंत्री थे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पहले चरण में शशि सिंह कांग्रेस के उन 100 युवाओं में शामिल थीं। जिन्होंने 3500 किलोमीटर की यात्रा राहुल गांधी के साथ पूरी की।

राहुल गांधी की करीबी होने की वजह से ही उन्हें सरगुजा लोकसभा में प्रत्याशी बनाया गया और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने भी उनका समर्थन किया था। भले ही शशि चुनाव हार गईं हो लेकिन अंतर काफी कम था और उनका वोट परसेंट भी अच्छा था। इसके बाद भी शशि सिंह को गुजरात में यूथ कांग्रेस का प्रभारी भी बनाया गया है।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने ही 8 नाम तय किए हैं। जानकारी के मुताबिक शीर्ष पदाधिकारी चाहते हैं कि संगठन के भीतर से ही अध्यक्ष चुना जाए और अगले अध्यक्ष की उम्र 35 साल से ज्यादा ना हो। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस नेतृत्व आदिवासी चेहरे की तलाश में हैं।

हेमा मालिनी देंगी डांस परफॉर्मेंस

नृत्य नाटिका 'राधा रासबिहारी' से होगी चक्रधर समारोह की शुरुआत, 7 पद्मश्री कलाकार भी देंगे प्रस्तुति

रायगढ़, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 7 से 16 सितंबर तक 39वें चक्रधर समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह की शुरुआत पद्मश्री हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका 'राधा रासबिहारी' से होगी। 10 दिन तक चलने वाले समारोह का समापन रामलीला मैदान में डॉ. कुमार विश्वास के कविता पाठ से होगा।

रविवार को कलेक्टर कार्तिकेय गोयल और एसपी दिव्यांग पटेल ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री को शामिल होने आमंत्रण दिया। इस कला महोत्सव की तैयारी पूरी हो चुकी है। नामचीन कलाकार अपने हुनर के प्रदर्शन के लिए रायगढ़ पहुंचने वाले हैं। पद्मश्री से सम्मानित 7 कलाकार अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

पद्मश्री हेमा मालिनी- भारतीय सिनेमा की एक्ट्रेस और भाजपा की सांसद भी हैं। भरतनाट्यम नृत्य के लिए भी जानी जाती हैं। उन्हें भारतीय कला और संस्कृति को

बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। भरतनाट्यम जो एक प्राचीन और शास्त्रीय नृत्य शैली है। इसमें हेमा मालिनी की निपुण हैं। डांस में एक्सप्रेशंस के साथ वो दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब रहती हैं। पद्मश्री रामलाल बरेठ- रायगढ़ कत्थक शैली को विकसित करने और कत्थक को घराने के रूप में स्थापित करने के लिए पंडित रामलाल बरेठ ने अपना जीवन समर्पित किया है। उनके प्रयास से रायगढ़ कत्थक शैली को रायगढ़ घराना के नाम से जाना जाता है। रायगढ़ घराना पूरी दुनिया में चौथे कत्थक घराने के रूप में प्रसिद्ध है। 1996 में भारत के राष्ट्रीय सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2024 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। पद्मश्री कुमारी देवयानी- अनिक शेमोटी, जिन्हें मंच नाम कुमारी देवयानी के रूप में जाना जाता है। वो एक भारतीय नृत्यांगना हैं, जो भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम में प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने भारत के साथ-साथ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, ग्रीस, पुर्तगाल, स्कैंडिनेवियाई देशों, एस्टोनिया और दक्षिण कोरिया के त्योहारों और संगीत हॉल में प्रदर्शन किया है। 2009 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री डॉ. भारती बंधु- छत्तीसगढ़ के ही संगीतकार और गायक हैं, जिनके कबीर भजन बहुत प्रसिद्ध हैं। वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में पैदा हुए थे। उन्हें राजा चक्रधर सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। वे भारत में सूफी और कबीर संगीत के प्रतीक हैं। उन्हें वर्ष 2013 में पद्मश्री से नवाजा गया है। पद्मश्री अनुज शर्मा- छत्तीसगढ़ी सिनेमा के एक्टर हैं। अभिनय और गायन की वजह से लोगों के बीच फेमस हैं।

युवा कांग्रेस ने निकाली मशाल-रैली

'लोकतंत्र की हत्या बंद करो, मैं भी हूं देवेंद्र' लिखी तख्तियां लेकर निकले, विधायक की रिहाई की मांग

भिलाई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के समर्थन में रविवार को युवा कांग्रेस ने सिविक सेंटर में मशाल रैली निकाली। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हाथों में लोकतंत्र की हत्या बंद करो, मैं भी हूं देवेंद्र और विष्णुदेव साय हाय हाय लिखी तख्तियां भी थीं। यह रैली प्रदेशभर में एक साथ निकाली गई।

इस दौरान यूथ कांग्रेसियों ने विधायक देवेंद्र यादव की रिहाई की मांग की। रात 8 बजे सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मशाल लेकर पैदल मार्च के दौरान साय सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। सिविक सेंटर मार्केट की पार्किंग में सभी ने एक सुर में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के समर्थन में आवाज उठाई। कांग्रेसी नेताओं का आरोप है कि प्रदेश की भाजपा सरकार अपनी नाकामी को छुपाने के लिए गलत का साथ दे रही है। सच को दबाने की कोशिश में लगी हुई है। अपनी झूठी शान के लिए अंग्रेजों की तरह बलौदाबाजार मामले में निर्दोष मासूम सतनामी समाज के लोगों के साथ बुरा बर्ताव कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब विधायक देवेंद्र यादव ने इन निर्दोषों की आवाज उठाई तो उन्हें भी जेल में बंद कर दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव जुल्फिकार अहमद, कार्यकारी अध्यक्ष इमामुद्दीन खान और सैकड़ों युवा कांग्रेस के साथी उपस्थित थे।

टीकाकरण से दो बच्चों की मौत, पांच का इलाज जारी

वैक्सीन को किया गया प्रतिबंधित, सिंहदेव बोले- सरकार कुछ छिपा रही

बिलासपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में टीकाकरण से दो बच्चों की मौत हो गई। शनिवार को 7 बच्चों को बीसीजी और पेंटावैलेंट के टीके लगाए गए थे जिसके बाद 2 बच्चों की मौत हो गई। वहीं बाकी 5 बच्चों की भी तबीयत बिगड़ गई है। अब उस बैच की वैक्सीन को प्रतिबंधित किया गया है। इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी रविवार को जिला हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उन्होंने पीड़ित बच्चों का हाल जाना और उनके परिजन से बात की। इसके बाद जांच की मांग करते हुए सवाल उठाए कि क्या सरकार इसमें कुछ छिपा रही है। बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड के कोरीपारा में आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा था। टीकाकरण 30 अगस्त को दोपहर 12 बजे किया गया और दो दिन के नवजात शिशु की मौत उसी दिन रात 7.30 बजे हो गई।

वहीं दो महीने के सारांश को भी इस बच्चे के साथ टीका लगा था, उसकी मौत 30 घंटे के बाद 31 अगस्त रात 8 बजे हुई। बाकी 5 बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। यहां उनका इलाज जारी है। इसके बाद रविवार को सिंहदेव के साथ पूर्व विधायक शैलेश पांडेय, कांग्रेस नेता पंकज सिंह ने प्रभावित परिवारों से अस्पताल में मुलाकात की। टीएस सिंहदेव ने कहा कि अगर टीके, दवाइयां अमानक थी तो उसका स्टॉक तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, नसबंदी, गर्भाशय कांड, आंखफोड़वा वाली बीजेपी सरकार में कुछ भी हो सकता है। सिंहदेव ने मृतक बच्चों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं अस्पताल में भर्ती बाकी बच्चों के बेहतर इलाज के लिए भी डॉक्टर से बात की। इधर सीएमएचओ डॉ प्रभात श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में संबंधित बैच के वैक्सीन की सप्लाई पर रोक लगा दी गई है। वैक्सीन की टेस्टिंग कराने और बच्चों का पोस्टमॉर्टम कराने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमएचओ ने कहा कि मृत बच्चों का पोस्टमॉर्टम इसीलिए कराया जा रहा है, ताकि मौत का कारण स्पष्ट हो सके। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की कोई चूक पाई जाती है, तो कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, 6 बच्चे सुरक्षित हैं। उसी बैच की वैक्सीन से 9000 टीकाकरण पहले भी हुआ, इसमें किसी प्रकार की शिकायत नहीं आई थी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बनाम झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी

मंईयां योजना के खिलाफ पीआईएल दायर होने पर सीएम ने उठाए सवाल, बाबूलाल ने बताया- सरकार की साजिश

रांची, 2 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना पर रोक लगाने को लेकर हाईकोर्ट में दायर पीआईएल पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने टिप्पणी की है। सोशल मीडिया पर रविवार को जारी पोस्ट में उन्होंने सवाल किया है कि आखिर भाजपा राज्य की बहनों की भलाई क्यों नहीं चाहती?

आखिर उन्हें मंईयां योजना से इतनी तकलीफ क्यों हैं? उनकी मुझसे तकलीफ और खीज समझ में आती है, लेकिन झारखंडियों के हितों पर लगातार कुठाराघात चिंतनीय है। सीएम ने कहा है कि हम उनकी यह मंशा कभी सफल नहीं होने देंगे। इसी मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी सोशल

मीडिया पर आरोप लगाया है कि भाजपा के इशारे पर ही हाईकोर्ट में पीआईएल दायर किया गया है। झामुमो ने लिखा है कि भाजपा को झारखंडी बहनों की खुशी रास नहीं आ रही है। वह अपनी पूरी शक्ति लगाकर, झूठ फैलाकर, सारे प्रपंच रचकर हेमंत सोरेन और मंईयां योजना को नहीं रोक पाई तो अब लटकाओ, भटकाओ और फंसाओ की नीति के तहत योजना रद्द करवाने में लग गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झामुमो के इस पोस्ट को टैग किया है। उनके पोस्ट कई लोगों ने अलग-अलग टिप्पणियां की हैं।

रायगढ़ में ढहा मकान, मलबे में दबकर महिला की मौत

सुबह नाश्ता बना रही थी, तभी भर-भराकर गिर गया घर, 4 जिलों में अलर्ट

रायपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ में कच्चा मकान ढहने से मलबे में दबकर एक महिला की मौत हो गई। घटना सुबह 5 बजे की है, गुरुवारी धनवार घर पर नाश्ता बना रही थी तभी हादसा हो गया। लोगों के मुताबिक रायगढ़ में बीते दिनों हुई लगातार बारिश से मकान कमजोर हो गया था, और आज सुबह भरभराकर गिर गया।

बस्तर संभाग के 4 जिलों में आज भारी बारिश हो सकती है।

बीजापुर में ऑरेंज और दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के अन्य जिलों में अगले 3 दिनों तक बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। इससे दिन का पारा चढ़ेगा और गर्मी सताएगी।

1 जून से 1 सितंबर तक प्रदेश में 972.1 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जो औसत से 3% अधिक है।

अब तक 942.01 मिमी बारिश हो जानी थी लेकिन 30 मिमी अधिक पानी बरसा है। 5 जिलों में औसत से अधिक बारिश हुई है, 5 जिले ऐसे हैं जहां कम पानी बरसा है। बाकी जिलों में सामान्य वर्षा हुई है।

सड़क हादसे में यूट्यूबर की मौत

कोरबा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बाइक सवार यूट्यूबर की सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं साथ में बैठा युवक गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भंयकर था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक टुकड़ों में बट गई है। मामला दर्री थाना क्षेत्र के बरमपुर नहर का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले यूट्यूबर का नाम मोहनीश कुमार कर्ष (24) है, जो कुसमुंडा का रहने वाला था। मोहनीश कुमार तेज रफ्तार से कोरबा की ओर जा रहा था, तभी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। घायल युवक को राहगीरों ने गंभीर हालत में जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज के इलाज के बाद गंभीर हालत में बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि स्पोर्ट्स बाइक से मोहनीश कुमार यूट्यूब के लिए वीडियो बनाने जा रहा था। वह छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में जाकर हर रविवार वीडियो बनाकर अपलोड करता था।

मृतक के पिता अरुण कुमार कर्ष ने बताया कि उन्हें फोन पर घटनाक्रम की जानकारी मिली। वह मौके पर पहुंचे, तब तक उसके बेटे की मौत हो चुकी थी।

सीएम हाउस में धूमधाम से मना 'तीजा-पोरा-महतारी वंदन तिहार'

रायपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर स्थित सीएम हाउस में आज सोमवार को छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा और पोरा धूमधाम से मनाया गया। 'विष्णु भैया संग तीजा-पोरा-महतारी वंदन तिहार' में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची। तीजा-पोरा, महतारी वंदन तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की 70 लाख माता-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त के रूप में एक-एक हजार रुपए की राशि डीबीटी मोड के जरिए ऑनलाइन ट्रांसफर किया। इस दौरान सीएम ने प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ कर महिलाओं को पोषण माह की शपथ भी दिलाई। तिहार के मौके पर विष्णु भैया का घर-आंगन तीजा-पोरा त्यौहार के मौके पर महतारियों से गुलजार रहा। कोई महिला लाख की चूड़ियां बनवा रही थीं, तो कोई मेहंदी लगवा रही थी और टैटू बनवा रही थीं।

तीजा-पोरा त्यौहार के मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बड़े भैया ने उन्हें बड़े प्यार से अपने घर बुलाया था। रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास उन्हें अपने मायके जैसा लग रहा था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर सपत्नीक पूरे विधि-विधान से शिव-पार्वती की पूजा की और नंदी की पूजा-अर्चना की। साय ने मुख्यमंत्री निवास से सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय पोषण माह के पोस्टर का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री साय ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

गाजा अटैक के बाद इजराइल में सबसे बड़ा प्रदर्शन

बंधकों की रिहाई के लिए सड़कों पर 5 लाख लोग, नेतन्याहू से नाराज हुए रक्षा मंत्री

यरूशलम, 2 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में छह बंधकों के शव बरामद होने के बाद इजराइल में गुस्सा भड़क गया है। रविवार रात अलग-अलग शहरों में करीब 5 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी तेल अवीव में 3 लाख से ज्यादा और दूसरे शहरों में 2 लाख से ज्यादा लोग जुटे।

हॉस्टेज एंड मिसिंग फैमिली फोरम ने सीएनएन से 7 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का दावा किया। प्रदर्शनकारियों ने मारे गए छह बंधकों के शवों के प्रतीक के तौर पर 6 ताबूत रखे थे। इजराइल में 7 अक्टूबर के हमलों के बाद यह सबसे बड़ा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के घर के बाहर भी विरोध जताया गया।

प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार पर बंधकों की रिहाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाने का आरोप लगा रहे थे।

उनका कहना था नेतन्याहू अगर जंग रोकने का समझौता कर लेते तो बंधकों को छुड़ाया जा सकता था। नेतन्याहू राजनीतिक वजहों से समझौता करना नहीं चाहते। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारी रातभर विरोध प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कई हाईवे को जाम कर दिया। वे 'नाउ-नाउ' (अभी-अभी) के नारे लगा रहे थे। वे जल्द से जल्द हमास के साथ युद्धविराम की मांग कर रहे थे। कई लोग बंधकों के जिंदा लौटने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने बंधकों के सम्मान में इजराइली झंडा, पीले रिबन और मारे गए 6 बंधकों से माफी मांगने वाली तख्तियां हाथों में ले रखी थीं। इस बीच इजराइल के सबसे बड़े मजदूर संघ जनरल फेडरेशन ऑफ लेबर ने सोमवार से देशभर में हड़ताल का आह्वान किया है। स्वास्थ्य, परिवहन और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों के 8 लाख कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापार संघ ने कहा कि हड़ताल सोमवार से शुरू होगी।

इस हड़ताल का मकसद सरकार पर जंग रोकने के लिए दबाव बढ़ाना है ताकि गाजा में हमास की कैद से लोगों को वापस लाया जा सके। संगठन दावा कर रहा है कि हड़ताल की वजह से सोमवार को इजराइल का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेन-गुरियन भी बंद रहेगा। हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इनकार किया है। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद मजदूर संघ की यह पहली आम हड़ताल होगी। इससे पहले जून 2023 में भी एक आम हड़ताल हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू को न्यायिक सुधारों वाली योजना टालनी पड़ी थी।

यूक्रेन का रूस पर 150 से अधिक ड्रोन से हमला

मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी को निशाना बनाया रूस ने पलटवार में खारकीव पर मिसाइलें दागीं

कीव/मॉस्को, 2 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन ने शनिवार रात को रूस पर 150 से अधिक ड्रोन से हमला किया। ढाई साल से जारी रूस-यूक्रेन जंग में पहली बार यूक्रेन ने रूस के खिलाफ इतनी ज्यादा संख्या में ड्रोन से हमला किया है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर भी ड्रोन हमले किए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक शहर पर 11 ड्रोन से हमला किया गया। इन हमलों में एक ऑयल रिफाइनरी और एक टेक्निकल रूम को निशाना बनाया गया। ऑयल रिफाइनरी पर हुए हमले के बाद उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद गहरा धुआं उठता नजर आया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेन ने 15 प्रांतों में 158 ड्रोन से हमला किया था। उन्होंने कहा कि रूसी एयर डिफेंस ने लगभग सभी ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। इस हमले में किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। अभी तक यूक्रेन ने हमले

को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

यूक्रेनी हमले के बाद रूस ने रविवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और गाइडेड बमों की बारिश कर दी। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में कम से कम 47 लोग घायल हुए हैं। इसमें 5 बच्चे भी हैं। हमले में घायल होने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है।

रूसी हमले में खारकीव की 10 जगहों पर विस्फोट हुए है। 48 घंटों के अंदर ये रूस का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले शुक्रवार को हुए हमले में यूक्रेन के 6 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें एक 14 साल की बच्ची भी थी। वहीं 59 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले में एक 12 मंजिला आवासीय इमारत और एक बच्चों का पार्क नष्ट हो गया था। 13 लाख की आबादी वाला ये शहर रूस बॉर्डर से मात्र 25 मील दूर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अब रूस में और अंदर घुसकर हमले करना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इसमें मदद के लिए वे अमेरिका पर दबाव भी बना रहे हैं। जेलेंस्की ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर बताया कि 30 अगस्त को रूस ने खारकीव पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 6 यूक्रेनियों की मौत हो गई। वहीं 97 लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों को तभी रोका जा सकता है, जब यूक्रेन रूस की एयरफील्ड्स और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा। हम हर रोज अपने सहयोगी देशों से इस पर चर्चा कर रहे हैं। उन्हें इसके लिए राजी करने की कोशिश कर रहे हैं।

बंधकों की हत्या पर गुस्से में वैश्विक नेता

बाइडन बोले– हमास को चुकानी होगी इसकी कीमत

वाशिंगटन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा में छह इस्राइली बंधकों की हत्या पर न सिर्फ इस्राइल के लोगों में गुस्सा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी निंदा की जा रही है। कई वैश्विक नेताओं ने बंधकों की नृशंस हत्या पर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने बंधकों की शीघ्र रिहाई और युद्धविराम समझौते पर सभी पक्षों से सहमति बनाने की अपील भी की है।

वैश्विक नेताओं के ये बयान तब आए हैं जब एक दिन पहले रविवार को गाजा के राफा में एक सुरंग से 7 अक्टूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों में से छह के शव बरामद किए गए थे।

वैश्विक नेताओं ने जताया हत्याओं पर दुख

इन लोगों की हत्या को लेकर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि यह जानना विनाशकारी है कि हमास द्वारा छह इस्राइली बंधकों को मार दिया गया, आस्ट्रेलिया के लोग सभी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि हर निर्दोष जीवन मायने रखता है। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में हमास द्वारा बंधकों की हत्या को पर आक्रोश जताया। साथ ही उन्होंने तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों को रिहा करने का आह्वान किया। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि हमास द्वारा गाजा में छह बंधकों की भयावह और संवेदनहीन हत्या से मैं पूरी तरह स्तब्ध हूं। इस भयानक समय में मेरी संवेदनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं। हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना होगा, और सभी पक्षों को तुरंत युद्धविराम समझौते पर सहमत होना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इन हत्याओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह इससे निराश और क्रोधित हैं। उन्होंने कहा कि हम इसकी पुष्टि करते हैं कि एक शव अमेरिकी नागरिक हेरश गोल्डबर्ग पोलिन का है।

रूस की जासूस मानी जाने वाली व्हेल की मौत

नॉर्वे में शव मिला, डॉल्फिन की तरह इंसानों के साथ खेलती थी

मास्को, 2 सितंबर (एजेंसियां)। रूस की जासूस मानी जाने वाली सफेद बेलुगा व्हेल 'ह्वाल्दिमिर' की मौत हो गई है। बीबीसी के मुताबिक 31 अगस्त को नॉर्वे के रिसाविका खाड़ी में मछली पकड़ने गए पिता-पुत्र को व्हेल का शव तैरता हुआ मिला।

14 फीट लंबी इस व्हेल की उम्र लगभग 15 साल थी। वजन 1,225 किलो था। इसके शव को क्रेन से निकाला गया। अभी मौत की वजह का पता नहीं चला है मगर आशंका जताई जा रही है कि किसी बड़ी नाव की टक्कर से मौत हुई होगी। हालांकि उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। ह्वाल्दिमिर व्हेल को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके बारे में दुनिया को पहली बार 2019 में पता चला था। इसे रूस से 415 किमी दूर नॉर्वे में इंगोया द्वीप के तट पर देखा गया था। बेलुगा व्हेल इस इलाके में नहीं मिलती, इसलिए इस पर नजर रखी जाने लगी। व्हेल को

करीब से देखने पर उसके गले में एक पट्टा देखा गया था। शरीर पर कैमरे के साथ मशीनें भी लगी हुई थीं जिस पर रूसी शहर सेंट पीटर्सबर्ग का नाम लिखा हुआ था। रूसी नौसेना को व्हेल को ट्रेनिंग देने के लिए जाना जाता है। यही वजह है कि इसे रूस का जासूसी व्हेल माना जाने लगा।

ह्वाल्दिमिर के बारे में पश्चिमी मीडिया में दावा किया गया कि यह जानवरों को जासूस बनाने वाले रूसी प्रोजेक्ट का हिस्सा थी। हालांकि, रूस ने कभी भी इसे नहीं माना। व्हेल को नॉर्वे में ह्वाल कहा जाता है। इसके बाद ह्वाल और रूसी राष्ट्रपति के नाम को मिलाकर इसे सोशल मीडिया पर ह्वाल्दिमिर जासूस व्हेल कहा जाने लगा। बेलुगा व्हेल आम तौर पर ठंडे आर्कटिक महासागर में रहती हैं। लेकिन ह्वाल्दिमिर इंसानों के बीच आसानी से रह लेती थी। वह इंसानों के साथ डॉल्फिन की तरह खेलती थी।

ह्वाल्दिमिर की हिफाजत करने वाली नॉर्वे की एक एनजीओ मरीन माइंड ने बताया कि पिछले कुछ सालों में उसे कई तटीय इलाकों में देखा गया था। हमें जल्द ही पता चल गया कि वो बहुत शांत स्वभाव का है। उसे लोगों के साथ खेलना पसंद था। वह हाथ के इशारे पर भी रिएक्ट करती थी। एनजीओ ने कहा कि ह्वाल्दिमिर को लोगों के साथ खेलना पसंद था। उसे नॉर्वे में हजारों लोग प्यार करते थे। उसकी मौत दिल तोड़ने वाली है। मरीन माइंड ने कहा कि मरने से एक दिन पहले शुक्रवार को वह हमें आखिरी बार दिखी थी। वह तब सामान्य नजर आई। यही वजह है कि हम उसके मौत की वजह जानना चाहते हैं। ह्वाल्दिमिर की मौत समय से बहुत पहले हो गई है। आम तौर पर बेलुगा व्हेल की औसत उम्र 60 साल मानी जाती है। हालांकि उसके शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं।

बांग्लादेश में इन शहरों में भारतीय वीजा आवेदन केंद्र शुरू

हालात ठीक होने तक सीमित रहेंगी सेवाएं

ढाका, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जारी तनाव के बीच प्रमुख शहरों में भारतीय वीजा आवेदन केंद्रों ने तत्काल चिकित्सा और छात्र वीजा की आवश्यकता वाले बांग्लादेशी नागरिकों के लिए सीमित अपॉइंटमेंट स्लॉट की पेशकश शुरू कर दी है। यह सेवा ढाका, चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में शुरू की गई। बांग्लादेश में भारतीय वीजा एप्लीकेशन सेंटर ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। आईवीएसी ने कहा, इन पांच केंद्रों ने तत्काल मामलों के लिए सीमित अपॉइंटमेंट स्लॉट भी खोले हैं, यह बांग्लादेश के उन छात्रों और श्रमिकों जिन्हें किसी तीसरे देश जाना है और वहां भारतीय दूतावास में अपॉइंटमेंट है। उन्होंने आगे कहा, यह सेवाएं तब तक सीमित रहेंगी, जब तक आईवीएसी अपना सामान्य परिचालन फिर से शुरू नहीं कर देता।

दक्षिण अफ्रीका की ब्यूटी क्वीन बनीं मिस यूनिवर्स नाइजीरिया

नागरिकता को लेकर आया था विवाद

एबूजा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज 23 साल की चिदिम्मा एडेत्शिना को पहनाया गया है जो कानून की छात्रा हैं। राष्ट्रीयता को लेकर आलोचना और विवाद के बाद उन्होंने मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका के सोवतो में वह पैदा हुईं। उनके पिता एक नाइजीरियाई और मां मोजाम्बिक की हैं। एडेत्शिना शुरू में मिस साउथ अफ्रीका में फाइनलिस्ट थीं। लेकिन उनकी भागीदारी की आलोचनाएं होने लगीं। आलोचकों ने उनकी मिश्रित विरासत के कारण उनकी योग्यता पर सवाल उठाए।

विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दक्षिण अफ्रीका के गृह मामलों के विभाग को जांच भी करनी पड़ गई। इस जांच में चिदिम्मा एडेत्शिना की ओर से कोई भी गलत काम करते नहीं पाया गया। लेकिन सुझाव दिया कि उनकी मां ने दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता पाने के लिए पहचान चुराई हो सकती है। अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आखिर में एडेत्शिना ने प्रतियोगिता से बाहर होने का फैसला किया। बाद में उनकी कहानी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रतियोगिता से हटने की बात जानकर मिस यूनिवर्स नाइजीरिया के आयोजकों ने उन्हें अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया।

पाकिस्तान सेना के घोटालों का बड़ा खुलासा

ठेके पट्टों से लेकर खरीद तक घपला, ऑडिटर जनरल ने खोली पोल

इस्लामाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के डिफेंस सेक्टर में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। पाकिस्तान के ऑडिटर जनरल (एजीपी) ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि रक्षा सेवाओं में गंभीर वित्तीय अनियमितता, अपारदर्शी खरीद और गलत तरह से खर्च हुआ है। एजीपी ने साल 2023-24 के लिए रक्षा सेवाओं के खातों पर अपनी रिपोर्ट में ये खुलासा किया है। एजीपी ने 300 से ज्यादा पेज की रिपोर्ट में कई गंभीर मामले उजागर किए हैं। ऑडिट में 566.29 अरब रुपए के खर्च को शामिल किया गया। इसमें 2022-23 ऑडिट के दूसरे चरण के दौरान 335.63 अरब और 2023-24 ऑडिट के पहले चरण में 230.66 बिलियन रुपए शामिल हैं। डॉन के मुताबिक, रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑडिट में रनिंग अकाउंट रिसीट्स के माध्यम से कामों के पूरा होने से पहले अग्रिम भुगतान, वित्तीय शक्तियों का विभाजन, किराए और संबद्ध शुल्कों की वसूली न करना, लागू करों की कटौती न करना, सार्वजनिक खरीद नियमों का उल्लंघन, ए-1 भूमि नीति का पालन न करना और रक्षा सेवा विनियम को प्रमुख मुद्दों के रूप में पहचाना गया है। इसमें कहा गया है कि रक्षा सेवाओं को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए मूल बजट में 1.563 ट्रिलियन रुपए आवंटित किए गए थे, जिसे बाद में पूरक अनुदानों के माध्यम से बढ़ाकर 1.592 ट्रिलियन रुपए कर दिया गया। ऑडिट रिपोर्ट में पिछले 40 वर्षों में ऑडिट आपत्तियों के साथ रक्षा संरचनाओं की खराब अनुपालन दर पर चिंता व्यक्त की गई है। कहा गया है क खातों को नियमित करने के प्रयास अपर्याप्त हैं। 1985 से एक सारणीबद्ध रिकॉर्ड देते हुए एजीपी ने उल्लेख किया, 'रक्षा मंत्रालय ने 1974 में से संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के 659 निर्देशों का अनुपालन किया, जो दर्शाता है कि पीएसी निर्देशों का अनुपालन बहुत धीमा है। रक्षा उत्पादन मंत्रालय का प्रदर्शन भी बेहतर नहीं था, उसने 372 पीएसी निर्देशों में से केवल 109 का अनुपालन किया।' सेना संरचनाओं के ऑडिट के दौरान रिकॉर्ड से यह देखा गया कि खरीद नियमों का उल्लंघन करके की गई थी। कुछ मामलों में पारदर्शी बोली प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए खरीद और अनुबंध पसंदीदा ठेकेदारों या आपूर्तिकर्ताओं को दे दिया गया।

एजीपी ने बताया कि विभागीय लेखा परीक्षा समिति (डीएसी) ने जिम्मेदारी तय करने के लिए उचित रूप से जांच या तथ्य-खोज जांच आयोजित करने की सिफारिश की थी।

डीएसी ने यह भी निर्देश दिया कि व्यय को सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियमित किया जाए।

हिंसा के बाद अब बाढ़ से बांग्लादेशी लोगों का हाल बेहाल

अब तक 59 लोगों की मौत, बह गए कई घर

ढाका, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंसा के बाद अब बाढ़ के कारण आम लोगों का हाल बेहाल हो गया है। बाढ़ के कारण अबतक 59 लोगों की मौत हो हो चुकी है, जबकि 11 जिलों के 53 लाख लोग इससे प्रभावित हुए। कई लोग इस बाढ़ के कारण बेघर हो गए, जबकि, कम आय वाले परिवार, विशेषकर किसान केवल बेघर ही नहीं हुए, बल्कि फसलों के नष्ट होने के कारण उन्होंने आजीविका भी खो दी।

बाढ़ की स्थिति पर 65 वर्षीय नुरुल बेगम ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, बाढ़ का पानी मेरे मिट्टी के घर को बहा ले गया। इस दुनिया में मेरे पास केवल यही था। अब मेरे पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने पड़ोसी के बरामदे में शरण लेनी पड़ रही है। ऑटो रिक्शा चालक सुजान मिया ने कहा, 22 अगस्त को मनु नदी

का तटबंधन टूटने के बाद मेरा घर पानी में डूब गया। हालांकि, बाढ़ का पानी कम हो गया है। मैं अपने घर मं वापस नहीं जा सकता, क्योंकि वह पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। उन्होंने बताया कि वह अपने एक रिश्तेदार के घर पर रह रहे हैं। स्थानीय निवासी जमशेद अली ने कहा, बाढ़ के कारण मेरा खेत बर्बाद हो गया, जो मेरे आय का एकमात्र स्रोत था। अब मेरे परिवार का गुजारा कैसे होगा?

मौलवीबाजार जिला राहत एवं पुनर्वास अधिकारी मोहम्मद सदु मिया के अनुसार, जिले में बाढ़ के कारण 8,786 घर क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा, हमने शीर्ष अधिकारियों को हालात के बारे में बताया और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए आवंटन की मांग की। बुरिचांग उपजिला निर्वाही अधिकारी शाहिदा अख्तर ने कहा कि उनके उपजिला में 40,000 घर नष्ट हो गए। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में सात लाख परिवार अभी भी फंसे हुए हैं।

कनाडा नहीं पंजाबियों का पसंदीदा बना जर्मनी

सबसे ज्यादा पढ़ने जा रहे भारतीय छात्र, ट्रूडो के देश से हुआ मोहभंग?

बर्लिन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कई साल से कनाडा उच्च शिक्षा पाने के लिए भारतीय छात्रों खास तौर से पंजाब के छात्रों की पहली पसंद रहा है। हालांकि हालिया रुझानों से पता चलता है कि कनाडा की जगह लोग अब जर्मनी में जाना पसंद कर रहे हैं। पंजाब के छात्रों के लिए जर्मनी को एक शिक्षा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जर्मनी के शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोग इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। वह यहां छात्रों को योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी देते हैं। इसके अलावा छात्रों को उनकी पढ़ाई के दौरान और उसके बाद वर्क परमिट के अवसरों के बारे में बताते हैं। जर्मनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, किफायती जीवन और आशाजनक कैरियर की संभावना तलाशने वाले छात्रों के लिए आकर्षण है। एजुकेशन कंसल्टेंट्स जो पहले कनाडा पर फोकस करते थे, वह अब जर्मनी को बढ़ावा देने में लगे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंटरनेशनल छात्रों से जुड़ी नीति में बार-बार बदलावों के कारण छात्र जर्मनी की ओर अपना रुख कर रहे हैं। जर्मनी में ट्यूशन फीस का भुगतान किए बिना सार्वजनिक यूनिवर्सिटी में अध्ययन करने का मौका मिलता है। कनाडा में ट्यूशन फीस एक बड़ा बोझ बन सकती है। वहीं जर्मनी सभी सार्वजनिक संस्थानों में मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा परीक्षण प्रणाली की जरूरत नहीं पड़ती है, जिससे उन छात्रों के लिए आवेदन प्रक्रिया सरल हो जाएगी, जिन्हें भाषा से जुड़ी परिक्षाओं में कठिनाई हो सकती है। यही कारण है कि लगातार जर्मनी पढ़ने के लिए जाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हो रही है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में छात्रों को भेजने में एक्सपर्ट गुरप्रीत सिंह ने कहा, 'जर्मनी के लिए भारतीय छात्रों के बीच बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हाल के वर्षों में जर्मनी जाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी है। वर्तमान में लगभग 43000 भारतीय छात्र जर्मनी के अलग-अलग यूनिवर्सिटी और कॉलेज में है, जो 2019 में 20000 से ज्यादा की बढ़ोतरी है। यह वृद्धि एक अध्ययन गंतव्य के रूप में जर्मनी की बढ़ती लोकप्रियता दिखाती है। खासकर इंजीनियरिंग, कानून, मैनेजमेंट और सामाजिक विज्ञान का अध्ययन करने वाले छात्रों के बीच यह ज्यादा पसंद किया जाता है।'

ताइवान की सीमा के नजदीक मंडरा रहे चीनी सेना के लड़ाकू विमान

ताइपे, 2 सितंबर (एजेंसियां)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि चीनी सेना के लड़ाकू विमान और युद्धक जहाज उनकी सीमा के आसपास मंडरा रहे हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीनी सेना के 18 लड़ाकू विमान, आठ युद्धक जहाज और दो अन्य जहाज ताइवान की सीमा के नजदीक रविवार सुबह छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक डटे रहे। इनमें से 15 विमानों ने ताइवान की सीमा को भी पार किया और ताइवान की वायु सीमा का उल्लंघन किया।

चीनी घुसपैठ के जवाब में ताइवान ने भी अपने लड़ाकू विमानों और युद्धक जहाजों को तटीय सीमा पर तैनात कर दिया है। साथ ही मिसाइल सिस्टम की भी तैनाती की गई है और हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। इसके चलते दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। गौरतलब है कि चीनी सेना द्वारा हाल के महीनों में कई बार ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की गई है। सितंबर 2020 के बाद ही चीन अपने ग्रे जोन रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है। इसके तहत चीन के लड़ाकू विमान और युद्धक जहाज ताइवान की सीमा के पास मंडराते रहते हैं। बीते हफ्ते भी चीन ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की थी, जिसके बाद ताइवान के विदेश मंत्रालय ने चीन की आलोचना करते हुए दूसरे देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय शांति का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

चीन के विमानों ने हाल ही में जापान की वायु सीमा का भी उल्लंघन किया था।

स्पेस स्टेशन में जिस स्टारलाइनर में फंसी हैं सुनीता विलियम्स उससे आ रहीं अजीब आवाजें, नासा भी परेशान

वॉशिंगटन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बोइंग का संकटग्रस्त स्टारलाइनर कैप्सूल तकनीकी खराबियों के चलते जून से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसा हुआ है। स्टारलाइनर को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आ रही है, जो कहीं ना कहीं चिंता को बढ़ सकती है। दरअसल स्टारलाइनर अजीबोगरीब आवाजें निकाल रहा है। शनिवार को नासा के अंतरिक्ष यात्री और सुनीता विलियम्स के साथी बुच विल्मोर ने ये अजीबोगरीब आवाजें सुनीं। ये आवाजें अंतरिक्ष यान के अंदर एक स्पीकर से आ रही थीं। भारतीय मूल की सुनीता और विल्मोर लंबे कैप्सूल में फंसे हुए हैं।

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, विलमोर ने ह्यूस्टन में मिशन कंट्रोल से कहा, 'मेरे पास स्टारलाइनर को लेकर एक सवाल है। यहां स्पीकर से एक अजीब सी आवाज आ रही है। मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि यह आवाज किस वजह से आ रही है। बातचीत के बाद विल्मोर ने मिशन कंट्रोल को इस आवाज सुनने के लिए तैयार किया। मिशन कंट्रोल ने भी फिर इस आवाज को सुना जो एक तरह की स्पंदनशील (वाइब्रेटाइल) आवाज थी। इस आवाज के पीछे की वजह का पता नहीं लगाया जा सका है।

आवाज के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं

विल्मोर और मिशन के साथ बीच बातचीत में कह रहे हैं कि स्पेस कैप्सूल से आवाज क्यों आ रही हैं। इसका पता लगाना अब आप पर निर्भर है। अगर आपको समझ में आ जाए तो हमें कॉल करें। इस अंतरिक्ष कैप्सूल में थ्रस्ट विफलताओं और हीलियम रिसाव की वजह से विल्मोर और सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन में फंसा दिया है। तकनीकी कठिनाइयों के कारण उनका आठ दिन का मिशन आठ महीने तक बढ़ा दिया गया है। अब इन नई आवाजों ने नई चिंताओं को जन्म दे दिया है।

बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से स्पेस मिशन पर गई सुनीता विलियम्स और उनके साथी विल्मोर के फरवरी 2025 में धरती पर लौटने की उम्मीद है। दोनों को एलनमस्क की कंपनी स्पेसएक्स की मदद से वापस लाया जाएगा। नासा ने हाल ही में बताया था कि बोइंग स्टारलाइनर सुनीता विलियम्स और बैली विल्मोर के बिना वापस आएगा और दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को फरवरी में स्पेसएक्स के अंतरिक्ष यान से लाया जाएगा। बोइंग और नासा के बीच कई बैठकों के बाद इस पर फैसला हुआ।

एक ही मंच से गरजे सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल और विधायक हरीश चौधरी

जनता के साथ थार का उठाया बड़ा मुद्दा

बाड़मेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदूषित जल समस्या विकट बन गई है। इससे मानव, पशु, पक्षियों का जीवन संकट में पड़ गया है। प्रशासन ने पन्द्रह वर्षों में सिर्फ आश्वासन दिया, किया कुछ भी नहीं। समस्या का समाधान नहीं करने तक सरकार, प्रशासन को मजबूर करें। बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने डोली टोल प्लाजा पर दूषित पानी से मुक्ति संग्राम को लेकर आयोजित महापड़ाव में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बात कही। इसमें क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

सांसद उम्मेदाराम ने कहा कि प्रदूषित रासायनिक पानी से जल, जमीन खराब हो चुके हैं। लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कारखाने चलें, हम इसके पक्ष में है, लेकिन किसानों के खेतों की जमीन, लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं हो। अवैध कारखाने चलाकर सीवरेज, नालों में प्रदूषित

पानी छोड़ा जा रहा है। एनजीटी, न्यायालय, सरकार के आदेशों की पालना नहीं हो रही है। अधिकारियों पर अंकुश नहीं है। पाली, जोधपुर, बालोतरा में उपचारित पानी के प्लांट कागजों में संचालित हो रहे हैं। सरकार स्थाई समाधान के लिए उच्च क्षमता का प्लांट लगाएं, नाले से कच्छ की खाड़ी में प्रदूषित पानी छोड़े। ग्रामीणों, किसानों के इस हक की लड़ाई में पूरी तरह से साथ देंगे। एकजुट बने रहे। न्याय नहीं मिलने तक डटे रहें।

बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि फैक्ट्रियों से आ रहे प्रदूषित पानी की समस्या को लेकर एक पूरी व्यवस्था आगे खड़ी है। जो हमारे साथ न्याय नहीं होने दे रही है। जहां से दूषित पानी आ रहा है, वो इस समस्या की मूल जड़ है। समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में सरकार को हरसंभव प्रयास करें। यह मुद्दा थार की जनता का मुद्दा है। गंदे पानी को लेकर ईटीपी, सीईपीटी लगाने की बातें हो रही है, लेकिन उनके क्या हाल है। जहरीले पानी से हजारों परिवार, वनस्पति, तालाब व वन्य जीव प्रभावित है, जो खत्म हो रहे हैं। एनजीटी के फैसले की अनुपालना नहीं हो रही है। नियम कानूनों को तोड़े, नजर अंदाज किया जा रहे हैं।

जोजरी नदी में दूषित पानी के छोड़े जाने से यह स्थितियां पैदा हुई है। इसके स्थायी समाधान के लिए नियम, कानून बदलने होंगे। महापड़ाव संयोजक व आरएलपी नेता थानसिंह राजपुरोहित डोली ने कहा कि बरसों से हजारों लोग जल प्रदूषित की समस्या झेल रहे हैं। लेकिन सरकार, प्रशासन समाधान की बजाए झूठे आश्वासन देती है। इससे जल, जमीन, जीवन खतरे में पड़ गया है। इस समस्या से गांवों को आजाद करवाकर रहेंगे। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। ठोस समाधान नहीं होने तक हटेंगे नहीं। बालोतरा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाराम मेघवाल, ताराराम मेहना, सहित जनप्रतिनिधियों ने संबोधित किया। इस अवसर पर सरपंच संघ पाटोदी अध्यक्ष अयुब खान, पूर्व प्रधान लक्ष्मण डेलू, सरवड़ी सरपंच सरलाकंवर, डोली राजगुरा सरपंच भीमाराम भील, नेवरी सरपंच पीराराम, ग्वालनाड़ा सरपंच राजेश, छात्र नेता गिरधारीराम चौधरी सहित प्रबुद्धजन मौजूद थे।

महापड़ाव पर तहसीलदार ओम अमृत ने मौके पर पहुंच संयोजक थानसिंह राजपुरोहित डोली व ग्रामीणों से वार्ता की, लेकिन ग्रामीण स्थायी समाधान के ठोस आश्वासन की मांग पर अड़े रहे। देर शाम तक महापड़ाव पर जिला कलक्टर व अन्य अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर इन्होंने जोधपुर पहुंच संभागीय आयुक्त घर का घेराव करने का निर्णय लिया। इसकी जानकारी पर बालोतरा से अतिरिक्त जिला कलक्टर नेनूराम व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र यादव मौके पर पहुंचे। इनसे समझाइश की।

अकबर को महान बताना महाराणा प्रताप का अपमान

भामाशाहों के सम्मान समारोह में बोले मदन दिलावर

उदयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कुछ महीने पहले आदिवासियों का डीएनए टेस्ट कराने की बात कहकर विवादों में आए राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने रविवार को उदयपुर में पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना और अकबर को महान बताना मेवाड़ की आन-बान-शान के प्रतीक महाराणा प्रताप का अपमान है।

उन्होंने उदयपुर सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में कहा कि अब कभी भी अकबर को महान बताकर स्कूलों में नहीं पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अकबर ने देश को लूटने का काम

किया है। अकबर को महान बताने वाले अब आगे नहीं आ पाएंगे। दिलावर ने कहा कि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन-बान और शान के लिए सर्वोच्च न्योछावर कर दिया, लेकिन कभी भी महाराणा प्रताप को महान नहीं बताया, यह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा देना सबसे बड़ा धर्म है। सभी भामाशाह देवतुल्य हैं।

अफसर पति ने सरकारी धन भेज दिया पत्नी के खाते में

झुंझुनू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के नयासर ग्राम पंचायत में गड़बड़ी का अनूठा मामला सामने आया है। यहां ग्राम विकास अधिकारी ने सरकार के रुपयों को अपनी पत्नी व जानकारों के खाते में डाल दिए। मामले का खुलासा होने पर ग्राम विकास अधिकारी को निलम्बित कर दिया है। उसके खिलाफ झुंझुनूं सदर थाने में मामला भी दर्ज करवा दिया गया है। सदर थानाधिकारी दयाराम चौधरी ने बताया कि नयासर सरपंच रोशनलाल ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है कि पातुसरी के ग्राम विकास अधिकारी सिद्धार्थ खींचड़, निवासी रीको क्षेत्र झुंझुनूं के पास नयासर ग्राम पंचायत का अतिरिक्त कार्यभार है। सिद्धार्थ ने 30 जुलाई से 29 अगस्त 2024 तक भिन्न-भिन्न बैंकों में जमा पंचायत की राशि का गबन कर लिया। सिद्धार्थ ने पैसा हड़पने की नियत से बैंकों में पंचायत की जमा राशि 50 लाख रुपए अपनी पत्नी संगीता कुमारी के खाते व अन्य व्यक्तियों के खाते डाल लिए। पुलिस ने ग्राम विकास अधिकारी सिद्धार्थ खींचड़, उसकी पत्नी संगीता खींचड़ समेत समेत अन्य के खिलाफ गबन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गबन का मामला दर्ज होने के बाद ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) सिद्धार्थ को निलंबित कर दिया गया है। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) ममता चौधरी की ओर से जारी निलंबन आदेश में बताया गया है कि पातुसरी ग्राम विकास अधिकारी सिद्धार्थ खींचड़ के खिलाफ नयासर सरपंच की ओर से पेश किए गए तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने एवं विभागीय जांच प्रस्तावित होने पर निलंबित कर मुख्यालय ग्राम पंचायत अजाड़ी किया जाता है। वहीं इस बार में ग्राम विकास अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया तकनीकी गड़बड़ी के चलते रुपए गलती से ट्रांसफर हो गए थे। अधिकांश रुपए वापस सरकारी खाते में जमा करवा दिए हैं। जो शेष हैं, उनको भी जमा करवा दिया जाएगा। राजनीतिक राजनीतिक द्वेषता के चलते मामला दर्ज करवाया गया है। आरोप निराधार हैं।

दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को सितंबर से मिलेंगे 10 हजार रुपये

दी जा रही राशि में बढ़ोतरी : दिया कुमारी

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य की उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने बताया कि 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दी जा रही 6500 रुपये की राशि को 1 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु मजबूत कदम है।

योजना की जानकारी देते हुए दिया कुमारी ने बताया कि दिव्यांग महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान तथा संतान के जन्म के पश्चात अधिक पौष्टिक आहार मिल सके इस हेतु उक्त राशि में बढ़ोतरी कर उसे 10 हजार रुपये किया गया है। इसके साथ ही मां और बच्चे का बेहतर स्वास्थ्य हो तथा उनका टीकाकरण सुनिश्चित हो सके इस हेतु उक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि 3500 रुपये की यह अतिरिक्त राशि 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि को 1 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने बताया कि योजना के अनुसार प्रथम किश्त का भुगतान आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकरण एवं कम से कम एक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पूर्व में 3000 रुपये दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर पूर्व में मिलने वाले 1500 रुपये की द्वितीय किश्त को बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है और बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के संपूर्ण टीकाकरण पर चौदह सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किश्त 2000 रुपये को बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बढ़ी हुई राशि 3500 रुपये ऐसी महिलाएं को देय है, जो आंशिक रूप से (40 प्रतिशत) अथवा पूरी तरह से अक्षम हैं। उन्हें डीबीटी के माध्यम से उक्त राशि दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने यह भी बताया कि 1 सितंबर से ही प्रदेश में ₹राष्ट्रीय पोषण माह 2024₹ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं और बच्चों का पोषण को बढ़ावा देने और उनके बेहतर स्वास्थ्य की गतिविधियां संचालित करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और पोषण को भी लक्षित किया गया है।

आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले इस अभियान में एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी , बेहतर शासन के लिए तकनीकी उपाय, पर्यावरण संरक्षण जैसी थीम्स रखी गई हैं। कार्यक्रम के लिए एक कैलेंडर भी तैयार किया गया है, जिसके अनुसार गतिविधियों को आयोजित किया जाना है।

श्री बुनकर ने जिला उपनिदेशकों एवं सीडीपीओ को निर्देशित किया गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा वर्कर, महिला पर्यवेक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अन्य सभी सहयोगी विभागों के समन्वय से राष्ट्रीय पोषण माह 2024 की गतिविधियों का कैलेंडर के अनुसार आयोजन किया जाए।

जयपुर में हुई मूसलाधार बारिश से कानोता बांध में भरा पानी

करीब 6 इंच चली चादर

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। तेज बारिश के बाद कानोता बांध में तेज चादर चली जिसके चलते बांध के नीचे से गुजर रही सड़क पर पानी का बहाव बहुत तेज रहा। सोमवार सुबह यहां से बाइक लेकर गुजर रहा राहगीर तेज बहाव के कारण सड़क दिखाई नहीं देने से पानी के बहाव के साथ सड़क किनारे लगे गहरे कटाव में गिरकर चोटिल हो गया। बाइक गड्ढे में ही रह गई। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर की सहायता से करीब एक घंटे रेस्क्यू कर बाइक को गड्ढे से बाहर निकाल लिया। प्रशासन की अनदेखी के चलते यहां आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे है।

युवक की मौत पर हंगामा, बीकानेर- जयपुर नेशनल हाइवे जाम

लाइन हाजिर थानेदार के निलंबन की सहित कई मांग, परिजनों ने शव लेने से किया मना

बीकानेर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के खारा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित पीओपी की फैक्ट्री में रविवार सुबह युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले में सोमवार को भी शव नहीं उठाया गया। पीबीएम हॉस्पिटल की मॉच्यूरी के बाहर आज सुबह परिजनों और ग्रामीणों के साथ भाजपा-कांग्रेस के नेता धरने पर बैठे। मांगों पर सहमति नहीं बनने पर दोपहर करीब 3 बजे बीकानेर-जयपुर हाइवे जाम कर दिया।

मामले के अनुसार कालासर निवासी नरेंद्र सिंह (32) पुत्र गिरधारी सिंह का शव रविवार को फैक्ट्री में मिला था। मामले में परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया। एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया- फैक्ट्री के अंदर रहने वालों और नरेंद्र सिंह के बीच विवाद हुआ था। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। प्राथमिक पूछताछ में मोबाइल चुराने की बात सामने आ रही है। जामसर थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया। अब परिजन निलंबन की मांग पर अड़े है। फैक्ट्री में रविवार सुबह 10 बजे शव मिलने के बाद से मामला शांत नहीं हुआ है। पहले दिन रविवार को ग्रामीणों ने मौके से शव नहीं उठाया। आरोप लगाया कि युवक की हत्या कर आरोपी भाग गए और और पुलिस पकड़ नहीं पा रही है। ऐसे में आरोपियों के गिरफ्तार होने के बाद ही शव को उठाया जाएगा। देर शाम आश्वासन के बाद शव को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया।

पोस्टमार्टम के बाद आज सुबह फिर दिया धरना

पीबीएम हॉस्पिटल में आज सुबह पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद परिजनों ने शव लेने से मना कर दिया। उनका कहना है कि जब तब मांग नहीं मानी जाएगी। शव नहीं उठाया जाएगा। धरने पर आज भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत, भगवान सिंह मेड़तिया, कांग्रेस नेता प्रहलाद सिंह मार्शल भी पहुंचे।

शेखावत ने आरोप लगाया कि पुलिस पूरे मामले में लापरवाह रही है। सुबह पांच बजे घटना का पता चलने के बाद भी पुलिस ने हत्या करने वालों को भागने दिया। कार्रवाई की बात की गई तो थानेदार को महज लाइन हाजिर कर दिया। हम उसके निलंबन की मांग कर रहे हैं।

मांगों पर सहमति नहीं बनने पर परिजन और ग्रामीण दोपहर में स्टेट हाइवे पहुंच गए। बीकानेर-जयपुर हाइवे पर टायर जलाकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे भाजपा नेता भगवान सिंह मेड़तिया ने कहा- एसएचओ ने मिलीभगत से सारे साक्ष्य को मिटा दिया। डीवीआर तक गायब करवा दिया। कोई प्रशासनिक अधिकारी भी अपराधियों के शरणार्थी बने हुए है तो, उन्हें भी बक्शा नहीं जाएगा। हम आम जनता के साथ है। आरोपियों को बक्शा नहीं जाएगा।

पुलिस व नेताओं के बीच वार्ता विफल हो गई है। प्रशासन की ओर से वार्ता के लिए कलेक्टर व एसपी दोनों नहीं आए। बीकानेर एसडीएम किरण गोदारा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्यारे लाल शिवराम पहुंचे। दूसरी तरफ भाजपा नेता जालम सिंह भाटी, सुरेंद्र सिंह भाटी, भगवान सिंह मेड़तिया, श्याम सिंह हाड़ला भी उपस्थित रहे। दोनों पक्षों में सहमति नहीं बनी।

पेपर लीक मामले में नया खुलासा

आरपीएसी सदस्य रामू राइका ने पुत्र-पुत्री को पहले ही दिया था प्रश्नपत्र

जयपुर, 2 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक मामले में इन परीक्षाओं का आयोजित करवाने वाली संस्था आरपीएससी की भूमिका ही अब जांच के घेरे में आ चुकी है। एसओजी ने आरपीएससी मेंबर रामू राइका को गिरफ्तार कर लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से पहले ही अपने पुत्र देवेश राइका और पुत्री शोभा राइका को पेपर दे दिया। दोनों का चयन सब इंस्पेक्टर में हो गया था। एसओजी इन दोनों ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स को शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। एसओजी में रामू राम राईका के बेटा-बेटी सहित 5 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया था। मजिस्ट्रेट के सामने पेश करके 7 सितंबर तक रिमांड पर भेज दिया। एसआई भर्ती परीक्षा में एसओजी ने अब दूसरे सदस्य को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा सेकंड ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक में गिरफ्तार हो चुका है।

मामूली बात पर जिगरी दोस्त ही बना हैवान

चाकू से गोदकर 21 साल के दोस्त को उतारा मौत के घाट

कोटा, 2 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा शहर के भीमगंजमंडी थाना इलाके की खेड़ली फाटक में 21 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सामने आया है। यहां पर उसके ही दोस्तों ने चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय युवक के अन्य दोस्तों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की लेकिन वह उसे बचा नहीं सके। मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। आज पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

भीमगंजमंडी थाना अधिकारी रामकिशन गोदारा का कहना है कि आसपास की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन आरोपी तब तक मौके से फरार हो गए थे। घटना में खेड़ली फाटक बालाजी टाउन निवासी 21 वर्षीय निखिल अग्रवाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर अमन, मुकेश केवट, मोनू नागर सहित 5 युवकों के खिलाफ हत्या का नामजद प्रकरण दर्ज किया गया है।

कहासुनी के बाद बदला लेने के लिए हमला

सीआई रामकिशन गोदारा ने बताया कि गाड़ी को कट लगाने यानी रोडरेज के सामान्य मामले से निखिल की उसके दोस्तों के साथ कहासुनी हुई थी। इसका बदला लेने की नीयत से बाइक पर सवार होकर आए हमलावरों ने निखिल पर खेड़ली फाटक चौराहे के नजदीक चाकू से हमला किया। घटना में निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है।

निखिल अग्रवाल 10वीं पास था और कोई काम नहीं कर रहा था। हमलावर और निखिल पहले अच्छे दोस्त थे लेकिन एक महीने पहले किसी गाड़ी को कट लगाने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई थी। इसके बाद इनकी दोस्ती में दरार आ गई और बदला लेने की भावना में इस वारदात को अंजाम दिया।

कंटेनर में छिपाकर ले जाई जा रही थी 1.15 करोड़ कीमत की शराब की खेप, पुलिस ने धर दबोचा

सिरोही, 2 सितंबर (एजेंसियां)। आबूरोड रीको पुलिस द्वारा कंटेनर में छिपाकर गुजरात ले जाई जा रही चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को पकड़ा गया है। इस मामले में कंटेनर एवं शराब के 1003 कार्टन जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया हैं। पकड़ी गई शराब की कीमत 1.15 करोड़ रुपए बताई गई है। यह कार्रवाई आबूरोड रीको पुलिस थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में टीम द्वारा की गई। टीम द्वारा सीमावर्ती मावल चौकी पर नाकाबंदी की गई थी। उस दौरान आबूरोड से गुजरात की ओर जा रहे एक कंटेनर को रुकवाकर तलाशी ली गई तो उसमें चंडीगढ़ निर्मित अंग्रेजी शराब के 1003 कार्टन पाए गए। पूछताछ के दौरान कोई संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर शराब एवं कंटेनर को जब्त कर खूमाराम पुत्र खरताराम जाट को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई शराब की कीमत 1.15 करोड़ रुपए बताई गई है। पिछले एक माह में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ आबूरोड रीको पुलिस की यह चौथी बड़ी कार्रवाई है। इस कारवाई में मावल चौकी प्रभारी पूराराम, हेड कांस्टेबल किशनलाल, कांस्टेबल प्रकाश, गोकूलसिंह, महेन्द्रसिंह, श्री प्रवीणसिंह, रिंकूसिंह, गोपाल,ओमप्रकाश, रामचंद्र एवं प्रकाश चालक सम्मिलित रहे। पुलिस के कार्रवाई यह शराब चंडीगढ़ से भरी गई थी तथा इसे पोरबंदर, गुजरात में सप्लाई किया जाना था, लेकिन इससे पहले कि कंटेनर गुजरात सीमा में घुस पाता मावल चौकी पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस द्वारा इसे पकड़ लिया गया।

टीचर की रिटायरमेंट पर रोने लगा पूरा गांव और शिष्य, विदाई पर दिया मोटर साइकल

राजसमंद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। शास्त्रों में गुरु के पद को सूरज और साक्षात गोविंद से भी बड़ा माना गया है। सूरज बाहरी दुनिया का अंधकार मिटाता है पर गुरु भीतर के मन का अंधकार मिटाकर शिक्षा के साथ चरित्र को आलोकित करता है। ऐसे में गुरु की इस महिमा को क्षेत्र के गांव दोवड़ा में एक गुरु के शिष्यों ने समझा और अपने गुरु की सेवानिवृति पर ठाठ-बाठ से बैण्डबाजों के साथ घोडे पर बैठाकर जुलूस निकाला और समान व गुरु दक्षिणा के रूप में शिष्यो एवं ग्रामवासियों ने मिलकर मोटर साइकिल उपहार में भेंट की।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय आगलगांव के प्रधानाध्यापक अलवर निवासी सत्यनारायण शर्मा अपनी राजकीय सेवा से 31 वर्ष पूर्ण करने के बाद रिटायर हुए। इनके मधुर व्यवहार एवं अच्छे शिक्षण से इनके करीब 50 शिष्य राजकीय सेवा में विभिन्न पदों पर सेवा दे रहे हैं। इनमें राजस्थान में पुलिस सर्कल इंस्पेक्टर, स्कूल शिक्षा में प्राचार्य, व्यायता, शिक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, कनिष्ठ सहायक, कांस्टेबल आदि पदों तथा बड़े व्यवसायी भी बने हैं। प्रधानाध्यापक अलवर निवासी सत्यनारायण शर्मा 31 अगस्त को सेवानिवृत हो गए। सत्यनारायण शर्मा ने अपना कार्यकाल दोवडा क्षेत्र व आस-पास के विद्यालयों में पूरा किया। सेवानिवृति पर उनके शिष्य व गांव के ग्रामीणों ने उनके सम्मान में एक यादगार समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर पूरा गांव एकत्र हुआ। दोवडा माता मंदिर परिसर में प्रसादी का आयोजन किया गया। वहीं, शिक्षक की विदाई पर शिष्यों एवं ग्रामीणों ने भावुक मन से रोते हुए विदाई दी।

भूमिगत केबल चोरी में शामिल गिरोह के 14 सदस्य गिरफ्तार

दस लाख रुपये की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भूमिगत केबल चोरी में शामिल गिरोह के 14 अपराधियों को बोवेनपल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया और दस लाख रुपये की संपत्ति बरामद की। हाल ही में कुछ अज्ञात अपराधियों द्वारा भूमिगत तांबे की संचार केबलों की चोरी करने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे बीएसएनएल को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है और जनता को मिलने वाली सेवाओं में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसके कारण उपभोक्ता बीएसएनएल से अन्य सेवा प्रदाताओं की ओर रुख कर रहे हैं। अपराधी खुद को सड़क काटने और अन्य सड़क कार्यों के लिए आधिकारिक कर्मचारी बताते हैं, सड़क के किनारे खुदाई करते हैं और रात के समय कीमती तांबे की संचार केबलों की चोरी करते हैं। ऐसी ही एक घटना में बोवेनपल्ली पुलिस ने डी. मारुति एसडीई (बीएसएनएल) की शिकायत पर 13 अगस्त को मामला दर्ज किया। उन्होंने सेंटर प्वाइंट नाला, बोवेनपल्ली के पास एक बड़ी भूमिगत तांबे की केबल चोरी के बारे में शिकायत की, जिससे बीएसएनएल के बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा, जिससे राजस्व का काफी नुकसान हुआ और सेवाएं बाधित हुईं। बोवेनपल्ली पुलिस को इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की मदद से सफलता मिली और उसने गिरोह के 14 अपराधियों को ताड़बंद एक्स रोड, बोवेनपल्ली में एक यात्री ऑटो और दो दोपहिया बाइक पर संदिग्ध तरीके से घूमते हुए पकड़ा। अपराधियों ने पूछताछ में अन्य समान अपराधों के अलावा सेंटर प्वाइंट नाला, बोवेनपल्ली के पास भूमिगत तांबे की केबल चोरी करने का अपना अपराध स्वीकार किया है, जिसके बाद 10 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में वल्लपु विनोद उर्फ विनोद निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, बंदरी वीरन्ना उर्फ वीरन्ना निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला श्रीनु उर्फ श्रीनू निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, गुंजा रामुलु उर्फ रामुडु निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला राजेश उर्फ राजेश निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, गोगुला विनोद उर्फ विनोद निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला येसु निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला नागराजू उर्फ राजू निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वल्लापु विनय, निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला श्रीनु उर्फ श्रीनू निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, वेमुला सैदुलु निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, गुंजा कृष्णा, महबुबाबाद जिला, बांदरी प्रवीण निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, ओंतिपुली रामबाबू निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, रमेश नाइक निवासी मुदिराज कॉलोनी, हयातनगरड, नि. नलगोंडा जिला, गोलियाला सत्यनारायण, निवासी पेद्दांबरपेट, नि. भोनिगिरि, जिला नलगोंडा शामिल हैं। फरार आरोपियों में बंदरी रमेश, निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, मक्कला विनोद, निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद, रेलोल्लु महेश, निवासी बंजारा कॉलोनी, हयात नगर, हैदराबाद शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से 120 किलोग्राम कॉपर केबल, एक ऑटो, एक बजाज पल्सर आदि बरामद किया है।

एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम जागरण 13 को

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल स्थित मच्छाबोलारम बाबा रामदेवजी महाराज के मंदिर प्रांगण में भादव मास की पावन दशमी के अवसर पर शुक्रवार 13 सितंबर रात्रि 9.15 बजे से श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मंडल अलवाल वेकन्टापुरम भक्तों के सानिध्य में 13वां भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में नवयुवक मंडल के महेन्द्र सिंह पितावत ने बताया कि हर वर्ष की भांति भादव मास के पावन अवसर पर श्री बाबा रामदेवजी महाराज का भव्य जागरण भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। मंदिर में बाबा रामदेवजी महाराज का विशेष श्रृंगारकर शुक्रवार 13 सितंबर पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर व आरती के पश्चात पधारे भक्तों एवं समाज बन्धुओं के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी, रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे संदीप सेजु, अमित नागोरी भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक हनुमंत राव, रावत राजपूत समाज अध्यक्ष टीलसिंह रावत, अलवाल सीआई राहुल देव, गज्जु भाई कोलरिया, शांतिलाल सुथार व पधारे सम्मानित अतिथियों का विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में नवयुवक मंडल के महेन्द्रसिंह पितावत, नेमीचन्द गोयल, पारसनाथ चौहान, सुनिल पंवार, दिनेश मांगर, अनिल रेड़वाल, रामसिंह भाटी, हनुमान कच्छावा, जीतमल कच्छावा, पुरणमल, योगेश कच्छावा, दिनेश कुमावत, धर्माराम सैंणचा, नेमाराम राठौड़, किशन देवासी, शेषाराम मुलैवा, रामकुमार कच्छावा, सुखराम साँखला, सजन वैष्णव, रतनलाल सोलंकी, चेनाराम कुमावत, सोहनलाल कुमावत, भुराराम माली, बाबुलाल नायक, मुकेश पुनिया, श्याम कुमावत, हनुमानराम कुमावत, मांगीलाल माली, रतनलाल गांधी, सुरेश कुमावत, गोविन्दसिंह, अजय सीरवी, गणेश जांदु, प्रकाश प्रजापत, भवरलाल प्रजापत, शिवशंकर भाटी, पुनाराम काग, बुधाराम काग, दिनेश, राजुराम कुमावत, सुखराम माली, पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेगे। भक्तों से निवेदन है कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेवे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आइए मिट्टी के गणेश की पूजा करें : महापौर

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने सभी से विनायक की पूजा करने और पर्यावरण की रक्षा करने का आह्वान किया है। महापौर ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में अपने कक्ष में लायंस क्लब द्वारा छपवाए गए 'आओ मिट्टी के गणेश की पूजा करें, आओ पर्यावरण की रक्षा करें... आओ तालाब बचाएं' पोस्टर का अनावरण किया। लायंस क्लब ने कहा कि वे इस गणेश चतुर्थी उत्सव पर मुफ्त में मिट्टी के गणेश वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सीरवी विकास मण्डल नाचाराम मल्लापुर बढेर का वार्षिक सम्मेलन 5 सितंबर को

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम मल्लापुर स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में विशेष मीटिंग आयोजितकर श्री आईमाताजी के 609वें अवतरण दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम 4 सितंबर रात्रि जागरण व 5 सितंबर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

अध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा सचिव तुलसाराम सिन्दड़ा ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा की अध्यक्षता में मुख्य अतिथियों, पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष नेमाराम हाम्बड़ द्वारा आय-व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। सचिव तुलसाराम सिन्दड़ा द्वारा समाज में किये गये विकासशील कार्यों का विवरण दिया जाएगा।

रेल यात्रा में एक नया अध्याय शुरू, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन!

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन वंदे भारत पोर्टफोलियो का एक रोमांचक विस्तार है। यह नया जोड़ रेल यात्रा की हमारी कल्पना के तरीके को बदलने के लिए तैयार है। भारत में पहली बार, इस ट्रेन सेट को कार्यात्मक उत्कृष्टता के साथ सौंदर्य अपील को जोड़ने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। ट्रेन सेट में इस्तेमाल की गई सभी सामग्री और घटक उच्चतम अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। विश्व स्तरीय सुविधाओं और बेहतरीन इंटीरियर के साथ तैयार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट भारत की रेल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण छलांग है, जो यूरोपीय मानकों के बराबर यात्री अनुभव प्रदान करता है।

भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में क्रांति लाने के लिए तैयार, यह खंड आराम, सुरक्षा और दक्षता के लिए नए मानदंडों को पूरा करता है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कई विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है। इसकी मुख्य विशेषताओं में ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील ट्रेन सेट, यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेन सेट में दुर्घटना-रोधी विशेषताएं, जीएफआरपी पैनल के साथ श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ इंटीरियर, वायुगतिकीय बाहरी लुक, मॉड्यूलर पेंट्री, ईएन 45545 के अनुसार अग्नि सुरक्षा, खतरे का स्तर: 03, दिव्यांगों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय, स्वचालित बाहरी यात्री दरवाजे, सेंसर आधारित इंटरकम्युनिकेशन दरवाजे, अंतिम दीवार पर दूर से संचालित अग्नि अवरोधक दरवाजे, एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया गया गंध मुक्त शौचालय सिस्टम, चालक दल के लिए शौचालय, गर्म पानी के साथ शॉवर प्रथम एसी कार, यूएसबी चार्जिंग प्रावधान के साथ एकीकृत रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और दृश्य सूचना प्रणाली, आधुनिक यात्री सुविधाएं, विशाल सामान रखने का कमरा आदि है। दमरे के अनुसार सेवा के दौरान अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है। परीक्षण के दौरान अधिकतम परिचालन गति 180 किमी प्रति घंटा रहा है। एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बीसीएमएल बेंगलुरू में वंदे भारत स्लीपर संस्करण ट्रेन सेट के उत्पादन की शुरूआत कर दी है।

स्वाध्याय निर्जरा का एक आंतरिक भेद : शासन श्री साध्वी श्री शिवमाला

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ सभा, सिकन्दराबाद के तत्वावधान में राजा-राजेश्वरी गार्डन के विशाल एवं भव्य प्रांगण में साध्वीश्री शिवमाला जी के सान्निध्य में सम्पूर्ण श्रावक समाज हर्षोल्लास के साथ पर्युषण की आराधना में सलग्न है।

महापर्व आराधना का दूसरा दिन स्वाध्याय-दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विशाल धर्म परिषद को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहा, पर्युषण पर्व भी अध्यात्म का प्रकाश-दीप स्वयं के भीतर जलाने की बात कहता है। दूसरे के भरोसे मत रहो। अंधेरों में रोशनी तलाशों और स्वयं पर विश्वास करो।

साध्वीश्री ने कहा, स्वाध्याय के रूप में आज का दिन आत्म दीप बनने की प्रेरणा देता है। आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देता है। जीवन की समस्याओं का जिम्मेदार व्यक्ति स्वयं है, दूसरा नहीं। स्वाध्याय अध्यात्म ग्रन्थ वाचन की प्रेरणा है। परिषद को प्रेरणा प्रदान करते हुए साध्वीश्री ने कहा, आगम, ध्यान, तत्वज्ञान, जैन विद्या, तेरापंथ दर्शन, इतिहास स्वरूचि अनुसार स्वाध्याय का पंथ चुनो और प्रस्थान करो, असीम आनन्द प्राप्त होगा। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन जरूरी है, ब्रेन के लिए भी स्वाध्याय जरूरी है। स्वाध्याय के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है, जो नित्य स्वाध्यायशील होते है, दुःखों को दुर करने वाले होते है। स्वाध्याय के द्वारा बड़ी से बड़ी समस्या से पार पाया जा सकता है। भगवान महावीर ने गौतम गणधर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, स्वाध्याय करते-करते ज्ञानावरणीय कर्म को क्षय किया जा सकता है।

चतुदर्शी हाजरी का वाचन करते हुए कहा, हर तेरापंथी श्रावक अपने सिद्धान्तों, मर्यादाओं, व्यवस्था और अनुशासन का पूरा ध्यान रखे। लक्ष्मीपत जी बैद द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया गया। आज के कार्यक्रम की शुरूआत गंगाशहर, बीकानेर, उदासर, भीनासर, नोखा, नाल, देशनोक व रासीसर के हैदरावाद प्रवासियों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

साध्वी अमित रेखा ने कहा, ज्ञान की साधना आनंद की साधना है। मोक्ष प्राप्ति की साधना है। जैन आगमों में स्वाध्याय के पांच प्रकार बताए हैं, स्वाध्याय से तीर्थंकर गोत्र बंधन भी हो सकता है। 24 घंटे में आठ प्रहर होती है, आगम में चार प्रहर स्वाध्याय के लिए बताए गए हैं। मल्ली कुमारी जी के जीवन का अद्भुत वृतांत बताया गया। साध्वी अर्हम प्रभा जी एवं साध्वी रत्न प्रभा जी ने स्वाध्याय दिवस के उपलक्ष्य में गीत का संगान किया। क्षेत्रीय जप आराधना में बढ़-चढ़कर श्रावक समाज हिस्सा ले रहा है। सैंकड़ो भाई-बहन तपस्या का प्रत्याख्यान किया। महिला मंडल मंत्री सुशीला मोदी द्वारा मंडल की सूचनाएं प्रेषित की गई। युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा द्वारा परिषद की सूचनाएं प्रेषित की गई। कार्यक्रम का कुशल संचालन लक्ष्मीपत जी बैद ने किया।

मंत्री ने मुख्य नहर और क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना-आंध्र प्रदेश सीमा पर हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर टूटी हुई एनएसपी मुख्य नहर और बुरी तरह क्षतिग्रस्त पुल का सिंचाई, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन उत्तम कुमार रेड्डी ने निरीक्षण किया। उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ से पीड़ित सभी लोगों को आश्वासन दिया कि सरकार प्रभावित लोगों को मुआवजा देगी। उन्होंने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर मरम्मत/पुनर्निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कोदाड, हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और कोडाडा विधायक उत्तम पद्मावती रेड्डी ने कोदाडा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नदीगुडेम मंडल के रामचन्द्रपुरम उपनगर का दौरा किया, जहां सागर बाईं नहर में गिरता है। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारी सीई रमेश बाबू आदि रहे।

473वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा नागपुर जिले के माध्यमिक विद्यालय के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 473वें नवीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। जो 31 अगस्त तक चला। समापन समारोह की अध्यक्षता आभासी पटल के माध्यम से केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रुतिकांत भारती थे। पाठ्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र प्रो. गंगाधर वानोडे तथा मंच पर पाठ्यक्रम प्रभारी फत्तिराम नायक, डॉ.एस. राधा उपस्थित रहीं। स्वागत गीत अध्यापिका श्रीमती पूजा, रश्मि एवं टीना द्वारा प्रस्तुत किया गया। अवसर पर डॉ. श्रुतिकांत भारती ने कहा कि हमें हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए, हमें प्रयास करना चाहिए कि हम हिंदी में ही बात करें, जिससे हम अच्छी तरह से हिंदी बोल सके, समझ सके।

संयोजक प्रो. गंगाधर वानोडे ने केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रमों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि हिंदीतर प्रदेशों के लिए भी केंद्रीय हिंदी संस्थान कई तरह के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। डॉ. फत्तिराम नायक ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई हस्तलिखित पत्रिका संत्रानगरी नागपुर, साहित्य दर्पण का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। इस दौरान पर-परीक्षण में प्रथम पुरस्कार अजय रामचंद्र वाणी, द्वितीय पुरस्कार मंगेश पुंडलिक जनबंधू एवं तृतीय पुरस्कार मयूर मारोतराव भोंबे तथा प्रोत्साहन पुरस्कार श्रीमती पुजा अखिल तिवारी को प्रदान किया गया। इस अवसर के केंद्र के सदस्य डॉ. संदीप कुमार, सजग तिवारी तथा शेख मस्तान वली उपस्थित रहे।

शंमशेरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला में आज अमावस्या के अवसर उपस्थित श्रद्धालु ।

अमावस्या के अवसर गगनपहाड़ स्थित सत्यमशिवम सुंदर गौ निवास में गो माताओं को चारा खिलाते हुए श्रद्धालु ।

पोला त्योहार मनाया गया

मदनूर, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मदनूर मंडल के साथ साथ विविध गांव में श्रावण माह अमावस्या के अवसर पर बैल पोला उत्सव मनाया गया। किसान बैल पोला त्योहार के दिन बैलों को सुबह नहलाकर उसे रंग बिरंगी रंगों से सजाया। किसानों ने बैलों को सजा कर गले में घंटी पैरो में घुंघरू बांध कर उनका जुलूस निकाला।

सोमवती अमावस्या पर गौलीगुडा स्थित इमलीबन गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाते हुये जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल व सिकंदराबाद एवं बोवनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन, मणीलाल शाह, पी. राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघुनंद गोपी, प्रेमचंद मुनोथ, एम. नरसिंह राव एवं रवी आदि ने भी गौसेवा की।

विश्वमंगल गौशाला में अमावस्या के उपलक्ष में सभी को भक्तों ने तन मन धन से सेवा दी सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति गोवर्धन सुथार, उपस्थित रहे, डूंगराम सीरवी, दिलाराम, महेंद्र सिंह, पेमाराम, हनुमंत धनवा, श्री स्टील, सोहनलाल, दिनेश देवासी, भोमाराम, देवाराम, राजूराम, समनालाल सीरवी, अमराराम, जामताराम, मोहनलाल, दिनेश, सोसाराम सीरवी भोपाराम प्रजापत, सुरेश भाई देवासी, सवाई राम सुथार, प्रकाश भाई सीरवी, गोगाराम सीरवी शैतान राम, नरपत राम, स्वरूप राम, धन्यवाद प्रकट करते हुए धर्माराम सुरि शांतिलाल उदय भास्कर वेंट रेड्डी।

श्री आईजी गौशाला में सोमवती अमावस्या पर गौसेवा

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में सोमवती अमावस्या पर गायों को हरा चारा खिलाया गया।

अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, ढगलाराम सेपटा, नारायण लाल परिहार, भगाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, नारायण लाल आगलेचा जयराम, जगदीश मालविया, भंवरलाल मुलेवा, अर्जुन लाल बर्फा, डायाराम लचेटा, पारसमल शर्मा, कालुराम काग चितल, गोपाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, बाबूलाल मुलेवा, पुनम चन्द्र हाम्बड़, दुर्गा प्रसाद हाम्बड़ आदि ने चारा खिलाया।

भोजन प्रसादी का इंतजाम जयराम परिहार, भरत, अशोक शिल्पा परिहार चंदनसिंह, छेलु सिंह राजपूत, सरदाराम सीरवी, सत्यनारायण कुमार, ओमप्रकाश ने किया। आईमाता जी भजन मण्डली बालाजी नगर द्वारा अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, महिला भजन मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया।

सफीलगुडा स्थित सम्मान समारोह कार्यक्रम में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, मनोनित सदस्य रामलाल बर्फा, सीए जसराज वरपा का सम्मान करते हुए अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, गणेशराम बर्फा, मोतीलाल काग, आनन्द राठौड़, पुखराज आगलेचा, बाबुलाल मुलैवा व समाज बन्धु।

मरकजी मिलाद जुलूस समिति के समिति सदस्यों से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर के. श्रीनिवास रेड्डी ने टीजीसी एंड सीसी, बंजारा हिल्स में हैदराबाद के मरकजी मिलाद जुलूस समिति के समिति सदस्यों से मुलाकात की। समिति के सदस्यों ने 19 सितंबर को मिलाद जुलूस निकालने की अनुमति मांगते हुए एक पत्र सौंपा। सीपी, हैदराबाद ने समिति के सदस्यों को शांतिपूर्ण मिलाद-उन-नबी और मिलाद जुलूस के आयोजन में पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, एल एंड ओ, हैदराबाद शहर और स्नेहा मेहरा, आईपीएस, डीसीपी, साउथ ज़ोन, हैदराबाद शहर भी मौजूद थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

निषाद ने भारत को दिलाया रजत पदक

स्वर्ण से चूकने का अफसोस, ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में यूएस को सोना

पेरिस, 2 सितंबर (एजेंसियां)। निषाद कुमार ने ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में दरम्यानी रात भारत को रजत पदक दिलाया। हालांकि, निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। इस ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में अमेरिका के खिलाड़ी को स्वर्ण पदक मिला। अमेरिका के टाउनसेंड रोडेरिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पेरिस में सफलता के बाद लगातार दो पैरालंपिक पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय होने का गौरव निषाद के नाम हो गया है। पैरालंपिक ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में निषाद कुमार ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी रोडेरिक को

कड़ी टक्कर दी। निषाद ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भी रजत पदक अपने नाम किया था।

पेरिस पैरालंपिक में निषाद ने रजत जीतने के बाद खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी की सुनहरी कामयाबी पर बांहों में भरकर बधाई दी। कांटे की टक्कर में निषाद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी ने इस सीजन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भारत को पदक दिलाने की खुशी के साथ-साथ निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। उन्हें तीसरे प्रयास में असफल होने के बाद भावुक भी देखा गया।

पेरिस में दोहराई टोक्यो की कहानी। भारत को रजत पदक दिलाने के बाद निषाद को खेल के मंच को नमन करते देखा गया।

इस स्पर्धा का कांस्य पदक मार्गिएव जॉर्जी ने जीता। पैरालंपिक रिकॉर्ड के मुताबिक उन्होंने किसी देश की तरफ से शिरकत नहीं की है। जॉर्जी ने तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर पेरिस पैरालंपिक 2024 में भाग लिया।

प्रीति पाल ने महिला 200 मीटर में जीता कांस्य

पेरिस पैरालंपिक में दूसरा मेडल; भारत के कुल 9 पदक

पेरिस, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पैरा एथलीट प्रीति पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रीति ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30.01 सेकेंड में दौड़ पूरी की और पोडियम स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। प्रीति का पेरिस पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर टी35 वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था। 23 वर्षीय प्रीति का कांस्य पदक पेरिस में भारत का दूसरा पैरा एथलेटिक्स पदक भी है। इससे पहले प्रीति ने ही 100 मीटर स्पर्धा में भी पदक

जीता था। टी35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनमें हाइपरटोनिया, अटैक्सिया और एथेटोसिस जैसी समन्वय संबंधी विकार होते हैं।

उत्तर प्रदेश के किसान की बेटी हैं प्रीति

प्रीति पाल ने महिलाओं की टी35 वर्ग की 100 मीटर स्पर्धा में 14.21 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से कांस्य हासिल किया था। भारत ने 1984 चरण से एथलेटिक्स में जो भी पदक जीते हैं, वे सभी फील्ड स्पर्धा में मिले। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के किसान की बेटी प्रीति ने पैरालंपिक के दूसरे दिन भारत का एथलेटिक्स पदक का खाता खोला था और अब उन्होंने एक बार फिर कांस्य अपने नाम किया।

प्रीति मई में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद पेरिस आई थीं। पैरालंपिक के 1984 चरण के बाद से भारत ने जो भी एथलेटिक्स पदक जीते थे वो सभी फील्ड स्पर्धा से आए थे।

भारत को पैरालंपिक में दूसरा गोल्ड

नितेश कुमार ने पेरिस में लहराया तिरंगा

पेरिस, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के खाते में पेरिस पैरालंपिक में दूसरा गोल्ड मेडल आ गया है। यह गोल्ड बैडमिंटन में नितेश कुमार ने जीता है। एसएल3 कैटेगरी में में नितेश ने ब्रिटेन के खिलाड़ी को हराकर भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। फाइनल मुकाबले में नितेश ने एक बार मैच पॉइंट भी बचाया।

पेरिसः पैरालंपिक 2024 में भारत के खाते में दूसरा गोल्ड मेडल आ गया है। बैडमिंटन में नितेश कुमार ने भारत के लिए यह गोल्ड जीता। पुरुष सिंगल्स के एसएल3 कैटेगरी में 29 साल के नितेश ने ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। 29 साल के भारतीय खिलाड़ी का यह पहला ओलंपिक मेडल है। इस पैरालंपिक में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल शूटिंग में अवनि

लेखरा ने जीता था।

आखिरी गेम में कांटे की टक्कर

राजस्थान में जन्मे नितेश कुमार ने पहले गेम को आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी वह आगे चल रहा था। हालांकि फिर वापसी करते हुए बेथेल ने जीत हासिल की। इस तरह मुकाबला तीसरे गेम में पहुंचा। बेथेल को मैच पॉइंट भी मिला। हालांकि नितेश ने उन्हें सफल नहीं होने दिया और गेम को 23-21 से जीतकर भारत की झोली में गोल्ड मेडल डाल दिया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप का लिया बदला

नितेश कुमार को इसी साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ता था। वहां सेमीफाइनल में नितेश बेथेल से ही हार गए थे। लेकिन अब पैरालंपिक के फाइनल में बेथेल को हराकर नितेश ने अपना बदला पूरा किया। 2022 में 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में नितेश ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। पिछले साल एशियन पैरा गेम्स में पुरुष डबल्स में उन्हें गोल्ड मिला था जबकि सिंगल्स में सिल्वर से संतोष करना पड़ा था।

भारत के हुए कुल 9 मेडल

पेरिस पैरालंपिक में भारत के कुल 9 मेडल हो गए हैं। दो गोल्ड के अलावा भारतीय पैराएथलीट्स ने 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल पर भी कब्जा जमाया है। पैरालंपिक में भारत ने अपना बेस्ट प्रदर्शन तोक्यो 2020 में किया था। तब देश के आते में 5 गोल्ड के साथ ही 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज आए थे। इस बार उम्मीद कि जा रही है कि भारत तोक्यो से भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 से ज्यादा मेडल पर कब्जा करेगा।

भाविना ने टेबल टेनिस में किया शानदार प्रदर्शन

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, अब इस खिलाड़ी से सामना

पेरिस , 2 सितंबर (एजेंसियां)। भाविना ने अंतिम 16 राउंड के मुकाबले में मार्था को 11-3, 11-6, 11-7 से हरा दिया। गुजरात की 37 वर्षीय खिलाड़ी अब क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन चीन की यिंग झोउ से भिड़ेंगी।

टोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता भारत की भाविना पटेल ने मेक्सिको की मार्था वर्डिन पर 3-0 की जीत के साथ पैरालंपिक में महिला एकल वर्ग 4 टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भाविना ने अंतिम 16 राउंड के मुकाबले में मार्था को 11-3, 11-6, 11-7 से हरा दिया। गुजरात की 37 वर्षीय खिलाड़ी अब क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन चीन की यिंग झोउ से भिड़ेंगी। चीनी खिलाड़ी ने टोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में भाविना को हराया था।

वर्ग 4 के खिलाड़ी हाथों और बाजुओं के साथ व्हीलचेयर पर बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। उनकी दुर्बलता रीढ़ की हड्डी के घाव या सेरेब्रल पाल्सी के कारण हो सकती है। भाविना को कम उम्र में पोलियो हो गया था। पैरा टेबल टेनिस की दुनिया में उनका सफर तब शुरू हुआ जब उन्होंने 2009 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता जीती। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भाविना 2022 पैरा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता और 2022 पैरा एशियाई खेलों में कांस्य पदक विजेता हैं।

निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बावजूद पदक से चूके रवि

रक्षिता ने 1500 मीटर दौड़ में किया निराश

पेरिस, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के रवि रोंगाली से पेरिस पैरालंपिक में पदक लाने की उम्मीद थी, लेकिन वह पुरुषों की एफ40 गोला फेंक फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे और पदक लाने से चूक गए। पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले रवि ने हालांकि 10.63 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष तीन में पहुंचने के लिए काफी नहीं था।

विश्व रिकॉर्ड धारक पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेरो ने 11.21 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मंगोलिया के बटुल्गा त्सेगमिड (11.09 मीटर) ने कांस्य पदक जीता। मौजूदा एशियाई पैरा खेलों के चैंपियन इराक के गर्राह तनैयाश ने 11.03 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि टोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियन रूस डेनिस

गनेजडिलोव 10.80 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। वह पेरिस पैरालंपिक में तटस्थ एथलीट के रूप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। एफ40 वर्ग छोटे कद वाले खिलाड़ियों के लिए है।

रक्षिता शुरुआती दौर से ही बाहर

रक्षिता राजू महिलाओं की 1500 मीटर टी11 दौड़ के शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। 23 साल की रक्षिता हीट तीन में पांच मिनट 29.92 सेकेंड के समय के साथ चार धावकों में आखिरी स्थान पर रहीं। तीनों हीट से प्रत्येक में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। चीन की शानशान हे चार मिनट 44.66 सेकेंड के समय के साथ रक्षिता की हीट में शीर्ष स्थान पर रहीं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की लौजेन कोएट्जी ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास चार मिनट 45.25 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। टी11 श्रेणी दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए है। इसमें एथलीट गाइड की मदद से प्रतिस्पर्धा करते हैं।

भारत ने जीते हैं अब तक पांच पदक

भारत ने पेरिस पैरालंपिक में अब तक पांच पदक अपने नाम किए हैं जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है।

अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि मोना ने इसी स्पर्धा का कांस्य अपने नाम किया था। वहीं, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में मनीष नरवाल ने रजत पदक जीता था। इसके अलावा प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 स्पर्धा और रुबीना फ्रांसिस ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था।

12 गेंद 39 रन, फिर आया रिंकू सिंह का तूफान

भुवनेश्वर की टीम को मिली जीत

लखनऊ, 2 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में खेली जा रही यूपी टी20 लीग 2024 में रिंकू सिंह का बल्ला आग उगल रहा है। हर मैच में रिंकू सिंह गेंदबाजों की जमकर कुटाई कर रहे हैं। इस सीजन रिंकू सिंह को मेरठ मावेरिक्स का कप्तान बनाया गया है। धाकड़ बल्लेबाजी के साथ-साथ रिंकू कमाल की कप्तानी भी कर रहे हैं। हालांकि रिंकू अपनी टीम को इस सीजन की पहली हार से बचा नही पाए। दरअसल यूपी टी20 लीग में 1 सितंबर को मेरठ मावेरिक्स और लखनऊ फॉल्कंस के बीच मैच खेला गया। इस मैच में भुवनेश्वर कुमार की लखनऊ रिंकू की मेरठ पर भारी पड़ी।

मेरठ मावेरिक्स और लखनऊ फॉल्कंस के बीच ये मैच बारिश से प्रभावित रहा। जिसके बाद मैच को 11-11 ओवरों का कराया गया। इस मैच में मेरठ मावेरिक्स

ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 142 रन बनाए थे। फिर डीएलएस मेथड के चलते इस स्कोर को 154 रनों में बदल दिया गया था। जिसके बाद लखनऊ फॉल्कंस को इस मैच में 155 रन बनाने थे।

इस लक्ष्य को लखनऊ फॉल्कंस ने 10.5 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। लखनऊ फॉल्कंस की तरफ से सामर्थ सिंह ने 27 गेंदों पर 69 रनों की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान सामर्थ ने 9 चौके और 4 छक्के लगाए थे। इसके अलावा हर्ष त्यागी ने 22 गेंदों पर 49 रन बनाए थे। जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

फिर आया रिंकू सिंह का तूफान

इस मैच में एक बार फिर से मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह का तूफानी अंदाज देखने को मिला। मैच में बल्लेबाजी करते हुए रिंकू ने महज 12 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली थी। अपनी पारी के दौरा रिंकू ने 3 चौके और 4 शानदार छक्के लगाए थे। हालांकि रिंकू अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। 5 मैचों में मेरठ मावेरिक्स की ये पहली हार है।

स्वास्तिक चिकारा ने खेली शानदार पारी

मेरठ मावेरिक्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए स्वास्तिक चिकारा ने कमाल की पारी खेली। इस मैच में स्वास्तिक ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी। उन्होंने 36 गेंदों पर 75 रन बनाए थे। अपनी पारी के दौरान स्वास्तिक ने 4 चौके और 8 शानदार छक्के लगाए।

जीत को चाहिए थे 5 रन, 6 गेंदों पर झटके 6 विकेट

अंतिम ओवर में गेंदबाज ने रचा इतिहास

खेल डेस्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट के खेल में कब क्या हो जाए कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। इसीलिए इसे अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। इस खेल में रिकॉर्ड बनने और टूटने का सिलसिला जारी रहता है। लेकिन कई बार ऐसे रिकॉर्ड भी बन जाते हैं जो असंभव से लगते हैं। ऐसा ही एक रिकॉर्ड टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने बनाया था, जिसमें उन्होंने ओवर की 6 गेंद पर 6 छक्के जड़े थे। युवराज सिंह का ये रिकॉर्ड हर किसी को मालूम है लेकिन क्रिकेट में 6 गेंदों पर 6 विकेट लेने का कारनामा भी एक खिलाड़ी रच चुका है, जिसके बारे में कम लोगों को ही जानकारी है। आज अपनी रिपोर्ट में हम इसी रिकॉर्ड के बारे में आपको जानकारी दे रहे हैं।

ये कारनामा ऑस्ट्रेलिया के तीसरे डिविजन क्लब के क्रिकेटर

गैरेथ मोर्गेन ने रचा था। उन्होंने लोकल मैच के दौरान ये उपलब्धि हासिल की थी। उनके इस प्रदर्शन से टीम हारा हुआ मैच जीत गई थी। मोर्गेन अपनी टीम मुदगीराबा नेरांग एंड डिस्ट्रिक्ट्स क्रिकेट क्लब के कप्तान भी थे। उन्होंने गोल्ड कोस्ट के प्रीमियर लीग डिविजन-3 प्रतियोगिता में सरफर्स पैराडाइज के खिलाफ 6 गेंदों पर 6 विकेट लेने का कारनामा रचा था। ये रिकॉर्ड उन्होंने पिछले साल नवंबर के महीने में बनाया था।

मुदगीराबा नेरांग एंड डिस्ट्रिक्ट्स क्रिकेट क्लब और सरफर्स पैराडाइज के बीच हुए इस मैच में सरफर्स पैराडाइज की टीम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी। टीम ने अंतिम ओवर से पहले 4 विकेट खोकर 174 रन बना लिए थे। आखिरी 6 गेंदों पर टीम को जीत के लिए 5 रन की जरूरत थी। टीम की ओर से आखिरी ओवर कप्तान गैरेथ मोर्गेन करने आए थे। उन्होंने 6 गेंदों पर 6 विकेट हासिल कर टीम को 4 रन से जीत दिला दी थी।

गैरेथ मोर्गन ने आखिरी ओवर की पहली चार गेंदों पर 4 बल्लेबाजों को कैच आउट कराया। इसके बाद अंतिम 2 बल्लेबाजों को उन्हें बोल्ड किया। इस मैच में गैरेथ मोर्गन ने 7 ओवर में 16 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे। अंतिम ओवर फेंकने से पहले उन्होंने 6 ओवर में 16 रन देकर महज 1 विकेट ही हासिल किया था। मोर्गेन ने इस मैच में 39 रन भी नबाए थे। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर मोर्गेन ने विपक्षी टीम के सलामी बल्लेबाज जेक गारलैंड को 65 रन के स्कोर पर आउट किया था। इसके बाद अगले 5 बल्लेबाजों को उन्होंने गोल्डन डक (0 रन) पर आउट किया।

पूर्व कप्तान कपिल देव पर भड़के युवराज के पिता

कहा- वो हाल करूंगा, दुनिया थूकेगी तुझ पर; शीशे में शक्ल देखें धोनी

मुंबई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। वे पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव और एमएस धोनी पर भड़के हैं।

एक टेस्ट और 6 वनडे खेलने वाले योगराज ने यूट्यूब चैनल जी स्विच से कहा- 'मैं धोनी को जिंदगी में कभी माफ नहीं करूंगा।' उनका कमेंट सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ है। योगराज ने कपिल देव के लिए कहा- 'उन्होंने 1981 में मुझे टीम से निकाला, उनको मैंने उसे कहा था वो हाल करके छोड़ूंगा, दुनिया थूकेगी तुझ पर।' योगराज ने कहा, 'मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा। उन्हें आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। वे बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के खिलाफ जो किया है, वह सब सामने आ रहा है। उन्हें जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैंने जीवन में कभी दो चीजें नहीं की हैं, पहला जिसने मेरे लिए गलत किया है, मैंने उसे कभी माफ नहीं किया है और दूसरा, मैंने अपने जीवन में कभी भी उन्हें गले नहीं लगाया है, चाहे वे मेरे परिवार के सदस्य हों या मेरे बच्चे।'

योगराज सिंह ने इसी इंटरव्यू में 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव पर भी बोले। उन्होंने दावा किया कि कपिल देव के साथ उनके रिश्ते तब से तनावपूर्ण हैं, जब उन्हें 1981 में भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। योगराज का मानना है कि कपिल ने उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हुए टीम से बाहर कर दिया था। योगराज सिंह ने कहा, 'मैं जिंदगी में लोगों को दिखाना चाहता हूं कि योगराज चीज किया है, जिसको तुमने नीचे गिराया है। आज सारी दुनिया मेरे पैरों के नीचे हैं, सलाम करती है और वो लोग जिन्होंने बहुत बुरा किया था...किसी को कैंसर है, किसी का घर टूट गया और किसी के घर में बेटा ही नहीं है। आप समझ रहे हो मैं किसकी बात कर रहा हूं...वो है आपके ग्रेटेस्ट कैप्टन ऑफ ऑल टाइम मिस्टर कपिल देव, उसको मैंने कहा था कि वो हाल करके छोड़ूंगा दुनिया थूकेगी तुझ पर। आज युवराज सिंह के पास 13 ट्रॉफी है और तेरे पास एक ही है वर्ल्ड कप।

ऐसा पहली बार नहीं है जब योगराज ने धोनी पर निशाना साधा है। इस साल की शुरुआत में 66 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि धोनी के बुरे कामों के कारण चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल-2024 हार गई।

सीएम ने बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का किया आग्रह

बाढ़ पीड़ितों को 5 लाख का मुआवजा देगी सरकार

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्र से तेलंगाना में बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और व्यापक नुकसान से निपटने के लिए राज्य को आवश्यक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से प्रभावित इलाकों का दौरा करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से हुए नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट केंद्र को सौंपने के निर्देश दिए, साथ ही तत्काल केंद्रीय सहायता के लिए औपचारिक अनुरोध भी किया।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में पुलिस कमांड और कंट्रोल रूम में चल रहे बारिश और बाढ़ राहत प्रयासों पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने बाढ़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को 4 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की घोषणा की। उन्होंने बाढ़ में खोए मवेशियों, बकरियों और भेड़ों के लिए मुआवजे में वृद्धि करने का भी निर्देश दिया। रेवंत रेड्डी ने सबसे ज़्यादा प्रभावित जिलों खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम, महबूबाबाद और सूर्यपेट के कलेक्टरों को तत्काल राहत के तौर पर 5 करोड़ रुपए आवंटित किए। उन्होंने जिला कलेक्टरेट में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का भी आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने भारी वर्षा एवं अन्य आपदाओं के दौरान बेहतर आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) की तर्ज पर आठ राज्य पुलिस बटालियनों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के बाद रेवंत रेड्डी जिले की स्थिति का आकलन करने के लिए सड़क मार्ग से खम्मम के लिए रवाना हुए।

बाढ़ की स्थिति को संभालने में सरकार विफल

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना में चल रहे बाढ़ संकट को प्रभावी ढंग से संभालने में विफल रहने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की आलोचना की। उन्होंने बारिश के दौरान बीआरएस कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की तुलना कांग्रेस सरकार की उदासीनता से की। बीआरएस कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए रामा राव ने कहा कि उन्होंने दिखाया कि सच्ची जनसेवा और करुणा क्या होती है? जबकि कांग्रेस सरकार कहीं नज़र नहीं आ रही है, आप चुनौती का सामना कर रहे हैं और ज़रूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं।

आपके अथक प्रयास हमारी पार्टी की रीढ़ हैं, जो एक बार फिर साबित करते हैं कि हम ही वो ताकत हैं जो तेलंगाना को मज़बूत बनाए रखती है।

बाढ़ पीड़ितों को मिले 25 लाख की अनुग्रह राशि

केटीआर ने की सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने बाढ़ पीड़ितों के परिवारों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने के कांग्रेस सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इस राशि को अपर्याप्त बताया और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से शोक संतप्त परिवारों को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करने के अपने पहले के वादे को पूरा करने का आग्रह किया। एक बयान में रामा राव ने राज्य सरकार द्वारा शोक संतप्त परिवारों को पूर्ण सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा कहा कि वादा किए गए 25 लाख रुपये से कम कुछ भी देना जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात होगा।

उन्होंने अपने घर खोने वालों के लिए क्षति की सीमा के आधार पर 5 लाख रुपये का मुआवजा बढ़ाने की भी मांग की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने खराब योजना, तैयारियों की कमी और उपलब्ध संसाधनों के कुप्रबंधन के कारण जानमाल की हानि को रोकने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने राज्य सरकार से बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन की रक्षा करने तथा उनमें विश्वास बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी, अपना वादा निभाइए और सुनिश्चित कीजिए कि परिवारों को वह सहायता मिले जिसका वादा किया गया था।

भारी बारिश के कारण टूटी सिंगुर डिस्ट्रीब्यूटरी नहर

संगारेड्डी, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के पुलकल मंडल के इसोजीपेट में सोमवार को सिंगूर की बायीं तट नहर की एक वितरण नहर टूट गई। दिलचस्प बात यह है कि जलाशय से नहरों में पानी छोड़े जाने से पहले ही नहर टूट गई थी। पिछले तीन दिनों से पुलकल क्षेत्र में भारी बारिश होने के कारण नहर में बारिश का पानी भर गया था। पहले तो डिस्ट्रीब्यूटरी नहर ओवरफ्लो होने लगी और बाद में उसमें दरार आ गई। यद्यपि पूरी गर्मियां बीत चुकी थीं, लेकिन सरकार मानसून के आने तक जलाशयों में जल प्रवाह आने तक नहरों की मरम्मत या लाइनिंग का कोई कार्य शुरू करने में विफल रही थी।

नहर टूटने से नहर के नीचे की कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। सिंचाई अधिकारी नहर टूटने को बंद करने के काम में जुटे हैं। इस बीच, सोमवार सुबह सिंगुर जलाशय में पानी का प्रवाह बढ़कर 18,595 क्यूसेक हो गया। परियोजना में वर्तमान भंडारण बढ़कर 18.5 टीएमसी फीट हो

गया है, जबकि इसकी पूरी भंडारण क्षमता 29.91 टीएमसी फीट है।

भर गया श्रीराम सागर, खोले गए 40 गेट

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बाढ़ के कारण जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होने के कारण श्रीराम सागर परियोजना के 42 में से 40 गेट खोल दिए गए, जिससे सोमवार को 1.65 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। परियोजना में रविवार रात से करीब दो लाख क्यूसेक पानी आना जारी है। परियोजना में पानी 80.5 टीएमसी की सकल भंडारण क्षमता तक पहुंचने वाला है, जिसके कारण अधिकारियों को इसके गेट खोलने पड़े हैं। गोदावरी नदी के ऊपरी इलाकों से जलाशय में लगातार भारी मात्रा में पानी आने के कारण निचले इलाकों के गांवों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

वर्तमान में जलाशय में 76 टीएमसी पानी है, तथा अंतर्वाह 1.95 लाख क्यूसेक से अधिक है, जिससे प्रतिदिन इसके भंडारण में संभावित रूप से 17 से 18 टीएमसी की वृद्धि हो सकती है। महाराष्ट्र के गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण स्थिति और खराब होने की आशंका है। इस क्षेत्र की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में से एक श्रीराम सागर परियोजना अपने चरण I और II के तहत 15 लाख एकड़ से अधिक के संयुक्त अयाकट का समर्थन करती है, जो निजामाबाद, करीमनगर, वारंगल, खम्मम और नलगोंडा के पूर्ववर्ती जिलों में फैली हुई है। भारी मात्रा में पानी आने से इसके कमांड क्षेत्र में देर से आने वाले खरीफ सीजन में काफी लाभ होने की उम्मीद है।

पटरियों पर जलभराव के कारण एससीआर ने रद्द की ट्रेनें

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश और कई स्थानों पर पटरियों पर जलभराव के कारण दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 3 सितंबर को चलने वाली विभिन्न ट्रेनों को रद्द कर दिया है। तदनुसार, सिकंदराबाद - सिरपुर कागजनगर (17233); सिरपुर कागजनगर-सिकंदराबाद (17234); सिकंदराबाद - शालीमार (12774); शालीमार - सिकंदराबाद (12773); सिकंदराबाद - विशाखापत्तनम (22204); विशाखापत्तनम - सिकंदराबाद (12805); सिकंदराबाद - विशाखापत्तनम (20707); विशाखापत्तनम - सिकंदराबाद (20708) और सिकंदराबाद - विशाखापत्तनम (20834) को रद्द कर दिया गया है। एससीआर प्राधिकारियों ने रेल यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे समय सारणी में परिवर्तन को ध्यान में रखें तथा तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

रातभर बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

गच्चीबोवली में 97 मिमी बारिश दर्ज

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार हैदराबाद में रातभर बारिश हुई और गच्चीबावली में 97 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो शहर में सबसे अधिक है। रविवार देर शाम शुरू हुई बारिश पूरी रात जारी रही, जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया और सोमवार सुबह यातायात बाधित हुआ। गाचीबोवली के अलावा शहर के अन्य इलाकों में भी अच्छी बारिश हुई। सेरिलिंगमपल्ली में हैदराबाद विश्वविद्यालय में 86 मिमी और लिंगमपल्ली में 85.8 मिमी बारिश हुई। कुकटपल्ली में 85 मिमी और एलबी नगर इलाके में 62 मिमी बारिश दर्ज की गई।

अनंतगिरी पहाड़ियों में बह निकले झरने

ट्रेकिंग करते समय सावधानी बरतें पर्यटक

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले में स्थित अनंतगिरी पहाड़ियों में दो दिनों की लगातार बारिश के बाद जलधाराएँ उफान पर हैं। ट्रैकिंग रूट पर मौजूद झरना, जो कि मुख्य आकर्षणों में से एक है, अब पूरी क्षमता से बह रहा है। कोटेपल्ली जलाशय अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुँच चुका है और वर्तमान में लबालब भरा हुआ है। पर्यटन स्थल पर पानी की धाराओं के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। अधिकारियों ने पर्यटकों को सलाह दी है कि वे पानी के बढ़ते प्रवाह और फिसलन की स्थिति के कारण इस क्षेत्र में ट्रेकिंग करते समय सावधानी बरतें।

सिंचाई परियोजनाओं को मिला भरपूर पानी

भारी बारिश पर किसानों ने जताई खुशी

निर्मल, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के बाद सिंचाई परियोजनाओं में प्रचुर मात्रा में पानी पहुंचा है। सोमवार को दूसरे दिन भी जिले में मूसलाधार बारिश जारी रही। कड्डमपेदुर मंडल केंद्र में कड्डम नारायण रेड्डी परियोजना में 51,067 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया। जल स्तर 7.603 टीएमसी की भंडारण क्षमता के मुकाबले 691.450 फीट तक पहुंच गया। 10 गेट खोलकर अतिरिक्त पानी निकाला गया और परियोजना से 83,250 क्यूसेक पानी का बहिर्वाह दर्ज किया गया। स्वर्णा परियोजना में 8,000 क्यूसेक पानी आया और जलस्तर 1,180 फीट पर पहुंच गया, जबकि इसकी भंडारण क्षमता 1.484 टीएमसी है। अतिरिक्त पानी को निकाल दिया गया और परियोजना से 20,180 क्यूसेक पानी बाहर निकल गया। अन्य परियोजनाओं को भी भरपूर मात्रा में धन प्राप्त हुआ। किसानों ने भारी बारिश पर खुशी व्यक्त की।

निर्मल जिले में औसत वर्षा 86 मिमी थी, जिसमें पेम्बी मंडल में सबसे अधिक 145 मिमी वर्षा हुई। निर्मल ग्रामीण, सोन, ममदा, खानपुर और कड्डमपेदुर मंडलों में 100 मिमी से अधिक वर्षा हुई। 1 जून से 2 सितम्बर तक जिले में सामान्य 724 मिमी वर्षा के मुकाबले वास्तविक वर्षा 925 मिमी हुई, जो 24 प्रतिशत अधिक है। इस बीच, मनचेरियल जिले में औसत बारिश 55 मिमी रही। दांडेपल्ली मंडल में सबसे ज़्यादा 99 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले में वास्तविक बारिश 784 मिमी की तुलना में 839 मिमी रही - जो 7 प्रतिशत ज़्यादा है। कुमुराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद जिलों की औसत वर्षा क्रमशः 49.4 मिमी और 48.5 मिमी थी।

वारंगल पुलिस ने दो साइबर जालसाजों को किया गिरफ्तार

वारंगल, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल साइबर अपराध पुलिस ने सोमवार को ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी में शामिल तमिलनाडु की एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, चेक बुक, डेबिट और क्रेडिट कार्ड और मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के अनुसार, आरोपी जसील और प्रीति ने धोखाधड़ी के माध्यम से यस बैंक, एक्सिस बैंक और जन स्मॉल फाइनेंस बैंक में बैंक खाते खोले और पीड़ितों को 'गोल्डमैन सैक्स की आंतरिक इक्विटी राशि' और 'यम ब्रांडिंग-6001' में भारी रिटर्न पाने के लिए बड़ी रकम निवेश करने का लालच दिया। उन्होंने शहर के दो लोगों से 28 लाख रुपये की ठगी की और उनकी शिकायत पर जसील और प्रीति को गिरफ्तार कर लिया गया।

साइबर क्राइम टीम ने तमिलनाडु में दोनों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर वारंगल ले आई। उन्होंने देश भर में करीब 150 अपराध करने की बात कबूल की, जिसमें तेलंगाना में 15 मामले शामिल हैं, जिसमें पीड़ितों से करीब 15 करोड़ रुपये ठगे गए। आयुक्त ने बताया कि आगे धोखाधड़ी वाले लेन-देन को रोकने के लिए आरोपी व्यक्तियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस का समय पुनर्निर्धारित

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश के बाद सोमवार को दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया। पुनर्निर्धारित सेवाओं में ट्रेन संख्या 20702 तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल है, जो सोमवार को अपराह्न 3.15 बजे तिरुपति से रवाना होने वाली थी। एससीआर ने यात्रियों को सूचित किया कि जोड़ीदार ट्रेन के देरी से चलने के कारण अब यह ट्रेन उसी दिन रात्रि 8.15 बजे रवाना होगी।

छात्रावास में लड़की की मौत की हो जांच

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने की मांग

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने आदिलाबाद के उटनूर की 16 वर्षीय रक्षिता की संदिग्ध मौत की गहन जांच की मांग की, जो निजामाबाद में अपने कॉलेज छात्रावास में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई थी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रक्षिता के शोकाकुल परिवार को न्याय मिले। निजामाबाद के एक पॉलिटेक्निक कॉलेज में कृषि की प्रथम वर्ष की छात्रा रक्षिता, दाखिला लेने के दो दिन बाद ही छात्रावास के बाथरूम में मृत पाई गई, उसके गले में दुपट्टे का घाव था। यह दुखद घटना रक्षिता द्वारा पिछली रात 8 बजे अपने माता-पिता से बात करने के कुछ समय बाद हुई, जिसमें उसने उन्हें आश्वासन दिया था कि सब कुछ ठीक है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन ने रक्षिता के माता-पिता से खबर छिपाकर घटना को छिपाने का प्रयास किया तथा उनकी जानकारी के बिना ही उसके शव को स्थानांतरित करने का प्रयास किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब छात्रों ने विरोध किया और एंबुलेंस को रोकने में कामयाब रहे, लेकिन प्रबंधन को शव को ले जाने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा। इसके अलावा, घटना से पहले के घंटों से लेकर पुलिस के हॉस्टल में पहुंचने तक के सीसीटीवी फुटेज कथित तौर पर मिटा दिए गए, जिससे संदेह और बढ़ गया।

रामा राव ने बीआरएस विधायकों अनिल जाधव और कोवा लक्ष्मी से आग्रह किया कि वे परिवार से मिलने जाएं और उसे सांत्वना दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक परिवार को जवाब नहीं मिल जाता और न्याय नहीं मिल जाता, तब तक बीआरएस शांत नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले में जवाब देने की जरूरत है।

सिद्दीपेट में हुई सबसे अधिक औसत वर्षा

सिद्दीपेट, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में भारी बारिश हुई और सोमवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में औसतन 10 सेमी वर्षा दर्ज की गई। यह इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान जिले में हुई सबसे अधिक औसत बारिश है। मिरुदोड्डी मंडल में 16 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि नारायणरावपेट और सिद्दीपेट ग्रामीण मंडल में क्रमशः 14.9 सेमी और 14.6 सेमी बारिश हुई। इस अवधि के दौरान 26 में से 22 मंडलों में भारी बारिश हुई। मेदक जिले में 8.6 सेमी औसत वर्षा दर्ज की गई, जबकि पपन्नापेट और हवेलीघनपुर मंडलों में 15.3 सेमी वर्षा और पिछले 24 घंटों के दौरान 12 सेमी वर्षा दर्ज की गई। संगारेड्डी जिले में 5.8 सेमी औसत वर्षा दर्ज की गई, जबकि सभी 28 मंडलों में लगातार दूसरे दिन मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई।

बारिश से हैदराबाद में ठंडक

न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिन का तापमान

हैदराबाद, 2 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में अप्रत्याशित ठंड का अनुभव हुआ क्योंकि मानसून की बारिश के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे मौसम में अचानक बदलाव आया और निवासियों को अपने कंबल और जैकेट का सहारा लेना पड़ा। यह भारी परिवर्तन सप्ताहांत में हुआ, जब तापमान में तेजी से गिरावट आई, जो अगस्त के अंत के गर्म दिनों से उल्लेखनीय बदलाव था।

अगस्त के अंत में अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेल्सियस के आसपास था, जो 1 सितंबर तक लगभग 24 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जबकि न्यूनतम तापमान 22.3 डिग्री सेल्सियस के करीब बना रहा।

वर्ष के इस समय में उच्च और निम्न तापमान के बीच यह कम अंतर असामान्य है, विशेष रूप से यह देखते हुए कि सितम्बर के प्रारम्भ में सामान्य अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस होता है, तथा सामान्य न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस होता है। ठंड का दौर सोमवार को भी जारी रहा, सुबह-सुबह हुई बारिश ने पूरे दिन ठंड को बरकरार रखा। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में शहर में सबसे अधिक अधिकतम तापमान बहादुरपुरा में 25.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्शाता है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में ठंड का यही रुख जारी रहेगा तथा जारी मानसून वर्षा के कारण तापमान सामान्य से कम रहेगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.